हरिभूमि रायपुर भूमि

10 के सिस्टम में अब भी खेल, कुछ सुधरे, कुछ ढर्रे पर देर से पहुंचे कर्मचारी, कलेक्टर बोले- करेंगे कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि की खबर के बाद कलेक्टोरेट के कर्मचारियों की लेटलतीफी से ड्यूटी पहुंचने में की जा रही मनमानी में सुधार आया है। खबर के पहले 10 प्रतिशत ही कर्मचारी सुबह 10 बजे पहुंच रहे थे, लेकिन खबर प्रकाशित होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है, हालांकि अभी भी 60 प्रतिशत कर्मचारी ऐसे हैं, जो विलंब से पहुंच रहे हैं। प्रशासन अब कर्मचारियों की लेटलतीफी को लापरवाही मानते हुए उनके खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में है। कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने हरिभूमि से बातचीत में दो टूक कहा कि विलंब से पहुंचने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे।

हरिभूमि लगातार

हरिभूमि की टीम ने आचार संहिता हटने के दूसरे दिन 7 जून को कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों में पदस्थ कर्मचारी सुबह 10 बजे समय पर पहुंचते हैं या नहीं इसकी पड़ताल की थी। इस पड़ताल में सुबह 10 से 10 बजकर ⏭शेष पेज 13 पर

आदिवासी विकास के दफ्तर में 10.21 मिनट पर पसरा रहा सन्नाटा

टीम की दोबारा पड़ताल में राजस्व विभाग, रेंट कंट्रोलर दफ्तर, कृषि विभाग, जिला निर्वाचन कार्यालय, समग्र शिक्षा में 50 प्रतिशत से अधिक स्टॉफ उपस्थित मिले, जबकि इससे पहले यहां भी 10 से 20 प्रतिशत ही कर्मचारी उपस्थित थे। इन दफ्तरों के कर्मचारी तो समय पर पहुंचने लगे, लेकिन आदिवासी विकास सहायक आयुक्त कार्यालय में 10.21 बजे चपरासी को छोड़कर एक भी कर्मचारी नहीं मिला। इसी प्रकार खाद्य, आबकारी, खनिज, अंत्यावसायी सहकारी विकास, वित्त विभाग के दफ्तर में गिने चुने कर्मचारी ही मिले।

राष्ट्रीय बालश्रम परियोजना के दफ्तर में लटका मिला ताला

राष्ट्रीय बालश्रम परियोजना के दफ्तर में दोबारा पड़ताल में भी सुबह साढ़े दस बजे दरवाजे पर ताला लटका मिला। सूत्रों के अनुसार यह दफ्तर हर दिन करीब 11 बजे खुलता है। कई बार तो दफ्तर खुले होने के बाद भी यहां कर्मचारी उपस्थित नहीं रहते।

15 मिनट में रजिस्टर अधीक्षक तक पहुंचाने का नियम भी बंद

ड्यूटी पहुंचने का समय हो या छूटने का समय खत्म होने के 15 मिनट के अंदर सभी कर्मचारियों को रजिस्टर में हस्ताक्षर करना होता था। तय समय के बाद रजिस्टर अधीक्षक कार्यालय में पहुंचा दिया जाता था, जिसके बाद विलंब से आने वाले कर्मचारी अधीक्षक के कार्यालय में जाकर हस्ताक्षर करते थे। इसके बाद अधीक्षक विलंब से आने वाले कर्मचारी के रजिस्टर में हाफ टाइम लगाते थे, ताकि वेतन कटने पर कर्मचारी सही समय पर ड्यूटी आए। अब इस नियम को भी फालो नहीं किया जा रहा है।

कर्मचारियों की लेटलतीफी से आम लोग परेशान

लोकसभा चुनाव के कारण पिछले दो माह से दफ्तरों का काम काज भी थम सा गया था। संभावना जताई जा रही थी कि आचार संहिता हटने के बाद दफ्तरों में तेजी से कामकाज होगा, लेकिन कर्मचारी ही दफ्तरों में विलंब से पहुंच रहे हैं, जिसके कारण न ही समय पर पेंडिंग मामलों का निराकरण नहीं हो पा रहा है और न ही नये मामलों में कार्रवाई की जा रही है।

खबर संक्षेप

महिला के गले से चेन लूटने की कोशिश

रायपुर। डीडीनगर थाना में एक महिला ने सोमवार को अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ चेन लूटने की कोशिश करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक 50 वर्ष की करीब उम्र की महिला महादेव घाट रोड पर टहलने के लिए निकली थी। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश महिला के करीब पहुंचे और उसके गले से चेन लूटकर भागने की कोशिश करने लगे। बदमाश महिला के गले में झपट्टा मारकर चेन लूटने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान महिला ने चेन को अपने हाथ में पकड़ लिया, इस वजह से बदमाश महिला के गले में पहनी चेन नहीं लूट पाए।

अहाता में शराब पीने की बात को लेकर मारपीट

रायपुर। पंडरी थाना में एक युवक ने अज्ञात चार लड़कों के किलाफ अहाता में शराब पीने घर से पानी ले जाने के विवाद पर मारपीट

करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक गजेंद्र कुमार सोनवानी ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। गजेंद्र ने पुलिस को बताया है कि वह अहाता में शराब पीने के लिए घर से पानी लेकर गया था। इस बात को लेकर अज्ञात लड़कों ने उसे शराब पीने घर से पानी लाने की बात को लेकर मारपीट की।

नाबालिग से छेड़खानी तीन वर्ष कैद

रायपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग से छेड़खानी करने के आरोप में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोम की पाक्सो फास्ट ट्रैक कोर्ट ने गोपाल यदु को तीन वर्ष कैद तथा दो हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर कोर्ट ने आरोपी को अतिरिक्त चार माह कैद की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक यास्मीन बेगम के मुताबिक गोपाल ने पांच वर्ष पूर्व 17 नवंबर को किशोरी के साथ उसके घर प्रवेश कर छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया था।

एमआईसी की बैठक में कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

खाली प्लॉट के टैक्स पर चक्रवर्ती ब्याज जांच और रेट तय करने बनी कमेटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम की एमआईसी की बैठक में खाली प्लाट पर टैक्स और उस टैक्स पर लिया जा रहा चक्रवर्ती ब्याज का मुद्दा उठा। एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा ने यह मामला उठाते हुए कहा कि खाली पड़े प्लाट पर टैक्स के साथ चक्रवर्ती ब्याज लिया जा रहा है, जो मकान टैक्स के ब्याज से भी ज्यादा है। इस मुद्दे पर बैठक में अन्य सदस्यों ने भी चक्रवर्ती ब्याज का विरोध किया, जिसके बाद बैठक में खाली प्लाट के टैक्स पर लिए जा रहे ब्याज की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है। इसमें अपर आयुक्त विनोद पांडे, राजस्व समिति अध्यक्ष अंजनी राधेश्याम विभार सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। यह कमेटी जांच के लिए ब्याज का रेट भी तय करेगी, ताकि प्लाट मालिकों पर ब्याज के रूप में ज्यादा बोझ ना पड़े।

निगम मुख्यालय में सोमवार को महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक हुई। बैठक में कुल 12 एजेंडे लाए गए थे। इन सभी एजेंडों पर चर्चा के बाद पारित कर दिए गए। इन एजेंडों में नगर निगम के 62 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय प्रकरण को स्वीकृति दी गई है। इसके तहत कुल 54 लाख 16 हजार 87 रुपये का भुगतान किया जाना है। इसी प्रकार पूर्व में पारित ⏭शेष पेज 13 पर

खास बातें

- वर्ष 2012 के अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने प्रस्ताव को मंजूरी
- 62 अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलेगी चिकित्सा प्रतिपूर्ति राशि, 5416087 रुपये भुगतान को स्वीकृति
- निराश्रित पेंशन के 259, परिवार सहायता पेंशन के 54 नये पात्र हितग्राहियों के प्रकरण स्वीकृत

मोटर कर्मशाला में प्लेसमेंट के माध्यम से होगी कर्मचारियों की भर्ती

बैठक में जल विभाग के प्रस्ताव अनुसार 80 एवं 150 एमएलडी जल संयंत्र का वार्षिक संचालन व संधारण करने के कार्य एवं मोटर कर्मशाला के प्रस्ताव अनुसार मोटर कर्मशाला में 87 वाहन चालक, 2 मेकैनिक, 1 वेल्डर, 2 कम्प्यूटर ऑपरेटरों की भर्ती प्लेसमेंट के माध्यम से किए जाने का प्रस्ताव लाया गया था, जिसे पारित किया गया।

जोन-9 में नाला निर्माण पर खर्च होंगे लगभग 4 करोड़

बैठक में जोन-9 क्षेत्र अंतर्गत आनंद नगर, गायत्री नगर, कविता नगर, जल विहार कचना क्षेत्र में नाला निर्माण के लिए निविदा बुलाई गई थी। यह ठेका मेसर्स अध्ययन बिल्डर्स रायपुर को न्यूनतम दर 12.52 प्रतिशत कम एसओआर कार्य पर कुल 3 करोड़ 99 लाख 33 हजार 745 रुपये में दिया गया है। इस प्रस्ताव को भी बैठक में पारित किया गया। एमआईसी ने रोड डिवाइडर आदि के सौंदर्यीकरण के संबंध में प्राप्त प्रस्ताव पर नियमानुसार चर्चा व विचार विमर्ष करते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

कांग्रेस पार्षद ने बैठक के विरोध में अर्धनग्न होकर किया धरना प्रदर्शन

एक ओर जहां एमआईसी की चल रही थी, वहीं दूसरी ओर सत्ता पक्ष के कांग्रेस सदस्य अनवर हुसैन ने महापौर सहित एमआईसी सदस्यों के खिलाफ मोर्चा खोला दिया। उन्होंने अर्धनग्न होकर एमआईसी हाल के गेट के बाहर बैठकर तब तक धरना दिया जब तक बैठक खत्म नहीं हुई। इस दौरान अनवर ने कहा कि उनका प्रदर्शन महापौर और सभी एमआईसी सदस्यों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि एमआईसी पार्षदों की न पूछपरख करती है और न ही सम्मान। उन्होंने कहा कि उनके वार्ड में जो भी नये विकास कार्य होते हैं, इसके बारे में उनसे चर्चा तक नहीं की जाती। हालांकि बैठक खत्म होने के बाद आयुक्त अभिनाश मिश्रा सहित अन्य एमआईसी सदस्यों ने समझाइश देकर पार्षद का धरना प्रदर्शन खत्म कराया।

तीन शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट की उड़ान पर संशय, जुलाई से ही संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तीन शहरों को जोड़ने वाली अलायंस एयर की उड़ान 15 जून से पुनः शुरू होने पर संशय की स्थिति बनी हुई है। इसका नियमित संचालन जुलाई में ही शुरू होने के आसार हैं। यह फ्लाइट हैदराबाद, जगदलपुर और रायपुर के बीच संचालित होती है। तकनीकी वजह से इसकी उड़ान महीनेभर से बंद है।

- हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर के बीच होती है संचालित

तीनों शहरों को जोड़ने के लिए सबसे पहले अलांयस एयर ने अपनी फ्लाइट का संचालन शुरू किया था। कुछ महीने पहले इस सेक्टर में इंडिगो ने उड़ान भरना शुरू किया है। बताया जाता है कि महीनेभर से अलायंस एयर की फ्लाइट नियमित रूप से संचालित नहीं हो पा रही है। कंपनी द्वारा इसकी वजह तकनीकी समस्या को बताया गया था। 15-15 दिनों की दो किस्तों में उड़ान कैंसिल होने के बाद इसकी 15 जून से ट्रेक पर वापसी होने का अनुमान था, मगर ऐसा होने की संभावना कम है। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस फ्लाइट का नियमित संचालन जुलाई में ही शुरू होने के आसार हैं। यह फ्लाइट सप्ताह में दो दिन मंगल और गुरुवार को जगदलपुर-रायपुर के बीच संचालित होती है और शेष दिनों में इसकी उड़ान हैदराबाद-जगदलपुर के बीच होती है।

कम संख्या में यात्री

ट्रैवल्स कारोबारियों का कहना है कि जगदलपुर रायपुर के बीच यात्रियों की संख्या काफी कम होती है। इंडिगो सप्ताह में चार दिन और अलायंस एयर की फ्लाइट दो दिन रायपुर आती है। शेष दिनों में दोनों हैदराबाद-जगदलपुर के बीच आवाजाही करती हैं।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल के बेटे की गाड़ी में तोड़फोड़

- विधायक ने बलौदाबाजार के दो पुलिसकर्मियों पर कार में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया

विधायक ने बलौदाबाजार के दो पुलिसकर्मियों पर कार में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बलौदाबाजार के दो पुलिस जवानों पर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने कार में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। विधायक ने मामले की जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विधायक के मुताबिक उनके बेटे की कार को कर्मचारी किसी काम से बलौदाबाजार लेकर गया था। वापसी के दौरान बसस्टैंड के पास खड़े पुलिसकर्मियों ने कार में तोड़फोड़ की।

गौरतलब है कि आक्रोषित भीड़ ने बलौदाबाजर कलेक्टोरेट परिसर में सोमवार को आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। इस दौरान विधायक के बेटे समीर के कर्मचारी एकलव्य साहू, निलेश सिन्हा तथा ड्राइवर त्रिगट भोई किसी काम से बलौदाबाजार गए थे। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए तीनों बलौदाबाजार में रुक गए। माहौल शांत होने पर तीनों लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने विधायक के बेटे की कार में तोड़फोड़ की।

तोड़फोड़ के साथ मारपीट

विधायक के मुताबिक उनके बेटे के कर्मचारी जब लौट रहे थे, तब बसस्टैंड के पास 10 पुलिसकर्मी खड़े हुए थे, जिनमें से दो पुलिसकर्मियों ने कार में सवार लोगों से किसी तरह की पूछताछ करने के बजाय मारपीट की। कर्मचारियों ने विधायक को बताया है कि पुलिसकर्मियों ने कार में तोड़फोड़ करने के साथ उनके साथ मारपीट भी की है। मारपीट की घटना में कार सवार ड्राइवर सहित तीनों को चोटें आई हैं।

दो दिन से सुकमा में अटका मानसून, आज से पारा और गर्म होने के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अस्सी फीसदी क्षेत्रों में लगातार दो दिन तक ढाई मिमी. बारिश हुए बिना आया मानसून सुकमा से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। राज्य में व्यापक बारिश की स्थिति अब तक नहीं बन पाई है। केवल प्री-मानसून के रूप में छिटपुट वर्षा का दौर जारी है। नमी युक्त हवा की मात्रा कम होने से अगले तीन दिन तक पारा गर्म होने के आसार बन रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा शनिवार को मानसून के सुकमा तक आने की घोषणा की गई, मगर ⏭शेष पेज 13 पर

- व्यापक बारिश की स्थिति बन नहीं रही, छिटपुट वर्षा जारी

46 डिग्री तक तापमान

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार जून में मानसून के सक्रिय होने तक गर्मी राजधानी में अपना असर दिखाती है। वातावरण में नमी का प्रभाव होने की वजह से उमस वाली स्थिति बनती है। अभी शहर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। पिछले साल पारा 44 डिग्री तक पहुंचा था और दस साल में सबसे अधिक तापमान वर्ष 2014 में 45.9 डिग्री दर्ज किया गया था।

माइनिंग, महादेव सट्टा मामले में ईओडब्लू की जांच तेज, दो रिमांड पर, चार के लिए अर्जी

- रानू, सौम्या, विश्नोई, सूर्यकांत के बाद चार अन्य से पूछताछ करने ईओडब्लू ने कोर्ट में आवेदन पेश किया
- महादेव सट्टा एप मामले में जेल में बंद आरोपी नीतीश दीवान को रिमांड पर लेने तीखी बहस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

माइनिंग घोटाला, शराब घोटाला के आरोपियों से पूछताछ करने रिमांड पर लेने ईओडब्लू के अफसर विशेष न्यायालय में लगातार आवेदन पेश कर रहे हैं। माइनिंग घोटाला के दो आरोपी सूर्यकांत तिवारी तथा निलंबित आईएएस समीर विश्नोई से पूछताछ करने जांच एजेंसी ने कोर्ट से पुनः दो दिन की रिमांड हासिल की है। इसके साथ ही जांच एजेंसी ने माइनिंग घोटाला मामले मे जेल में बंद लक्ष्मीकांत तिवारी, शिव शंकर नाग, सुनील नायक तथा निखिल चंद्राकर को प्रोटक्शन वारंट में कोर्ट में उपस्थित करने आवेदन पेश किया है।

स्पेशल कोर्ट ने जांच एजेंसी का आवेदन स्वीकार कर लिया है। चारों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। माइनिंग घोटाला के जिन आरोपियों को प्रोटक्शन वारंट में पेश करने जांच एजेंसी ने आवेदन पेश किया है, उनसे पूछताछ करने जांच एजेंसी कोर्ट में रिमांड की मांग करेगी।

गौरतलब है कि ईओडब्लू ने निलंबित आईएएस रानू साहू, राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अफसर सौम्या चौरसिया से पूछताछ करने कोर्ट से रिमांड हासिल की थी। दोनों अफसरों के बाद जांच एजेंसी ने सूर्यकांत तथा समीर विश्नोई की रिमांड हासिल की है। सूर्यकांत तथा समीर से पूछताछ ⏭शेष पेज 13 पर

नीतीश की गिरफ्तारी पर नहीं हो सका फैसला

महादेव सट्टा एप मामले में जेल में बंद नीतीश दीवान को सोमवार को ईओडब्लू ने प्रोटक्शन वारंट में कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में नीतीश को पेश करने के बाद जांच एजेंसी गिरफ्तार कर रिमांड पर लेना चाहती थी। इस बात को लेकर बचाव पक्ष तथा ईओडब्लू के वकील के बीच तीखी बहस हुई। दोनों पक्षों में बहस की वजह से नीतीश की गिरफ्तारी पर कोई फैसला नहीं हुआ और कोर्ट ने नीतीश को पुनः जेल दाखिल करने का फैसला सुनाया है। नीतीश को प्रोटक्शन वारंट में आज पुनः कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पाइप लाइन में लीकेज, 10 घंटे का शटडाउन, 13 को 9 जलागारों से एक टाइम नहीं मिलेगा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

150 एमएलडी प्लांट से मोवा-सड्डू की ओर जाने वाली 700 एमएम व्यास की राइजिंग मेन पाइप लाइन में अवंति विहार के पास लीकेज हो गया है। इसे ठीक करने के लिए 10 घंटे का शट डाउन लिया गया है, जिसके कारण 13 जून को 9 जलागारों से शाम के समय पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

नगर निगम के कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट से मिली जानकारी के अनुसार 150 एमएलडी प्लांट से मोवा-सड्डू की ओर जाने वाली 700 एमएम व्यास की राइजिंग मेन पाइप लाइन में अवंति विहार नाला के पास लीकेज है। इसकी मरम्मत में कम से कम 10 घंटे का समय लग सकता है। इस राइजिंग पाइप लाइन की मरम्मत के कारण 150 एमएलडी प्लांट से भरने वाले ओवर हेड टैंक अमलीडीह, अवंति विहार, ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

किसान सम्मान की राशि जारी नेताम ने जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तीसरे कार्यकाल का शपथ लेते ही देश के 9.3 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री सम्मान निधि राशि जारी करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 38 लाख से ज्यादा किसान पंजीकृत हैं। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों के विकास को प्राथमिकता में लेकर काम कर रही है।

अब तुलसी पूजा पर मिलेगी सरकारी छुट्टी

रायपुर। राज्य सरकार ने देवउठनी एकादशी (तुलसी पूजा) की छुट्टी की घोषणा की है। इस साल 12 नवंबर को पर्व के दिन सभी सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही अब नागपंचमी पर मिलने वाली छुट्टी अब नहीं मिलेगी। दरअसल, इस साल नागपंचमी के पर्व के लिए सरकारी दफ्तरों में 9 अगस्त छुट्टी घोषित की गई थी, जिसके बदले में राज्य सरकार ने नागपंचमी के त्योहार की छुट्टी को परिवर्तित करते हुए देवउठनी एकादशी यानी तुलसी पूजा को छुट्टी घोषित की है। रायपुर शहर और नया रायपुर अटल नगर स्थित सभी सरकारी दफ्तरों और संस्थाओं के लिए छुट्टी कैलेंडर में यह संशोधन किया गया है।

हरनाम बने अध्यक्ष

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित सामाजिक भवन में रविवार को पूज्य पंचायत नहरपारा का आमसभा और चुनाव किया गया, जिमसें सर्वसम्मति से सिंधी समाज के लोगों ने अध्यक्ष पद के लिए हरनाम सिंह तलरेजा को चुना। अब नए अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी गठित करेंगे। यह जानकारी पंचायत के सदस्य किशोर आहूजा ने देते हुए बताया कि इस अवसर पर बलराम पी आहूजा, नत्थूलाल धनवानी, अशोक छेतिजा, अमर गिदवानी, नरेश संतवानी, नंदलाल छाबड़ा, अमर वलेचा, महेश आहूजा, शंकरलाल दानवानी, जवाहर पंजवानी, जयराम बढेजा, महेश खूबचंदानी, मनोहर ठंकरानी, महेश वलेचा सहित अन्य समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

मां गांड़ा महासभा की बैठक में समाज के लोगों को जोड़ने का लिया संकल्प

रायपुर। त्रिमूर्ति नगर स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को जय बूढ़ी मां गांड़ा महासभा की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित मां गांड़ा महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि जय बूढ़ी मां गांडा महासभा द्वारा पिछले सरकार से समाजिक हित के लिए जमीन और जाति प्रमाण-पत्र और नुआखाई में एक दिवसीय छुट्टी की मांग की गई थी, ये मांगें सरकार बदलने के कारण रुक गई है, जिसे वर्तमान सरकार से पूरा करने का प्रयास गांड़ा महासभा द्वारा किया जाएगा। साथ ही आगामी जगन्नाथ रथ यात्रा के दिन सामाजिक मंच और नुआखाई के अवसर पर राजधानी में शोभायात्रा निकाली जाएगी, इसके लिए जय बूढ़ी मां गाड़ा महासभा द्वारा पूरे प्रदेश और रायपुर राजधानी में समाज के लोगों को जोड़ने और मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक में त्रिनाथ जगत, शंकर तांडी, राधे नायक, माधव छुरा, संजय सोनी, राशिद, रोशनी बाघ, देवराज महानंद, जीतू सागर, श्याम सिक्का, सागर तांडी, विजय छुरा, दीपक दीप, मकरन तांडी, कृष्णा राणा, सदाराम बेहरा, अशोक बघेल, हरी बाघ, रवि निहाल, वासु छुरा, कानू छुरा, जगन्नाथ सोनी, उत्तम तांडी, चैतराम जगत सहित समिति के समस्त पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राशन घोटाले की घोषणा के बाद सक्रिय हुआ खाद्य विभाग, कलेक्टरों से मांगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राशन की कमी, वसूली और कितने प्रकरण दर्ज कर की गई कार्रवाई

कांग्रेस सरकार के समय में हुए राशन घोटाले की विधायकों की समिति से जांच कराने की घोषणा के बाद खाद्य संचालक ने कलेक्टरों को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है। मामले में यह जानकारी मांगी गई है कि प्रदेश की 13 हजार से अधिक राशन दुकानों में कितनी कमी पाई गई। उनमें से कितने की वसूली की गई, कितने पर प्रकरण दर्ज किया गया। घोटाले के लिए गठित जांच कमेटी की अभी पहली बैठक नहीं हुई है, उसके पहले ही विभाग की ओर से तैयारी शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि उचित मूल्य दुकानों में सितंबर 2022 के बचत स्टाक का सत्यापन खाद्य अधिकारियों ने किया था। जांच रिपोर्ट दिसंबर 2022 से मई 2023 के दौरान प्रस्तुत की गई।

मामले में खाद्य संचालनालय के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर राशन दुकानों में चावल, शक्कर, गुड़, चना सहित राशन सामग्री को बेचने का आरोप है। साथ ही प्रधानमंत्री खाद्यान्न सुरक्षा योजना का लाखों क्विंटल चावल को ब्लैक मार्केट में बिकवा दिया गया था। खाद्य संचालनालय के अपर संचालक के साथ मिलकर राशन दुकानों से चावल, शक्कर की कालाबाजारी की जानकारी आई थी। तेरह हजार राशन दुकानों को सालभर के कोटे की तुलना में दो से तीन गुना अधिक चावल का कोटा जारी कर छह अरब का राशन चावल की अफरातफरी हुई थी। बताया जाता है कि घोटाले को दबाने के लिए साफ्टवेयर से तेरह हजार राशन दुकानों के घोषणा पत्र गायब कर दिए गए थे। मैदानी अमले पर एफआईआर, निलंबन, विभागीय कार्रवाई की धमकी देकर बाजार से चावल खरीद कर रखवाने का काम करवाया गया है। राजस्व वसूली के लिए बिना प्रकरण बनाए नोटिस जारी करवाया गया था। मामला जब प्रकाश में आया, तो एक सप्ताह में राशन घोटाले में राशन दुकानों में बचे चावल की मात्रा की जानकारी के नाम पर खाद्य संचालनालय के अपर संचालक ने बोगस जानकारी भेज दी थी।

समिति की बैठक जल्द होगी

समिति के सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि समिति की बैठक सभापति के आदेश पर जल्द होगी। तिथि अभी तय नहीं हुई है। पहली बैठक में जांच के बिन्दु तय किए जाएंगे। विभाग से भी इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी ली जाएगी।

राज्य पुलिस मुख्यालय ने भर्ती की प्रक्रिया के लिए शुरू की एजेंसी की तलाश

पुलिस के 6 हजार पदों पर भर्ती, हाईटेक तरीके से होगा चयन, सात लाख हैं नौकरी के उम्मीदवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ पुलिस में करीब छह हजार जवानों की भर्ती प्रक्रिया के लिए हाईटेक तरीके अपनाए जाएंगे। पुलिस जवानों की भर्ती में शारीरिक दक्षता की जांच से लेकर लिखित परीक्षा के दौरान भी तकनीक का सहारा लिया जाएगा। इन पदों के लिए करीब सात लाख उम्मीदवार हैं। कोशिश ये होगी की पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से हो सके। राज्य पुलिस मुख्यालय ने भर्ती की प्रक्रिया के लिए किसी ऐसी एजेंसी की तलाश शुरू कर दी है, जिसके माध्यम से यह भर्ती हाईटेक तरीकों के इस्तेमाल के साथ हो सके। वजह ये भी है कि सात लाख दावेदारों की शारीरिक जांच पड़ताल के लिए हर दिन करीब एक हजार लोगों की जांच करना है। इस काम के लिए पुलिस मुख्यालय एजेंसी की मदद लेगा। इसके लिए टेंडर भी जारी किया गया है।

इस तरह होगी भर्ती प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ पुलिस रिक्तियों को भरने के लिए जिला पुलिस बल कांस्टेबल कैडर के पद पर भर्ती होनी है। इसके लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण (100 मीटर दौड़, 800/1500) होगी। अभ्यर्थियों की डिजिटल ऊंचाई और छाती माप, समय मापने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) चिप टाइमिंग तकनीक और दूरी,ऊंचाई मापने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी

प्रणालियों का उपयोग करके पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का उपयोग करने का प्रस्ताव है। नकल और प्रतिरूपण को खत्म करने के लिए लिखित परीक्षाओं के लिए एमटी दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद और शॉट पुट थ्रो) और बायोमेट्रिक डिवाइस, ऑप्टिकल मार्क रिकग्निशन (ओएमआर) ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) तकनीक का उपयोग प्रस्तावित है। जिला पुलिस बल कांस्टेबल संवर्ग के 5967 पदों पर भर्ती प्रस्तावित है, जिसमें लगभग 7 लाख अभ्यर्थियों के छत्तीसगढ़ राज्य में चुने हुए केंद्रों में आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने की उम्मीद है।

सर्विस प्रोवाइडर को करना होगा ये काम

पुलिस विभाग को इस पूरे काम के लिए तथा संपूर्ण कार्यक्रम प्रबंधन के लिए एक एकल समाधान प्रदाता की आवश्यकता है। प्रत्येक भर्ती केंद्र को प्रतिदिन न्यूनतम 1000 अभ्यर्थियों का शारीरिक माप, शारीरिक दक्षता परीक्षण लेना होगा। कंप्यूटर इंटरफ़ेस के माध्यम से ऊंचाई और छाती की डिजिटल माप और रिकॉर्डिंग (केवल पुरुष उम्मीदवारों के लिए) की जानी है। पंजीकरण कंप्यूटर बारकोड स्कैनर और चिप्स स्कैनर और प्रवेश पत्र में मुद्रित होने के लिए बार-कोडिंग से सुसज्जित होंगे। उम्मीदवारों के हस्ताक्षर की छवि के साथ हॉल टिकट उपस्थिति प्रपत्र/प्रवेश पत्र तैयार किए जाएंगे। भर्ती केंद्रों पर लिखित परीक्षा की ओएमआर शीट की छपाई और संपूर्ण ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग की जाएगी। सभी भौतिक माप केंद्रों पर बायोमेट्रिक उपकरणों और कैचुराइन डेटा की व्यवस्था रखी जाएगी। सभी शारीरिक माप केंद्रों, शारीरिक दक्षता परीक्षण केंद्रों और लिखित परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक उपकरणों की व्यवस्था करना और डेटा कैप्चर करना और इन उपकरणों के माध्यम से उम्मीदवारों की पहचान की पुष्टि की जाएगी। दौड़ की शारीरिक दक्षता परीक्षा में समय मापन के लिए चयन समिति को प्रत्येक केंद्र पर आरएफआईडी तकनीक आधारित समय मापन प्रणाली उपलब्ध कराना तथा सभी अभ्यर्थियों का परिणाम डेटा बिना किसी त्रुटि के तुरंत सर्वर पर अपलोड करने का काम भी सर्विस प्रोवाईडर को करना होगा।

ऐसी होगी चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में असफल, उत्तीर्ण उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्ट और वर्गीकरण में कम्प्यूटरीकृत कार्रवाई के लिए एक सॉफ्टवेयर विकास और एकीकरण, ओसीआर,आईसीआर, ओएमआर आवेदन पत्र प्राप्त करने के बाद स्कैन किए गए डेटा को अपलोड किया जाएगा। यह सॉफ्टवेयर छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वर पर पोस्ट किया जाएगा और इसका प्रबंधन छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा किया जाएगा। चयन समिति इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से भर्ती के डेटाबेस तक पहुंचने और विभिन्न भर्ती एजेंसियों की चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में भर्ती परिणामों की समीक्षा करने में सक्षम होगी। लिखित परीक्षा में आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना में भर्ती नियमों के अनुसार उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की चयन सूची तैयार करना और नोटिस तैयार करना जो सभी असफल अभ्यर्थियों को भेजा जाएगा, ये सभी जानकारी छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी ताकि उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। संपूर्ण स्कैन किए गए दस्तावेजों को छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाइट पर बिना किसी त्रुटि के नियत तिथि पर अपलोड एवं प्रकाशित किया जाएगा। यह सारा काम सर्विस प्रोवाइडर को करना होगा।

शेष 100 अहाता की निविदा कल खुलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में शराब दुकानों के परिसर में शेष अहातों की ऑनलाइन नीलामी से मिली निविदा या निविदाओं में से लाइसेंस धारियों का चयन जिलों में कलेक्टर 12 जून को करेंगे। अहातों के मामले को लेकर आबकारी आयुक्त कार्यालय ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों के लिए आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि शेष देशी-विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के अहातों के लिए लाइसेंस का ऑनलाइन पद्धति से निविदा के माध्यम व्यवस्थापन किया जाना है। 31 मई को जिलों में बचे 100 अहाता के लिए द्वतीय निविदा जारी की गई। निविदा कर्ताओं से 9 जून तक ऑनलाइन निविदा मांगी गई थी। प्रदेश में 650 देशी-विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के अहातों के लिए लाइसेंस का ऑनलाइन व्यवस्थापन करने पहली निविदा में जिन दुकानों को वापस कर दिया गया था, उनकी फिर से निविदा बुलाई गई। राज्य सरकार ने शराब के कारोबार से राजस्व बढ़ाने के लिए अहाता कल्चर लागू कर दिया है, इसके लिए बिडिंग की प्रक्रिया विवादों में रही। पहले बनाई गई नीति को बीच में बदल दिया गया। विभाग द्वारा पहली निविदा में जिन दुकानों के अहातों के लिए प्रथम चयनित निविदादाता के अग्रिम राजस्व जमा करने में असफल रहने पर दूसरे क्रम के निविदादाता को अवसर देने के संभावित विकल्प के स्थान पर दूसरी बार पुनः नवीन निविदा करने का निर्णय लिया गया था। जिले में अहाते के लिए प्रस्तावित दुकानों में से शेष के संबंध में निर्णय आबकारी मुख्यालय द्वारा लिया जा रहा है।

- जिले में शेष दुकानों का निर्णय आबकारी मुख्यालय लेगा

शहीद विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि आज

रायपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता एवं छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद के संरक्षक, झीरम घाटी नक्सली-माओवादी हमले में शहीद विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम विद्याचरण शुक्ल उद्यान में स्थित प्रतिमा स्थल पर 11 जून को सुबह 9.30 बजे प्रारंभ होगा। इसके अलावा लभांडी स्थित राधेश्याम भवन में सुबह 10.30 बजे पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। यह जानकारी महामंत्री रामअवतार देवंगान और नितिन झा ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद के समस्त पदाधिकारी, कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य आदि शामिल हुए।

सरकारी कार्यालयों स्कूल-कॉलेज सहित अन्य स्थानों पर लगाए जाएंगे पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कलेक्टर ने समय सीमा की ली बैठक

कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने सोमवार को समय सीमा की बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने जिले में विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्कूल सहित अन्य स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि इन जगहों पर ज्यादातर बबूल वृक्ष के पौधे लगे हुए हैं। इनकी कटाई कराकर उनकी जगह बड़े पेड़ों का रोपण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल, कॉलेज एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पानी की सुविधा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बारिश से पूर्व नाली-नालों की सफाई कराने दिए निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों को बारिश के पूर्व नाली-नालों की साफ-सफाई कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने आंधी, तूफान की स्थिति में सभी एसडीएम, बिजली विभाग के अधिकारी व जिला स्तरीय अधिकारी

अपने-अपने क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए कहा है ताकि संबंधित विभाग के अधिकारी को जानकारी उपलब्ध कराया जाए। इससे बिजली संबंधी समस्या का निराकरण तत्काल होगा। इसके अलावा उन्होंने बारिश के सीजन में मौसमी बीमारियों को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि अस्पतालों में दवाओं की उपब्धता सुनिश्चित रखने के साथ डॉक्टरों को अलर्ट रखें। कलेक्टर ने बैठक में जिला स्तरीय के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचने के भी निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि समय पर बिना सक्षम अनुमति के अनुपस्थिति की स्थिति में संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, एडीएम कीर्तिमान राठौर सभी अनुविभागीय अधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लेमरू एलिफेंट रिजर्व के लिए तैयार किया जा रहा 20 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अंबिकापुर, कोरबा, सरगुजा, धरमजयगढ़ तथा रायगढ़ में मानव हाथी द्वंद्व रोकने लेमरू प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार की अनुमति मिलने के बाद क्षेत्र को विकसित करने वन विभाग 20 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है। प्रोजेक्ट के तहत हाथी विचरण क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। भोजन तथा पानी की तलाश में हाथी जंगल से बाहर नहीं निकले, इसके लिए वन विभाग के अफसर कार्ययोजना बना रहे हैं। वन अफसरों के मुताबिक चिन्हांकित एरिया में फलदार पौधे लगाने के साथ ही हाथियों को पूरे वर्षभर पीने के लिए पानी मिल सके, इसकी व्यवस्था की जाएगी।

गौरतलब है कि राज्य के ज्यादातर जिले हाथी प्रभावित जिले में शामिल हो गए हैं। राज्य में बहुतायत में ओडिशा तथा झारखंड से हाथी पहुंच रहे हैं। राज्य में सबसे ज्यादा हाथी की संख्या सरगुजा संभाग के साथ बिलासपुर संभाग के कोरबा, रायगढ़ में है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कोरबा, रायगढ़ तथा सरगुजा वनमंडल के दो हजार किलोमीटर के एरिया को हाथियों के लिए संरक्षित कर लेमरू प्रोजेक्ट का नाम दिया गया है।

ऐसे करेंगे विकसित

एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ प्रेम कुमाक के मुताबिक एलिफेंट रिजर्व जिन वनमंडलों के क्षेत्र से सटा है, उन वनमंडलों को एलिफेंट रिजर्व को किस तरह से विकसित किया जाए, इसके लिए कार्ययोजना बनाने के लिए कहा गया है। एलिफेंट रिजर्व लेमरू में फलदार पौधा रोपण करने के साथ ही हाथियों के लिए चारागाह का निर्माण किया जाएगा। साथ ही हाथी पानी की तलाश में जंगल से बाहर नहीं निकले, इसके लिए जंगल में पानी के लिए स्थायी व्यवस्था की जाएगी। पानी की स्थायी व्यवस्था करने बड़े तालाब निर्माण करने के साथ ही नहर का निर्माण कर नदियों से जोड़ा जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता आलोक शुक्ला के मुताबिक एलिफेंट रिजर्व को विकसित करने वन विभाग जो भी योजना तैयार कर रहा है, उसके लिए वन अफसरों को ग्रामसभा से सहमति लेकर तथा उनसे विचार कर कार्ययोजना बनाना चाहिए।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

नो गो एरिया घोषित करने अनुशंसा

उल्लेखनीय है कि एलिफेंट रिजर्व बनाने जिन क्षेत्रों को चिन्हांकित किया गया है, उन क्षेत्रों में हाथियों के अलावा कई विलुप्त प्रजाती के वन्यजीव पाए जाते हैं, जो इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की लिस्ट में रेड सूची में हैं। क्षेत्र में वन्यजीवों की बहुलता को देखते हुए वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट आफ इंडिया (डब्लूआईआई) ने हसदेव अरण्य के उत्तरी क्षेत्र को नो गो एरिया घोषित करने अनुशंसा की है। डब्लूआईआई ने चेतावनी दी है कि जिस क्षेत्र को नो गो एरिया के लिए अनुशंसा की गई है, उस क्षेत्र में किसी भी तरह का उत्खनन होने पर हाथी वहां से निकलकर राज्य के अन्य क्षेत्र में फैल जाएंगे, जिस पर काबू पाना संभव नहीं होगा।

कार्ययोजना बनाकर रिपोर्ट देने कहा है

एलिफेंट रिजर्व लेमरू को विकसित करने 20 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। इसके लिए संबंधित क्षेत्र के वन मंडल अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

- प्रेम कुमार
एपीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

कांग्रेस संगठन पर लगे अनियमितता के आरोप, हाईकमान को भी दी जानकारी

हार के बाद समीक्षा की मांग, संगठन में फेरबदल की भी सुगबुगाहट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ को मिली करारी हार के बाद कांग्रेस के नेता हार की समीक्षा की मांग उठाने लगे हैं। चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर अन्य मामलों में पहले भी नाराजगी सामने आई थी। हार के बाद अब वरिष्ठ नेताओं ने कई लोकसभा में बाहर से प्रत्याशी उतारे जाने और स्थानीय लोगों को दरकिनार करने का मुद्दा बना लिया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी में फेरबदल की सुगबुहाट शुरू हो गई है। प्रदेश प्रभारी और कांग्रेस हाईकमान को चुनाव के समय कांग्रेस पदाधिकारियों ने पत्र लिखकर संगठन में अनियमितता सहित कई मामलों से अवगत कराया था। प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में रहते हुए

यहां पर विधानसभा चुनाव हारी। अब लोकसभा चुनाव हारने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कामकाज पर भी उंगली उठ रही है। लोकसभा चुनाव को लेकर संगठन की ओर से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को अपने ही प्रत्याशियों पर टिप्पणी किए जाने पर पार्टी से निलंबन और निष्कासन की कार्रवाई की गई थी। कई कांग्रेस नेताओं को नोटिस जारी किया गया, वे पार्टी ही छोड़ कर चले गए। ऐसे में लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ता काम करने को तैयार नहीं थे। दूसरे जिलों के कार्यकर्ताओं को ले जाकर चुनाव प्रचार किया गया। स्थानीय लोगों ने वहां पर पार्टी के विरुद्ध कार्य किया जिसके कारण पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

संगठन में होंगे फेरबदल

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के ढाई माह पहले ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम को बदलकर दीपक बैज को कमान दी गई। पुरानी कार्यकारिणी के आधार पर उन्होंने पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किया पर वे चुनाव हार गए। अब भी कांग्रेस संगठन की पूरी कार्यकारिणी नहीं बन पाई है। वहीं हाल कांग्रेस के अन्य विभागों का है जहां पर खींचतान के चलते लोगों में उत्साह नहीं है। दो चुनाव में करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस संगठन में ऊर्जावान लोगों को आगे बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

प्रभारी पर लगे आरोप

विधानसभा चुनाव के दौरान कई विधायकों की टिकट कटने के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और प्रभारी सचिव पर खुलकर आरोप लगाए गए। इस आरोपों के चलते कई लोगों को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। इन सभी ने पार्टी से किनारा कर लिया। कुछ लोगों ने अपने आरोप वापस लेते हुए माफी मांगकर लोकसभा चुनाव के समय अपने निष्कासन को वापस करा लिया। आरोपों के चलते नए प्रभारी सचिन पायलट बनाए गए पर वे पार्टी में जोश भरने में असफल रहे। चुनाव के बाद अब कांग्रेस को गति देने में असफल रहे।

बलौदाबाजार हिंसा भाजपा सरकार की नाकामी : महंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने बलौदा बाजार हिंसा को सरकार की नाकामी और प्रदेश की लचर क़ानून व्यवस्था का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा, प्रदेश की राजधानी रायपुर से लगे जिले में यह घटना चिंताजनक है। धर्म स्थली अमर टापू की घटना निंदनीय है। घटना से नाराज़ लोग न्याय की मांग को लेकर धरने पर थे। राज्य शासन-प्रशासन ने अगर समय पर आवश्यक कदम उठाए होते, तो आज नाराज़गी को इस हद तक जाने से रोका जा सकता था। सरकार सतनाम समाज की मांग अनुसार इस पूरी घटना की जांच कराये। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैं समाज के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। सतनाम समाज बाबा घासीदास के बताए शांति और सद्भाव के रास्ते पर चलने वाला समाज है।

- घटना प्रदेश की लचर क़ानून व्यवस्था का प्रमाण : डॉ महंत

खबर संक्षेप

सिवनी में किया गया पौधारोपण

आरंग। ग्राम सिवनी के अमृत सरोवर तालाब में हरित क्रांति के तहत वृक्षारोपण किया गया। जिसमें सरपंच पुरुषोत्तम धीवर, पंचगण रामानंद चंद्राकर, बेना बाई, चंद्रसेन, संजू वर्मा, कलिंद्री वर्मा, गंगाबाई गोल्हर, माया वर्मा, गंगा वर्मा, लिना देवदास, ललिता ध्रुव, गोपाल देवदास, रोजगार सहायक विजय भारती एवं ग्रामीण भारी संख्या में उपस्थित थे।

तीर्थयात्रियों पर हमले की शिवसेना ने निंदा की

आरंग। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले के शिव खोड़ी मंदिर दर्शन से कटरा लौट रहे तीर्थ यात्री बस पर आतंकियों द्वारा की गई गोली–बारी का शिवसेना ने कड़ा विरोध किया है। आपको बता की घटना में 10 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई है। आतंकियों के इस कायराना हरकत की शिवसेना कड़ा विरोध करते निंदा की है तथा दिवंगत हिन्दू तीर्थ यात्रियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। घटना में घायलों के अति शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भात रानी से की है। शिवसेना ने अपने विज्ञप्ति में 29 जून से हिंदुओ का पावन तीर्थ अमरनाथ यात्रा शुरू होने का जिक्र करते हुए कहा कि आज फिर बाल ठाकरे की वह चेतावनी याद आ रही है जिसमे बाल ठाकरे ने जम्मू कश्मीर के आतंकवादी संगठन को चेतावनी देते हुए कहा था अगर अमरनाथ यात्र रोकी गई तो बंबई से एक भी फ्लाइट मक्का, मदीना नही जाने दूंगा।

संदेह के दायरे में आयरन की दवा, सैंपल रिपोर्ट के लिए सप्ताहभर इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

गुणवत्ता के मामले में संदेह के दायरे में आई आयरन की दवा के मामले में आगे की कार्रवाई के लिए सैंपल रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। प्रसूताओं और बच्चों को निशुल्क वितरित की जाने वाली इस दवा को संदेह के दायरे में रखा गया है। इस आधार पर औषधि विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों से इसके सैंपल एकत्रित किए हैं। सूत्रों के अनुसार काफी साल से आयरन से संबंधित दवाओं की सप्लाई एक ही एजेंसी द्वारा की जाती रही है। पिछले दिनों दवा की गुणवत्ता को लेकर शिकायत सामने आई थी, जिसके बाद मंत्रालय स्तर पर इन दवाओं की जांच के निर्देश जारी किए गए थे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने अलग-अलग जिला अस्पताल के साथ बीईओ के कार्यालय में रखी गई दवाओं के सैंपल लिए थे। सैंपलों को जांच के लिए कालीबाड़ी के लैब भेजा गया है। सूत्रों का कहना है कि टेस्ट रिपोर्ट मिलने में सप्ताहभर का वक्त लगेगा, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि अगर रिपोर्ट अमानक पाई जाती है, तो संबंधित सप्लायर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सरकारी स्तर पर इन दवाओं की सप्लाई जिला अस्पताल के साथ तमाम सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में की जाती है। इसके साथ स्कूल स्तर पर बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए भी इनका सेवन कराया जाता है।

सरकारी अस्पतालों से औषधि विभाग ने लिया है सैंपल

रिपोर्ट पर अटकता है मामला

औषधि विभाग द्वारा की जाने वाली किसी भी तरह की कार्रवाई सैंपलों की जांच पर जाकर अटक जाती है। राज्य की एकमात्र लैब होने और स्टाफ की कमी की वजह से यहां सैंपल काफी समय तक डंप रहते हैं। स्वास्थ्य से संबंधित मामला होने के बाद भी इंवेस्टीगेशन टीम को रिपोर्ट के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ जाता है।

आयरन फोलिक एसिड टेबलेट के सैंपल

खाद्य विभाग की टीम द्वारा रायपुर जिला अस्पताल सहित तीन जिला अस्पताल, चार जिला के खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के साथ कोरिया और जशपुर के ड्रग वेयर हाउस से आईएफए विफ्स रेड, ब्लू के अलावा बच्चों की दी जाने वाली दवा के भी सैंपल एकत्रित किए गए हैं।

रिपोर्ट की प्रतीक्षा

सैंपलों की रिपोर्ट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- बसंत कुमार कौशिक
सहायक नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

सुपारी किलिंग की जांच करने झारखंड जेल में बंद अमन को प्रोटक्शन वारंट में लाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- **महज दो से तीन हजार रुपए में पिस्टल**

राज्य के दो प्रमुख कारोबारी की हत्या की सुपारी लेने के मामले में पुलिस अब झारखंड जेल में बंद अमन साहू से पूछताछ करने प्रोटक्शन वारंट में रायपुर लाने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही रोहित सोनी को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले मध्यप्रदेश, बड़वानी निवासी राजवीर से पुलिस को हथियारों की अवैध खरीदी बिक्री को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। राजवीर ने पुलिस को बताया है कि बड़वानी से सटे आसपास के गांव में ज्यादातर लोग हथियार बनाकर बेचने का काम करते हैं। हथियार बनाकर बेचने वाले देश के नामी गैंगस्टर के संपर्क में रहते हैं। गौरतलब है कि कोल कारोबारी तथा रोड कांट्रेक्टर की हत्या करने जेल में बंद अमन साहू ने मलेशिया में बैठे लारेंस विश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर मयंक सिंह से हत्या करने की सुपारी ली थी। सुपारी लेने के बाद अमन ने राजस्थान के गैंगस्टर पप्पू सिंह उर्फ पप्सा से कांट्रैक्ट किया। बदमाश घटना को अंजाम दे पाते, इसके पूर्व पुलिस ने आईबी की रिपोर्ट के आधार पर चारों बदमाशों के अलावा पिस्टल उपलब्ध कराने वाले को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस के अनुसार राज्य के दो प्रमुख कारोबारियों को मारने अमन ने कितने में सुपारी ली थी, इसका खुलासा अमन से पूछताछ के बाद ही हो पाएगा।

मलेशिया से मारने का आदेश, बाइक राइडर बनकर शूटर पहुंचे थे रायपुर, उगाही के लिए था पूरा खेल

कबाड़ के सामान से पिस्टल

राजवीर ने पुलिस को बताया है कि उसके गांव के रहने वाले जो हथियार बनाने का काम करते हैं, वो सभी पुराने ट्रक के तार निकालकर पिस्टल के लिए स्प्रिंग बनाने के साथ ट्रक के नीचे वाली हैंडल रॉड कबाड़ियों से खरीदकर तथा पीतल मिलाकर पिस्टल बनाने का काम करते हैं।

छत्तीसगढ़ में भी पिस्टल खपाने की चर्चा

पुलिस को राजवीर से पूछताछ में जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक राजवीर ने छत्तीसगढ़ में भी कई बदमाशों को पिस्टल खपाया है। राजवीर ने पुलिस को बताया है कि उसने छत्तीसगढ़ में जिन लोगों को पिस्टल बेचा है, उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। सोशल मीडिया के माध्यम से हथियार खरीदने वाले लोगों ने उससे संपर्क कर पिस्टल खरीदे हैं। राजवीर से जिन लोगों ने पिस्टल खरीदी है, उन लोगों के मोबाइल नंबर की जानकारी जुटाने पुलिस राजवीर के मोबाइल की जांच करने की बात कह रही है। राजवीर के अनुसार उसने छत्तीसगढ़ के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश तथा बिहार के बदमाशों को पिस्टल बेचा है।

मोदी के पीएम बनने पर भाजपा ने बांटी मिठाईयां

तिल्दा नेवरा। भाजपा गठबंधन द्वारा तीसरी बार सरकार बनाने एवं नरेन्द्र मोदी द्वारा लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर आज तिल्दा नेवरा शहर मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा के नेतृत्व में स्टेशन चौक तिल्दा में जबर्दस्त आतिशबाजी की गई और मिठाई बांटकर खुशियों का इजहार किया गया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष चंद्रकुमार पाटिल, पार्षदगण विकास कोटवानी, रवि सेन, अनिल शर्मा, राजकुमार गेंद्रे, पोषण वर्मा, लुकराम बघेल, दुर्गा पटेल, भाजपा नेता घनश्याम अग्रवाल, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, रमेश रिंकू अग्रवाल, लखमीचंद नागवानी, अरविंद वर्मा, सुदेश जैन, सूरज नारायण शर्मा, कृपा राम पटेल, नवीन केसरवानी, जय केसरवानी, अशोक केशरवानी, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा ने सभी को बधाई दी।

// आम सूचना //
नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै रीना आर. पोपट पिता-भाईलाल ठक्कर रायपुर छ.ग. की निवासी हूं पूर्व में मेरा नाम उपर वर्णित है वर्तमान एवं भविष्य में मुझे रीना ठक्कर पिता भाईलाल ठक्कर के नाम से जाना जावे इसलिए अपना नाम का परिवर्तन अपनी स्वेच्छा बिना किसी डर, भय व दबाव के अपनी मर्जी से कर रही हूं।

आवेदिका
रीना ठक्कर
पिता - श्री भाईलाल ठक्कर
निवासी- फ्लैट नं.- 204, एकता इंक्लेव बैरन बाजार, छत्तीसगढ़ कॉलेज के पास, रायपुर तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र/ नाम परिवर्तन

मै शपथकर्ता श्रीमति खतिजा बी आयु 61 वर्ष पति श्री अब्दुल जब्बार निवासी संजय नगर सैलानी नगर रायपुर तह व जिला रायपुर छ.ग. जो कि निम्नानुसार शपथ पत्र कथन प्रस्तुत करती हूँ:-

1. यह कि मेरा शपथकर्ता का विवाह पूर्व नाम खतिता बी बेगम पिता श्री सुभान अली निवासी बैजनाथपारा रायपुर के नाम व पता के जानी व पहचानी जाती थी उक्त नाम मेरे शाला प्रमाण व अन्य दस्तावेज मे दर्ज है।
2. यह कि मै शपथकर्ता विवाह पश्चात श्रीमति खतीजा बी पति श्री अब्दुल जब्बार निवासी संजय नगर शैलानी नगर रायपुर तह व जिला रायपुर के नाम से जानी पहचानी जाने वगी हूँ।
3. यह कि मेरे बच्चो का दस्तावेज मे मेरा त्रुटिवंश नाम खतीजा बेगम दर्ज है व विवाह पूर्व नाम खतीजा बी व विवाह पश्चात नाम खतीजा बी है परन्तु मेरे बच्चो के स्कूल दस्तावेज मे खतीजा बेगम दर्ज है जिसके समर्थन यह शपथ पत्र मे पेपर मे इस्तेहार के समर्थन मेरा प्रस्तुत करती हूँ ताकि मुझे शपथकर्ता के दोनो नाम खतीजा बी व खतीजा बेगम दोनो नाम को एक मानते हुए मुझ शपथकर्ता का खतीजा बी पति श्री अब्दुल जब्बार निवासी संजय नगर सैलानी नगर के नाम से जाना व पहचाना जाये व उक्त नाम ही मेरे आवश्यक दस्तावेज मे दर्ज किया जाये जिसके नाम के प्रस्तुत समर्थन मे यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रही हूँ। शपथकर्ता

सत्यापन:-
मै शपथकर्ता से सत्यापित करती हूँ उक्त शपथपत्र मेरे लिखित सभी तथ्य मेरे स्वयं के ज्ञान से सही है जिसे स्थान रायपुर के अपना हस्ताक्षर व सत्यापित की हूँ।
रायपुर छ.ग.
दिनांक 21.05.2024 शपथकर्ता

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल, मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर, छत्तीसगढ़
आम सूचना

जारी दिनांक 07/06/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विधान मिश्रा पिता श्री चन्द्रिका प्रसाद मिश्रा निवासी सिविल लाईन रायपुर जिला रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम मुरा पटवारी हल्का नंबर 32 राजस्व निरीक्षक मण्डल मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 829/1, 829/3 रकबा क्रमशः 3.953, 1.214 योग रकबा 5.167 हेक्टेयर भूमि का श्रीमान तहसीलदार खरोरा के आदेश दिनांक 20/06/2023 के परिपालन में दिनांक 17/06/2024 को समय 12:00 बजे पश्चात मेरे द्वारा सीमांकन किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उल्लेखित तिथि को या पूर्व नियत समय तक हल्का पटवारी के कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं या अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व निरीक्षक मंडल मोहरेंगा
तहसील खरोरा

पेज 11 के शेष...

10 के सिस्टम में...

20 मिनट पर सिर्फ 10 प्रतिशत ही कर्मचारी दफ्तरों में पाए गए थे, जबकि 90 प्रतिशत कर्मचारी ड्यूटी पर ही नहीं पहुंचे थे। इसके कारण सभी दफ्तरों में सन्नाटा पसरा मिला था। माना जा रहा था कि लोकसभा चुनाव का खुमार कर्मचारियों के दिलों से उतरा नहीं था, जिसके कारण आचार संहिता खत्म होने के बाद भी कर्मचारी विलंब से ही दफ्तर पहुंच रहे हैं, लेकिन आचार संहिता खत्म होने के 4 दिन बाद भी कर्मचारियों में करीब 60 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी विलंब से ही दफ्तर पहुंच रहे हैं। टीम ने सोमवार को भी कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों में जाकर दोबारा पड़ताल की, जिसमें करीब 40 प्रतिशत कर्मचारी 10 बजकर 10 मिनट में अपने दफ्तरों में उपस्थित मिले, जबकि शेष कर्मचारी साढ़े दस से 11 बजे तक दफ्तर पहुंचते रहे। रजिस्टर में अपने से करते हैं आने-जाने की एंट्री अधिकारियों व कर्मचारियों के ड्यूटी विलंब से पहुंचने का बड़ा कारण कलेक्टोरेट में बायोमेट्रिक केप्चरिंग स्कैनर सिस्टम का नहीं लगना है। इस सिस्टम के नहीं लगने के कारण हर विभागों के कर्मचारी अपने-अपने दफ्तर में रखे रजिस्टर में अपने आने-जाने की स्वयं से एंट्री कर रहे हैं। इसके कारण 10 का सिस्टम भी सुधर नहीं पा रहा है। बताया जा रहा है कि पूर्व में कलेक्टोरेट के अधीक्षक के रूम में बायोमेट्रिक सिस्टम लगा था। कर्मचारी कुछ दिन तक इस सिस्टम में उंगली स्कैन कर ऑनलाइन आने-जाने की एंट्री करते थे, लेकिन यह सिस्टम कुछ दिनों में ही बंद हो गया।

खाली प्लॉट के टैक्स...

अभियंता संवर्ग के स्थान पर 1 अप्रैल 2012 तक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में सम्मिलित किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मंजूरी मिलने के बाद इसे स्वीकृति के लिए शासन को भेजा जाएगा। शहरी गरीबी उपशमन एवं समाज कल्याण विभाग की ओर से सभी 10 जोनो से प्राप्त निराश्रित पेंशन योजना के सभी 259 नवीन पेंशन प्रकरणों और राष्ट्रीय परिवार सहायता पेंशन योजना के तहत सभी जोन से प्राप्त 54 नवीन पेंशन प्रकरणों के प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।

माइनिंग, महादेव सट्टा...

जारी है। उल्लेखनीय है कि जांच एजेंसी माइनिंग घोटाला के आरोपियों से पूर्व में भी जेल में पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ में अब तक मिली जानकारी के बाद जांच एजेंसी खनिज अधिकारी एसएस नाग, सुनील नायक, कारोबारी लक्ष्मीकांत तथा निखिल से पूछताछ करने रिमांड हासिल करने कोर्ट में आवेदन पेश करने की तैयारी कर रही है।

दो दिन से सुकमा में...

मानसून आने और उसके दो दिन बाद भी वहां बारिश की स्थिति नहीं बन पाई है और ना ही इसके आगे बढ़ने के लायक अनुकूल स्थिति बन सकी है। अभी राज्य में प्री-मानसून की गतिविधि बनी हुई है और कहीं-कहीं बारिश हो रही है। पिछले चौबीस घंटे में लालपुर इलाके में एक सेमी. वर्षा हुई थी, वहीं लभांडी में तीन सेमी. तक दर्ज की गई थी।

पाइप लाइन में...

कृषक उपज मंडी, मोवा, दलदल सिवनी, सड्डू, कचना, आमासिवनी एवं जोरा टंकियों से 13 जून की शाम को जल आपूर्ति नहीं की जाएगी। दूसरे दिन 14 तारीख से सुबह व शाम दोनों टाइम पूर्व की तरह जल आपूर्ति होगी।

साहित्य रत्न सम्मान समारोह को कवियों-साहित्यकारों ने सजाया

आरंग। रविवार को कला एवं साहित्य तथा रंगमंच के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था "संस्कार भारती" एवं "लोकरंजनी" लोककला मंच रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में कवि व साहित्यकारों का सम्मान कार्यक्रम रायपुर के वृंदावन हाल सिविल लाइन में आयोजित किया गया।

जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, मीर अली मीर, रामेश्वर वैष्णव, रामेश्वर शर्मा, सुशील भोले, डॉ. चितरंजन कर, शकुंतला तरार, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, उर्मिला देवी उर्मी, राजेश जैन राही, डॉ. देवधर महंत, डॉ अनिल कुमार भतपहरी, गोविंद धनगर, राजेश चौहान, सुखनवर हुसैन, लोकनाथ साहू ललकार, शशि भूषण सनेही, मिनेश कुमार साहू, डॉ. इंद्रदेव यादु, विजय मिश्रा, आरंग से महेन्द्र कुमार पटेल को आमंत्रित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डा. सच्चिदानंद शुक्ला कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर व अध्यक्षता ललिता मेहर डीएसपी रायपुर, संस्कार भारती अध्यक्ष व लोकरंजनी के संचालक डा. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने की। सभी कवियों व साहित्यकारों को आयोजको ने श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र व एक–एक पौधे भेंटकर कर छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दिए। तत्पश्चात सभी कवियों व साहित्यकारों ने अपनी अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से शमां बांधा।

वहीं आरंग से कवि व समाजसेवी महेन्द्र कुमार पटेल को शोध, लेख, कला, संस्कृति के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान 2024 प्रदान किए जाने पर स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन, रानी पद्मावती महिला संगठन, कोसल साहित्य कला मंच सहित शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं व बधाई दिए हैं।

// आम सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री दिलीप कुमार केशरवानी पिता संतोष केशरवानी निवासी तिल्दा द्वारा ग्राम कोटा, प.हन. 107/51 स्थित आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 159/86, रकबा 1590 वर्गफिट भूमि को उसके भूमि स्वामी श्री मोहम्मद रिजवान खान पिता स्व. अब्दुल कादिर खान निवासी कोटा रायपुर से क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया था तथा भूमि के विक्रय प्रतिफल की अग्रिम ब्याना राशि प्रदान कर जमीन बिक्री इकरारनामा निष्पादित किया गया है उक्त सौदे से जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिन के अंदर मेरे कार्यालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत करें म्याद गुजरने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि की रजिस्ट्री अपने पक्ष में करा ली जावेगी तत्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नही होगी ।

सो सूचना जाने ।
रायपुर
दिनांक 10.06.2024

सचिन श्रीवास्तव
अधिवक्ता,
मारूति होम्स सी-9,कोटा, रायपुर (छ.ग.) मो.नं. 9229262656

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उधो पिता श्री स्व.तेजाराम शर्मा निवासी अमरपुरी रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम पुरैना प.ह.नं. 67 रा.नि.मं. रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 387/4, 392/2 रकबा 0.022, 0.103 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 29.05.2024 के परिपालन में दिनांक 18.06.2024 को समय 03 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरैना स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आनंद शर्मा पिता श्री महावीर प्रसाद शर्मा निवासी कटोरा तालाब रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम पुरैना प.ह.नं. 67 रा.नि.मं. रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 388/14(389/1), 392/6 रकबा 0.080, 0.038 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 29.05.2024 के परिपालन में दिनांक 18.06.2024 को समय 03 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरैना स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री तपवन पटेल पिता श्री स्व.शंकर पटेल वगै.निवासी बजरंग नगर रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम पुरैना प.ह.नं. 67 रा.नि.मं. रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 386/3, 392/4 रकबा 0.028, 0.097 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 29.05.2024 के परिपालन में दिनांक 18.06.2024 को समय 03 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरैना स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता भारत साहू पिता श्री फेरहा साहू निवासी गणेश नगर रायपुरा रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) का रहने वाला हूँ जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूँ किः-

1. यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड टोमिन साहू अंकित है एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र मे पहली से पांचवीं कक्षा तक मे पायल साहू अंकित है
2. यह कि मेरी पुत्री पायल साहू का आधार कार्ड बनाया गया है जिसमें त्रुटिवंश मेरी पुत्री का नाम टोमिन साहू दर्ज अंकित है जो कि गलत नाम दर्ज अंकित है।
3. यह कि मेरी पुत्री को बोल चाल की भाषा मे टोमिन साहू के नाम से जाना व पहचाना जाता है।
4. यह कि मेरी पुत्री का वास्तविक नाम पायल साहू है, मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड मे पायल साहू वास्तविक नाम को अंकित कराने की कृपा करें, जिसके समर्थन मे प्रस्तुत है। शपथकर्ता

सत्यापन
मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि शपथपत्र कि कंडिका 01 से 04 तक कि बाते सत्य व सही है अपना हस्ताक्षर कर दिया जा रहा है।
दिनांक :- 10.01.2024 शपथकर्ता

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

दिनांक 10/06/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमति लीली भण्डारी पति जॉन विक्टर भण्डारी ग्राम सोंडरा की ग्राम सोंडरा प.ह.नं. 25 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 23/12 रकबा 0.0980 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ना.तह./24 आदेश दिनांक 05/06/2024 के परिपालन में दिनांक 20/06/2024 को समय 11:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 25 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर -19 (धनेली)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल-18, तहसील व जिला-रायपुर
// आम सूचना //

जारी दिनांक 30/05/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बनरसी प.ह.नं. 79 रा.नि.मं. रायपुर-18 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में आवेदक श्रीमती लक्ष्मी दुबे पति श्री देवेन्द्र दुबे निवासी जगदलपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 56/15 रकबा 0.0180 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र/वाचक/अति. तह. अ-12 वर्ष 2024 आदेश दिनांक 22/05/2024 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक 13/06/2024 को समय 12.00 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जानें।
राजस्व निरीक्षक
रायपुर-18

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202406113400009
मामले की श्रेणी : राजस्व
विषय - ब-121 सन 2023-2024
बोरियाखुर्द (प.ह.नं. 00071)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार राजा त्रिपाठी
अनावेदक पक्षकार- शासन

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजा त्रिपाठी पिता सुरेश प्रसाद त्रिपाठी निवासी बोरियाखुर्द रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में नया ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर-320/58 रकबा 0.0470 हे. भूमि में राजस्व रिकार्ड में सुरेश प्रसाद त्रिपाठी, राजा, ब्रजेश, श्रीमती रूपा शुक्ला के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक के हक वो भूमिस्वामी हक की भूमि है। उक्त भूमि का नामांतरण पश्चात आवेदक को ऋण पुस्तिका अप्राप्त है। अतः आवेदक द्वारा नया ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 26/06/2024 को इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/06/2024 को जारी किया जाता है।

Prakash Soni
मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र/नाम परिवर्तन

मै दिलीप कुमार दुम्बानी उम्र 43 वर्ष पिता स्व. श्री हुन्दोमल दुम्बानी निवासी एवेन्यु 144, न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :-

1. यह कि, मेरा गोत्र, दुम्बा है तथा उप नाम दुम्बानी है।
2. यह कि, मेरे पेन कार्ड एवं टीन नंबर में मेरे नाम के साथ मेरा गोत्र अर्थात् दिलीप कुमार दुम्बा लिखा हुआ है।
3. यह कि, मेरे ड्रग लायसेन्स में मेरा नाम दिलीप कुमार दुम्बानी लिखा हुआ है।
4. यह कि, दिलीप कुमार दुम्बा एवं दिलीप कुमार दुम्बानी दोनो मेरा ही नाम है अर्थात् एक व्यक्ति के दो प्रचलित नाम है जो कि मेरे ही नाम है जिनका मै एतद् द्वारा अनुसमर्थन करता हूँ। अतः यह शपथ पत्र अपने नाम के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूँ। शपथकर्ता

सत्यापन:-
मै, उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि, इस शपथ पत्र की कंडिका 1 से 4 तक में वर्णित समस्त कथन सत्य एवं सही है।
रायपुर छ.ग.
दिनांक -24.12.2016 शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर छ.ग.
-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र. 202405111100099 अ/6 (अ)
वर्ष 2023-24 ग्राम गिरोला
प.ह.नं. 27 तहसील अभनपुर

एतद्द द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश गोयल पिता श्री सुभाषचंद्र गोयल निवासी- अम्बिकापुर तहसील व जिला अम्बिकापुर (छ.ग.) द्वारा आम मुख्त्यार- प्रमोद मंडल पिता श्री मोहन लाल मंडल निवासी ग्राम बेलभाठा तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम गिरोला प.ह.नं. 27 रा.नि.म. व तहसील अभनपुर जिला रायपुर में स्थित भूमि ख.नं. 675/511 रकबा 0.05 हे. को विक्रेता रेखा बेगानी पति श्री मुकेश बेगानी निवासी- रायपुर तहसील व जिला रायपुर से दिनांक 09/04/2008 को आवेदक द्वारा क्रय किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि को ना.क्र. 04 आदेश दिनांक 17/01/2009 अनुसार अपने नाम पर नामांतरण करा लिया गया है। नामांतरण पश्चात क्रेता के नाम पर मैनुअल रिकार्ड एवं ऋण पुस्तिका, बी 1 नक्शा खसरा में दर्ज किया गया है तथा ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड बी 1 नक्शा खसरा में दर्ज नहीं किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त वाद भूमि राजस्व एवं ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में अपने नाम पर दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी दिनांक 18/06/ 2024 तक न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में पेश कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 30/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
अभनपुर, जिला रायपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3283 दिनांक 05/06/24 के द्वारा दीनदयाल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 214, का नामांतरण छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र महासमुंद के पत्र क्रमांक 237 दिनांक 15.02.2021 को श्री समीर चौहान पति श्री मोहम्मद गुलाम चौहान, पता :- सदर रोड आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से नामांतरित किया गया है। श्री समीर चौहान पति श्री मोहम्मद गुलाम चौहान, द्वारा इस कार्यालय को आवेदन दिनांक 03.09.2020 प्रस्तुत कर आबंटित एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 37 क्रेता श्रीमती पुष्पा पटेल पति स्व. श्री राजेश पटेल पताः- ग्राम व पो.आ. पारागांव थाना व तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने हेतु अनुमति चाही गई है प्रस्तुत आवेदन में चुकता राशि रुपये 10,00,000/- (अक्षरी दस लाख रुपये मात्र) में सौदा कर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता श्रीमती पुष्पा पटेल पति स्व. श्री राजेश पटेल के नाम पर विक्रय हेतु विक्रय अनुमति / अनापत्ति पत्र जारी किया जाना है।

अतः अटल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 37, को विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना, नवा रायपुर, अटल नगर जिला - रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3380 दिनांक 10/06/2024 के द्वारा दीनदयाल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 223, श्री विजय कुमार नामदेव पिता श्री रामानुज नामदेव पता :- वार्ड क्रमांक 07, श्याम बाजार आरंग थाना व तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) को कार्यालय छ.ग. गृह निर्माण मण्डल संभाग क्रमांक 03 रायपुर के आबंटन पत्र क्रमांक 1979 दिनांक 13.06.2011 के माध्यम से स्व-वित्तीय / पूर्ण मूल्य आधार / भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा भवन के मद में पूर्ण राशि जमा करने के उपरांत दिनांक 26.06.2012 को उपपंजीयन कार्यालय से लीजडीड (पट्टा विलेख) का निष्पादन करा लिया गया है, एवं पत्र क्रमांक 4023 दिनांक 29.08.2012 के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त किया जा चुका है। वर्तमान में आंबटी श्री विजय कुमार नामदेव पिता श्री रामानुज नामदेव पता :- वार्ड क्रमांक 07, श्याम बाजार आरंग थाना व तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा क्रेता श्री युवराज सिंह साहू पिता श्री सुभाष चन्द्र साहू, पताः- ग्राम निसदा पो.आ. पारागांव थाना व तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) को चुकता राशि रुपये 8,10,000/- (अक्षरी आठ लाख दस हजार रुपये मात्र) में सौदा कर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र विक्रय इकरारनामा एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता श्री युवराज सिंह साहू पिता श्री सुभाष चन्द्र साहू के नाम पर विक्रय हेतु "विक्रय अनुमति/अनापत्ति" पत्र जारी किया जाना है।

अतः दीनदयाल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक 223, को विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना, नवा रायपुर, अटल नगर जिला - रायपुर (छ.ग.)

दुकान में नशा करने से मना करने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। गुढ़ियारी थाना में एक युवक ने तीन लड़कों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक भनपुरी निवासी निकेत चौधरी ने अविनाश, मोहित तथा एक अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। निकेत ने पुलिस को बताया है कि तीनों लड़के उसकी दुकान के अंदर नशा करने की मांग कर रहे थे। दुकान में नशा नहीं करने देने की बात कहने पर अविनाश तथा उसके साथियों ने निकेत के साथ मारपीट की है।

लोन की रकम पटाने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। कबीर नगर थाना में एक महिला ने दो लोगों के खिलाफ लोन की राशि पटाने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक हीरापुर निवासी पूनम देवी उपाध्याय ने अखिलेश तथा प्रशांत मिश्रा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया है कि अखिलेश तथा प्रशांत ने लोन की राशि पटाने के विवाद पर उसके तथा बेटे के साथ मारपीट की है।

निधन

एलिजाबेथ सैमुएल

रायपुर। देवेंद्रनगर आदर्श विद्यालय की सेवानिवृत्त शिक्षिका एलिजाबेथ सैमुएल (94) का केरल में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 जून को केरल के गृह ग्राम में किया जाएगा। वे स्व. केसी सैमुएल की पत्नी और एलसी साकरिया, मोहन सैमुएल, एनी जेस्सी, नैंसी और फिलिप की माता थीं।

संदेह के दायरे में आयरन की दवा, सैंपल रिपोर्ट के लिए सप्ताहभर इंतजार

सरकारी अस्पतालों से औषधि विभाग ने लिया है सैंपल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

गुणवत्ता के मामले में संदेह के दायरे में आई आयरन की दवा के मामले में आगे की कार्रवाई के लिए सैंपल रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। प्रसूताओं और बच्चों को निशुल्क वितरित की जाने वाली इस दवा को संदेह के दायरे में रखा गया है। इस आधार पर आषौधि विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों से इसके सैंपल एकत्रित किए हैं। सूत्रों के अनुसार काफी साल से आयरन से संबंधित दवाओं की सप्लाई एक ही एजेंसी द्वारा की जाती रही है। पिछले दिनों दवा की गुणवत्ता को लेकर शिकायत सामने आई थी, जिसके बाद मंत्रालय स्तर पर इन दवाओं की जांच के निर्देश जारी किए गए थे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने अलग-अलग जिला अस्पताल के साथ बीईओ के कार्यालय में रखी गई दवाओं के सैंपल लिए थे। सैंपलों को जांच के लिए कालीबाड़ी के लैब भेजा गया है। सूत्रों का कहना है कि टेस्ट रिपोर्ट मिलने में सप्ताहभर का वक्त लगेगा, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि अगर रिपोर्ट अमानक पाई जाती है, तो संबंधित सप्लायर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सरकारी स्तर पर इन दवाओं की सप्लाई जिला अस्पताल के साथ तमाम सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में की जाती है। इसके साथ स्कूल स्तर पर बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए भी इनका सेवन कराया जाता है।

रिपोर्ट पर अटकता है मामला

औषधि विभाग द्वारा की जाने वाली किसी भी तरह की कार्रवाई सैंपलों की जांच पर जाकर अटक जाती है। राज्य की एकमात्र लैब होने और स्टाफ की कमी की वजह से यहां सैंपल काफी समय तक डंप रहते हैं। स्वास्थ्य से संबंधित मामला होने के बाद भी इंवेस्टीगेशन टीम को रिपोर्ट के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ जाता है।

आयरन फोलिक एसिड टेबलेट के सैंपल

खाद्य विभाग की टीम द्वारा रायपुर जिला अस्पताल सहित तीन जिला अस्पताल, चार जिला के खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के साथ कोरिया और जशपुर के ड्रग वेयर हाउस से आईएफए सिरप रेड, ब्लू के अलावा बच्चों की दी जाने वाली दवा के भी सैंपल एकत्रित किए गए हैं।

रिपोर्ट की प्रतीक्षा

सैंपलों की रिपोर्ट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- बसंत कुमार कौशिक
सहायक नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

सुपारी किलिंग की जांच करने झारखंड जेल में बंद अमन को प्रोटक्शन वारंट में लाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ महज दो से तीन हजार रुपए में पिस्टल

राज्य के दो प्रमुख कारोबारी की हत्या की सुपारी लेने के मामले में पुलिस अब झारखंड जेल में बंद अमन साहू से पूछताछ करने प्रोटक्शन वारंट में रायपुर लाने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही रोहित सोनी को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले मध्यप्रदेश, बड़वानी निवासी राजवीर से पुलिस को हथियारों की अवैध खरीदी बिक्री को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। राजवीर ने पुलिस को बताया है कि बड़वानी से सटे आसपास के गांव में ज्यादातर लोग हथियार बनाकर बेचने का

बदमाशों को एक-दूसरे से पहचान के लिए मिला था कोड वर्ड

मलेशिया से मारने का आदेश, बाइक राइडर बनकर शूटर पहुंचे थे रायपुर, उगाही के लिए था पूरा खेल

काम करते हैं। हथियार बनाकर बेचने वाले देश के नामी गैंगस्टर के संपर्क में रहते हैं। गौरतलब है कि कोल कारोबारी तथा रोड कांट्रेक्टर की हत्या करने जेल में बंद अमन साहू ने मलेशिया में बैठे लारेंस विश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर मयंक सिंह से हत्या करने की सुपारी ली थी। सुपारी लेने के बाद अमन ने राजस्थान के गैंगस्टर पप्पू सिंह उर्फ पप्सा से कांट्रैक्ट किया। बदमाश घटना को अंजाम दे पाते, इसके पूर्व पुलिस ने आईबी की रिपोर्ट के आधार पर चारों बदमाशों के अलावा पिस्टल उपलब्ध कराने वाले को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस के अनुसार राज्य के दो प्रमुख कारोबारियों को मारने अमन ने कितने में सुपारी ली थी, इसका खुलासा अमन से पूछताछ के बाद ही हो पाएगा।

कबाड़ के सामान से पिस्टल

राजवीर ने पुलिस को बताया है कि उसके गांव के रहने वाले जो हथियार बनाने का काम करते हैं, वो सभी पुराने ट्रक के तार निकालकर पिस्टल के लिए स्प्रिंग बनाने के साथ ट्रक के नीचे वाली हैंडल रॉड कबाड़ियों से खरीदकर तथा पीतल मिलाकर पिस्टल बनाने का काम करते हैं।

छत्तीसगढ़ में भी पिस्टल खपाने की चर्चा

पुलिस को राजवीर से पूछताछ में जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक राजवीर ने छत्तीसगढ़ में भी कई बदमाशों को पिस्टल खपाया है। राजवीर ने पुलिस को बताया है कि उसने छत्तीसगढ़ में जिन लोगों को पिस्टल बेचा है, उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। सोशल मीडिया के माध्यम से हथियार खरीदने वाले लोगों ने उससे संपर्क कर पिस्टल खरीदे हैं। राजवीर से जिन लोगों ने पिस्टल खरीदी है, उन लोगों के मोबाइल नंबर की जानकारी जुटाने पुलिस राजवीर के मोबाइल की जांच करने की बात कह रही है। राजवीर के अनुसार उसने छत्तीसगढ़ के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश तथा बिहार के बदमाशों को पिस्टल बेचा है।

कामाख्या व दुरंतो एक्सप्रेस आज 7 घंटे देर से होगी रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल अंतर्गत कांसबहाल-राजगंगपुर सेक्शन में आरसीसी स्लैब लांचिंग का कार्य ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने व गुजरने वाली कुछ यात्री गाड़यों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इसमें 12 जून को टाटानगर व नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18109/18110 टाटानगर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस, इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसके अलावा आज एलटीटी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22511 एलटीटी-कामाख्या एक्सप्रेस 7 घंटे देर से रवाना होगी। 11 जून को 18478 एक्सप्रेस 03 घंटे 45 मिनट, 12261 सीएसएमटी-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस 4 घंटे देर से रवाना होगी। 12 जून को हावड़ा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-सीएसएमटी दुरन्तो एक्सप्रेस 7 घंटे देर से रवाना होगी। 11 जून को आरा से रवाना होने वाली 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस राउरकेला स्टेशन में समाप्त होगी व 12 जून को 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस के रूप में राउरकेला स्टेशन से प्रारम्भ होगी।

पेज 11 के शेष ...

10 के सिस्टम में...

20 मिनट पर सिर्फ 10 प्रतिशत ही कर्मचारी दफ्तरों में पाए गए थे, जबकि 90 प्रतिशत कर्मचारी ड्यूटी पर ही नहीं पहुंचे थे। इसके कारण सभी दफ्तरों में सन्नाटा पसरा मिला था। माना जा रहा था कि लोकसभा चुनाव का खुमार कर्मचारियों के दिलों से उतरा नहीं था, जिसके कारण आचार संहिता खत्म होने के बाद भी कर्मचारी विलंब से ही दफ्तर पहुंच रहे हैं, लेकिन आचार संहिता खत्म होने के 4 दिन बाद भी कर्मचारियों में करीब 60 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी विलंब से ही दफ्तर पहुंच रहे हैं। टीम ने सोमवार को भी कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों में जाकर दोबारा पड़ताल की, जिसमें करीब 40 प्रतिशत कर्मचारी 10 बजकर 10 मिनट में अपने दफ्तरों में उपस्थित मिले, जबकि शेष कर्मचारी साढ़े दस से 11 बजे तक दफ्तर पहुंचते रहे। **रजिस्टर में अपने से करते हैं आने-जाने की एंट्री :** अधिकारियों व कर्मचारियों के ड्यूटी विलंब से पहुंचने का बड़ा कारण कलेक्टोरेट में बायोमेट्रिक केप्चरिंग स्कैनर सिस्टम का नहीं लगना है। इस सिस्टम के नहीं लगने के कारण हर विभागों के कर्मचारी अपने-अपने दफ्तर में रखे रजिस्टर में अपने आने-जाने की स्वयं से एंट्री कर रहे हैं। इसके कारण 10 का सिस्टम भी सुधर नहीं पा रहा है। बताया जा रहा है कि पूर्व में कलेक्टोरेट के अधीक्षक के रूम में बायोमेट्रिक सिस्टम लगा था। कर्मचारी कुछ दिन तक इस सिस्टम में उंगली स्कैन कर ऑनलाइन आने-जाने की एंट्री करते थे, लेकिन यह सिस्टम कुछ दिनों में ही बंद हो गया। उंगलियों के निशान नहीं लेने के कारण कर्मचारी दोबारा रजिस्टर में एंट्री करने लगे।

खाली प्लॉट के टैक्स...

अभियंता संवर्ग के स्थान पर 1 अप्रैल 2012 तक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में सम्मिलित किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मंजूरी मिलने के बाद इसे स्वीकृति के लिए शासन को भेजा जाएगा। शहरी गरीबी उपशमन एवं समाज कल्याण विभाग की ओर से सभी 10 जोनो से प्राप्त निराश्रित पेंशन योजना के सभी 259 नवीन पेंशन प्रकरणों और राष्ट्रीय परिवार सहायता पेंशन योजना के तहत सभी जोन से प्राप्त 54 नवीन पेंशन प्रकरणों के प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।

माइनिंग, महादेव सट्टा...

जारी है। उल्लेखनीय है कि जांच एजेंसी माइनिंग घोटाला के आरोपियों से पूर्व में भी जेल में पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ में अब तक मिली जानकारी के बाद जांच एजेंसी खनिज अधिकारी एसएस नाग, सुनील नायक, कारोबारी लक्ष्मीकांत तथा निखिल से पूछताछ करने रिमांड हासिल करने कोर्ट में आवेदन पेश करने की तैयारी कर रही है।

दो दिन से सुकमा में...

मानसून आने और उसके दो दिन बाद भी वहां बारिश की स्थिति नहीं बन पाई है और ना ही इसके आगे बढ़ने के लायक अनुकूल स्थिति बन सकी है। अभी राज्य में प्री-मानसून की गतिविधि बनी हुई है और कहीं-कहीं बारिश हो रही है। पिछले चौबीस घंटे में लालपुर इलाके में एक सेमी. वर्षा हुई थी, वहीं लभांडी में तीन सेमी. तक दर्ज की गई थी। सोमवार को रायपुर समेत अन्य इलाकों में सूखे जैसी स्थिति बनी रही। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा के मुताबिक अगले तीन दिनों तक अरब सागर से आने वाली नमीयुक्त हवा के प्रभाव में कमी आएगी, जिसकी वजह से तापमान में और वृद्धि होने के आसार बने हुए हैं। अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री तक बढ़ने की वजह से कई इलाकों में गर्मी बढ़ने की संभावना है।

पाइप लाइन में...

कृषक उपज मंडी, मोवा, दलदल सिवनी, सड्डू, कचना, आमासिवनी एवं जोरा टंकियों से 13 जून की शाम को जल आपूर्ति नहीं की जाएगी। दूसरे दिन 14 तारीख से सुबह व शाम दोनों टाइम पूर्व की तरह जल आपूर्ति होगी।

छत्तीसगढ़ सराफा एकता पैनल ने जारी किया संकल्प पत्र

रायपुर के बाहर दूसरे जिलों में भी जेम्स एवं ज्वेलरी पार्क निर्माण का वादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के चुनाव के लिए सोमवार को एकता पैनल ने अपना संकल्प पत्र वरिष्ठजनों की मौजूदगी में जारी किया। पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी कमल सोनी (बिलासपुर), महासचिव प्रकाश गोलछा (रायपुर) व हर्षवर्धन जैन (रायपुर) ने कहा, विकास और विस्तार के लिए बदलाव जरूरी है, हम पद और स्वयं की व्यापारिक स्वार्थहित से बहुत दूर केवल और केवल छत्तीसगढ़ सराफा व्यापारियों की निःस्वार्थ सेवा के लिए आगे आए हैं। एकता पैनल के चुनाव संचालक हरख मालू और पवन सोनी ने बताया, संकल्प पत्र में सराफा व्यापारियों द्वारा ही सुझाए गए विषयों को शामिल किया गया है, ताकि किसी शहर विशेष नहीं बल्कि रायगढ़ से राजनांदगांव और बस्तर से अंबिकापुर तक सभी को एक सूत्र में जोड़ सकें। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन हम सबका है। सामूहिक नेतृत्व के साथ हम सबको लेकर पूरी पारदर्शिता के साथ काम करेंगे।

ये हैं प्रमुख वादे

संकल्प पत्र के प्रमुख बिंदुओं में रायपुर में भव्य सराफा भवन का निर्माण, रायपुर के साथ अलग-अलग स्थानों पर जेम्स एवं ज्वेलरी पार्क का निर्माण, एसोसिएशन की वेबसाइट (पोर्टल) के माध्यम से सभी प्रकार की जानकारी हर समय उपलब्ध कराना। व्यापारियों की समस्याओं के हल के लिए शिकायत व सुझाव दर्ज कराने की सुविधा रहेगी। बिलासपुर न्यायधानी में एक विधिक सलाहकार (हाईकोर्ट अधिवक्ता) निःशुल्क सेवा के साथ उपलब्ध रहेगा। प्रत्येक संभाग में अलग-अलग समय पर वार्षिक सम्मलेन का आयोजन कराना। संकल्प पत्र जारी करने के अवसर पर वरिष्ठ सराफा व्यवसायी भीखमचंद कोचर, शिवराज भंसाली, महावीरचंद बूरड़, चेतन सोनी, हरख मालू, पवन सोनी, संजय कानूगा, प्रकाश गोलछा, हर्षवर्धन जैन व अन्य सराफा व्यवसायी उपस्थित थे।

// आम सूचना //
नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै रीना आर. पोपट पिता-भाईलाल ठक्कर रायपुर छ.ग. की निवासी हूं पूर्व में मेरा नाम उपर वर्णित है वर्तमान एवं भविष्य में मुझे रीना ठक्कर पिता भाईलाल ठक्कर के नाम से जाना जावे इसलिए अपना नाम का परिवर्तन अपनी स्वेच्छा बिना किसी डर, भय व दबाव के अपनी मर्जी से कर रही हूं।

आवेदिका
रीना ठक्कर
पिता - श्री भाईलाल ठक्कर
निवासी- फ्लैट नं.- 204, एकता इंक्लेव बैरन बाजार, छत्तीसगढ़ कॉलेज के पास, रायपुर तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र/ नाम परिवर्तन

मै शपथकर्ता श्रीमति खतिजा बी आयु 61 वर्ष पति श्री अब्दुल जब्बार निवासी संजय नगर सैलानी नगर रायपुर तह व जिला रायपुर छ.ग. जो कि निम्नानुसार शपथ पत्र कथन प्रस्तुत करती हूँः-

1. यह कि मेरा शपथकर्ता का विवाह पूर्व नाम खतिता बी बेगम पिता श्री सुभान अली निवासी बैजनाथपारा रायपुर के नाम व पता के जानी व पहचानी जाती थी उक्त नाम मेरे शाला प्रमाण व अन्य दस्तावेज मे दर्ज है।
2. यह कि मै शपथकर्ता विवाह पश्चात श्रीमति खतीजा बी पति श्री अब्दुल जब्बार निवासी संजय नगर शैलानी नगर रायपुर तह व जिला रायपुर के नाम से जानी पहचानी जाने वगी हूँ।
3. यह कि मेरे बच्चो का दस्तावेज मे मेरा त्रुटिवंश नाम खतीजा बेगम दर्ज है व विवाह पूर्व नाम खतीजा बी व विवाह पश्चात नाम खतीजा बी है परन्तु मेरे बच्चो के स्कूल दस्तावेज मे खतीजा बेगम दर्ज है जिसके समर्थन यह शपथ पत्र मे पेपर मे इस्तेहार के समर्थन मेरा प्रस्तुत करती हूँ ताकि मुझे शपथकर्ता के दोनो नाम खतीजा बी व खतीजा बेगम दोनो नाम को एक मानते हुए मुझ शपथकर्ता का खतीजा बी पति श्री अब्दुल जब्बार निवासी संजय नगर सैलानी नगर के नाम से जाना व पहचाना जाये व उक्त नाम ही मेरे आवश्यक दस्तावेज मे दर्ज किया जाये जिसके नाम के प्रस्तुत समर्थन मे यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ता

सत्यापनः-
मै शपथकर्ता से सत्यापित करती हूँ उक्त शपथपत्र मेरे लिखित सभी तथ्य मेरे स्वयं के ज्ञान से सही है जिसे स्थान रायपुर के अपना हस्ताक्षर व सत्यापित की हूँ।
रायपुर छ.ग.
दिनांक 21.05.2024 शपथकर्ता

// आम सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री दिलीप कुमार केशरवानी पिता संतोष केशरवानी निवासी तिल्दा द्वारा ग्राम कोटा, प.हन. 107/51 स्थित आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 159/86, रकबा 1590 वर्गफिट भूमि को उसके भूमि स्वामी श्री मोहम्मद रिजवान खान पिता स्व. अब्दुल कादिर खान निवासी कोटा रायपुर से क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया था तथा भूमि के विक्रय प्रतिफल की अग्रिम ब्याना राशि प्रदान कर जमीन बिक्री इकरारनामा निष्पादित किया गया है उक्त सौदे से जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिन के अंदर मेरे कार्यालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत करें म्याद गुजरने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि की रजिस्ट्री अपने पक्ष में करा ली जावेगी तत्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नही होगी।

सो सूचना जाने।
रायपुर
दिनांक 10.06.2024

सचिन श्रीवास्तव
अधिवक्ता,
मारूति होम्स सी-9,कोटा, रायपुर (छ.ग.) मो.नं. 9229262656

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उधो पिता श्री स्व.तेजाराम शर्मा निवासी अमरपुरी रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम पुरैना प.ह.नं. 67 रा.नि.मं. रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 387/4, 392/2 रकबा 0.022, 0.103 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 29.05.2024 के परिपालन में दिनांक 18.06.2024 को समय 03 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरैना स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आनंद शर्मा पिता श्री महावीर प्रसाद शर्मा निवासी कटोरा तालाब रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम पुरैना प.ह.नं. 67 रा.नि.मं. रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 388/14(389/1), 392/6 रकबा 0.080, 0.038 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 29.05.2024 के परिपालन में दिनांक 18.06.2024 को समय 03 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरैना स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री तपवन पटेल पिता श्री स्व.शंकर पटेल वगै.निवासी बजरंग नगर रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम पुरैना प.ह.नं. 67 रा.नि.मं. रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 386/3, 392/4 रकबा 0.028, 0.097 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 29.05.2024 के परिपालन में दिनांक 18.06.2024 को समय 03 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 67 के पुरैना स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-11

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता भारत साहू पिता श्री फेरहा साहू निवासी गणेश नगर रायपुरा रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) का रहने वाला हूँ जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूँ किः-

1. यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड टोमिन साहू अंकित है एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र मे पहली से पांचवीं कक्षा तक मे पायल साहू अंकित है
2. यह कि मेरी पुत्री पायल साहू का आधार कार्ड बनाया गया है जिसमें त्रुटिवंश मेरी पुत्री का नाम टोमिन साहू दर्ज अंकित है जो कि गलत नाम दर्ज अंकित है।
3. यह कि मेरी पुत्री को बोल चाल की भाषा मे टोमिन साहू के नाम से जाना व पहचाना जाता है।
4. यह कि मेरी पुत्री का वास्तविक नाम पायल साहू है, मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड मे पायल साहू वास्तविक नाम को अंकित कराने की कृपा करें, जिसके समर्थन मे प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापन
मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि शपथपत्र कि कंडिका 01 से 04 तक कि बाते सत्य व सही है अपना हस्ताक्षर कर दिया जा रहा है।
दिनांक :- 10.01.2024 शपथकर्ता

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना

दिनांक 10/06/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमति लीली भण्डारी पति जॉन विक्टर भण्डारी ग्राम सोंडरा की ग्राम सोंडरा प.ह.नं. 25 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 23/12 रकबा 0.0980 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ना.तह./24 आदेश दिनांक 05/06/2024 के परिपालन में दिनांक 20/06/2024 को समय 11:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 25 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर -19 (धनेली)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल-18, तहसील व जिला-रायपुर
// आम सूचना //

जारी दिनांक 30/05/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बनरसी प.ह.नं. 79 रा.नि.मं. रायपुर-18 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में आवेदक श्रीमती लक्ष्मी दुबे पति श्री देवेन्द्र दुबे निवासी जगदलपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 56/15 रकबा 0.0180 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./वाचक/अति. तह. अ-12 वर्ष 2024 आदेश दिनांक 22/05/2024 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक 13/06/2024 को समय 12.00 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-18

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202406113400009

मामले की श्रेणी : राजस्व
विषय - ब-121 सन 2023-2024
बोरियाखुर्द (प.ह.नं. 00071)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार राजा त्रिपाठी
अनावेदक पक्षकार- शासन

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजा त्रिपाठी पिता सुरेश प्रसाद त्रिपाठी निवासी बोरियाखुर्द रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में नया ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर-320/58 रकबा 0.0470 हे. भूमि में राजस्व रिकार्ड में सुरेश प्रसाद त्रिपाठी, राजा, ब्रजेश, श्रीमती रूपा शुक्ला के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक के हक वो भूमिस्वामी हक की भूमि है। उक्त भूमि का नामांतरण पश्चात आवेदक को ऋण पुस्तिका अप्राप्त है। अतः आवेदक द्वारा नया ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 26/06/2024 को इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

Prakash Soni
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र/नाम परिवर्तन

मै दिलीप कुमार दुम्बानी उम्र 43 वर्ष पिता स्व. श्री हुन्दोमल दुम्बानी निवासी एवेन्यु 144, न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :-

1. यह कि, मेरा गोत्र, दुम्बा है तथा उप नाम दुम्बानी है।
2. यह कि, मेरे पेन कार्ड एवं टीन नंबर में मेरे नाम के साथ मेरा गोत्र अर्थात् दिलीप कुमार दुम्बा लिखा हुआ है।
3. यह कि, मेरे ड्रग लायसेन्स में मेरा नाम दिलीप कुमार दुम्बानी लिखा हुआ है।
4. यह कि, दिलीप कुमार दुम्बा एवं दिलीप कुमार दुम्बानी दोनो मेरा ही नाम है अर्थात् एक व्यक्ति के दो प्रचलित नाम है जो कि मेरे ही नाम है जिनका मै एतद् द्वारा अनुसमर्थन करता हूँ। अतः यह शपथ पत्र अपने नाम के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

सत्यापनः-
मै, उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि, इस शपथ पत्र की कंडिका 1 से 4 तक में वर्णित समस्त कथन सत्य एवं सही है।
रायपुर छ.ग.
दिनांक -24.12.2016 शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर छ.ग.
-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र. 202405111100099 अ/6 (अ)
वर्ष 2023-24 ग्राम गिरोला
प.ह.नं. 27 तहसील अभनपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश गोयल पिता श्री सुभाषचंद्र गोयल निवासी- अम्बिकापुर तहसील व जिला अम्बिकापुर (छ.ग.) द्वारा आम मुख्त्यार- प्रमोद मंडल पिता श्री मोहन लाल मंडल निवासी ग्राम बेलभाठा तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम गिरोला प.ह.नं. 27 रा.नि.म. व तहसील अभनपुर जिला रायपुर में स्थित भूमि ख.नं. 675/511 रकबा 0.05 हे. को विक्रेता रेखा बेगानी पति श्री मुकेश बेगानी निवासी- रायपुर तहसील व जिला रायपुर से दिनांक 09/04/2008 को आवेदक द्वारा क्रय किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि को ना.क्र. 04 आदेश दिनांक 17/01/2009 अनुसार अपने नाम पर नामांतरण करा लिया गया है। नामांतरण पश्चात क्रेता के नाम पर मैनुअल रिकार्ड एवं ऋण पुस्तिका, बी 1 नक्शा खसरा में दर्ज किया गया है तथा ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड बी 1 नक्शा खसरा में दर्ज नहीं किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त वाद भूमि राजस्व एवं ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में अपने नाम पर दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी दिनांक 18/06/ 2024 तक न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में पेश कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 30/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
अभनपुर, जिला रायपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3283 दिनांक 05/06/24 के द्वारा दीनदयाल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 214, का नामांतरण छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र महासमुंद के पत्र क्रमांक 237 दिनांक 15.02.2021 को श्री समीर चौहान पति श्री मोहम्मद गुलाम चौहान, पता :- सदर रोड आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से नामांतरित किया गया है। श्री समीर चौहान पति श्री मोहम्मद गुलाम चौहान, द्वारा इस कार्यालय को आवेदन दिनांक 03.09.2020 प्रस्तुत कर आबंटित एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 37 क्रेता श्रीमती पुष्पा पटेल पति स्व. श्री राजेश पटेल पताः- ग्राम व पो.आ. पारागांव थाना व तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने हेतु अनुमति चाही गई है प्रस्तुत आवेदन में चुकता राशि रुपये 10,00,000/- (अक्षरी दस लाख रुपये मात्र) में सौदा कर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता श्रीमती पुष्पा पटेल पति स्व. श्री राजेश पटेल के नाम पर विक्रय हेतु विक्रय अनुमति / अनापत्ति पत्र जारी किया जाना है।

अतः अटल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 37, को विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना, नवा रायपुर, अटल नगर जिला - रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3380 दिनांक 10/06/2024 के द्वारा दीनदयाल आवास योजनांर्गत आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक - 223, श्री विजय कुमार नामदेव पिता श्री रामानुज नामदेव पता :- वार्ड क्रमांक 07, श्याम बाजार आरंग थाना व तहसील [illegible]

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना, नवा रायपुर, अटल नगर जिला - रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

मानसून के पूर्व नाली-नालों की सफाई

रायपुर । राजधानी में बारिश से पूर्व नालो एवं नालियों की सफाई करने नगर निगम अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत जोन 3 के शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 के तहत दुर्गा मैदान शंकरनगर के पास बड़े नाले की सफाई कराई गई। निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नालो एवं नालियों की सफाई के दौरान विशेष सतर्कता बरतें तथा पॉलीथीन पन्नी आदि नाला-नालियों में न रहने पाये। इनके फंसने से निकास प्रणाली बाधित हो जाती है।

जांजगीर में झेरिया यादव समाज की आमसभा 31 जुलाई को, महासम्मेलन भी

रायपुर। रायपुरा महादेवघाट स्थित प्रधान कार्यालय यादव सामाजिक भवन में रविवार को छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने अनेक विषयों पर चर्चा की। साथ ही जांजगीर-चांपा में 31 जुलाई को आमसभा एवं यादव महासम्मेलन कराने का निर्णय लिया, जिसके संयोजक जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष त्रिभुवन यादव और सह-संयोजक जिलाध्यक्ष रायगढ़ पंचराम यादव होंगे। इस आमसभा और यादव महासम्मेलन में संविधान संशोधन किया जाएगा। रायपुर जिलाध्यक्ष रामलाल यादव की अध्यक्षता में संविधान संशोधन के लिए समिति का गठन किया गया है, इस समिति में सभी जिला अध्यक्ष है। प्रदेश सचिव सुंदरलाल यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव की अध्यक्षता एवं जांजगीर-चांपा के जिला पदाधिकारियों, अन्य जिलों के जिला, ब्लॉक, तहसील पदाधिकारियों की प्रधान कार्यालय महादेव घाट रायपुरा की बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक में जगत राम यादव, जीआर यादव, त्रिभुवन यादव आदि उपस्थित थे।

घर में रहने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। आजाद चौक थाना में एक व्यक्ति ने तीन सगे भाइयों के खिलाफ घर में रहने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक भीमा वासुदेव ने दुखित, पप्पू, गोलू वासुदेव के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। भीमा ने पुलिस को बताया है कि मायका लौटकर उसकी पत्नी तथा बच्चे घर लौटे, तब तीनों ने भीमा को तुम घर में अकेले रह सकते हो, कहकर अन्य सदस्यों को घर में नहीं रहने देने की बात को लेकर विवाद करते हुए मारपीट की।

आचार संहिता हटते ही विद्युत विकास कार्यों में आई तेजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी की अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक 400 केवी अति उच्चदाब विद्युत उपकेंद्र कुरूद से 220 केवी फीडर-बे को सोमवार को प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला द्वारा चार्ज कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा अधोसंरचना विस्तार के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए है, जिसके तहत प्रदेश के सचिव ऊर्जा तथा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ऊर्जा कंपनियां पी. दयानंद के मार्गदर्शन में सोमवार से यह प्रगति दर्ज की गई। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के अध्यक्ष पी. दयानंद ने इस उपलब्धि के लिए विद्युत पारेषण कंपनी को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि विगत वर्षों में स्वीकृत तथा लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जाए। जिन क्षेत्रों में समस्याएं है उनके प्रस्ताव भी बनाए जाएं। विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए कदम तेजी से उठाए जाएं।

पहली बार सीजन में बिके डेढ़ लाख एसी, पांच लाख से ज्यादा कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

गर्मी के इस सीजन में जहां ताबड़तोड़ गर्मी पड़ी है, वहीं इस गर्मी में एसी, कूलर के बाजार का पारा सीजन में पहली बार आसमान पर रहा है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार गर्मी के सीजन में डेढ़ लाख के आसपास एसी बिके हैं। आमतौर पर सीजन में 70 से 75 हजार एसी ही बिकते रहे हैं। यही नहीं, कूलरों की बिक्री भी ताबड़तोड़ हुई है। एसी का कारोबार इस बार करीब डबल हुआ है।

पहली बार पांच लाख से ज्यादा कूलर बिके हैं। इन दोनों को मिलाकर छह सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार सीजन में हुआ है। वैसे अब तक सीजन में साढ़े तीन सौ करोड़ के आसपास ही कारोबार होता रहा है। कारोबारियों के लिए गर्मी का सीजन सबसे खास होता है। इस सीजन में ही साल भर के कारोबार का चालीस फीसदी से ज्यादा कारोबार हो जाता है। इस सीजन के लिए कारोबारी खास तैयारी भी करते हैं। एसी और कूलरों के स्टॉक का आर्डर दिसंबर में ही दे दिया जाता है। इसके बाद जनवरी से स्टॉक आने भी आ जाता है। अब तो आमतौर पर फरवरी से ही गर्मी अपने तेवर दिखाने लगती है। इस बार भी फरवरी में गर्मी ने तेवर दिखाए और कारोबार होने लगा। फरवरी और मार्च में तो कारोबार की रफ्तार कम रही, लेकिन अप्रैल और मई में रफ्तार बहुत तेज हो गई।

प्रदेश में सीजन में हुआ छह सौ करोड़ का कारोबार

कूलरों की बिक्री में गर्मी

गर्मी के सीजन में सबसे बड़ा कारोबार कूलरों का होता है। कूलरों की बिक्री भी फरवरी से लगातार हुई। आमतौर पर एक सीजन में तीन से साढ़े तीन लाख कूलर बिकते हैं। लेकिन इस बार सीजन में पांच लाख से ज्यादा कूलर बिके हैं। लोकल कूलरों में विंडो कूलरों की मांग ज्यादा रही है। ये कूलर चार से आठ हजार के बीच मिल रहे हैं। आज-कल तो दो हजार तक के छोटे कूलर भी आने लगे हैं। इसके अलावा रूम कूलरों की भी बड़ी डिमांड रही है। रूम कूलरों में ब्रांडेड कूलर जहां 10 से 12 हजार के मिल रहे हैं, वहीं लोकल कूलर 7 से 8 हजार में मिल रहे हैं। कूलरों का दो सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है।

पहली बार इतने ज्यादा बिके एसी

एसी का कारोबार बड़ा होता है। ब्रांडेड एसी 20 हजार से एक लाख तक के आते हैं। कारोबारियों के मुताबिक गर्मी के सीजन में वैसे तो 70 से 75 हजार एसी बिक जाते हैं, लेकिन इस बार गांवों और छोटे शहरों से भी बड़ी डिमांड होने के कारण डेढ़ लाख के आस-पास बिके हैं। राजधानी के लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक राजेश वासवानी के मुताबिक उन्होंने नई कंपनी एसर और ब्लैक एंड डेकर कंपनी की डीलरशि ली है। इनके एक माह में ही करीब दो हजार एसी बिके हैं। कारोबारियों के मुताबिक नामी कंपनियों के एसी हर माह पांच हजार से ज्यादा बिके हैं। कई नामी कंपनियों के एसी बाजार में हैं। फरवरी से लेकर मई तक डेढ़ लाख एसी बिकने का अनुमान है। कम और ज्यादा कीमत को देखते हुए एक एसी की औसत कीमत अगर 30 हजार मान लें तो इस सीजन में चार सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार हो गया है। इस बार तो कीमत भी पांच से सात फीसदी बढ़ी है, इसके बाद भी रिकॉर्ड एसी बिके हैं। प्रदेश में करीब सात सौ कारोबारी एसी बेचने का काम करते हैं।

पटरियों में लगातार हादसे के बाद यात्री 35 रुपए का रेल बीमा अनिवार्य रूप से लेने लगे हैं

मंडल में रेल हादसे बढ़ने से 70 फीसदी यात्री टिकट के साथ चुनने लगे बीमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

देश में लगातार बढ़ते ट्रेन हादसों ने यात्रियों की चिंता बढ़ा दी है। पहले टिकट के साथ रेल बीमा का विकल्प चुनना यात्रियों को फिजूल खर्च लगता था, लेकिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ट्रेन हादसों की घटनाओं ने अब यात्रियों को रेल बीमा उपयोगी लगने लगा है। रायपुर मंडल में 5 महीने के भीतर दो बड़ी घटना हुई थी, जिसमें ट्रेन में आरपीएफ जवान की गन से अचानक गोली चलने से एक यात्री बुरी तरह घायल हो गया था। इस घटना में जवान की मौत हो गई थी। दूसरी बड़ी घटना बीते महीने ही उरकुरा में शालीमार-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से खंभा टकराने से हुई थी, जिसमें 4 यात्री घायल हुए थे। इन घटनाओं के बाद 35 रुपए का रेल बीमा यात्री अनिवार्य रूप से लेने लगे हैं।

जिन यात्रियों ने टिकट खरीदने के समय 35 रुपए का बीमा का विकल्प चुना होता, अब उन यात्रियों को आईआरसीटीसी से 10 लाख रुपए दिए जाते हैं। हरिभूमि ने बढ़ते रेल हादसे के बाद रेलवे बीमा की पड़ताल की, तो पता चला कि शहर की 6 बड़ी ट्रैवल एजेंसी से हर दिन 5 हजार से अधिक रेल टिकट की बुकिंग होती है। दो साल पहले केवल 5 से 10 फीसदी लोग ही बीमा का चयन करते थे, लेकिन देश और प्रदेश में रेल हादसों के बाद लोग जागरूक हो चुके हैं। रायपुर से यात्रा करने वाले अब 70 फीसदी यात्री बीमा लेने लगे हैं।

रेल दुर्घटना होने पर बीमा लेने वाले यात्रियों को आईआरसीटीसी से दिए जाते हैं 10 लाख रुपए

लोग समझते हैं फिजूल खर्च

हादसे से पहले रेल ई-टिकट खरीदते समय बीमा की सुविधा को लोग फिजूल खर्च समझते थे, लेकिन अब ट्रैवल एजेंसी यात्रियों को बीमा की जानकारी दे रही हैं। रायपुर में कोई भी 35 रुपए का बीमा करवाने से पीछे नहीं हट रहा। व्यास ट्रैवल सर्विस के कीर्ति व्यास ने बताया कि रेल यात्री के साथ फ्लाइट के सफर में भी लोग अपना बीमा नहीं कराते। लोगों को बीमा की जानकारी देते हैं कि बीमा के लिए आपको अतिरिक्त चार्ज देना होगा, लेकिन यात्री दिलचस्पी नहीं दिखाते, लेकिन हादसे के बाद अब लोग बीमा कराने लगे हैं। जागरूकता आई है।

केवल बीमा लेने ई-टिकट को प्राथमिकता

बीमा लेने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से आईआरसीटीसी का आर्थिक लाभ भी बढ़ गया है। ई-टिकट करवाने वाला हर दूसरा व्यक्ति बीमा का विकल्प चुन रहा है। 8 महीने में 70 फीसदी से अधिक यात्रियों ने टिकट खरीदते समय 35 रुपए बीमा का अतिरिक्त शुल्क आईआरसीटीसी को दिया है। यात्रियों को बीमा कराने की सुविधा केवल ई-टिकट में ही मिलती है। ऐसे में जो यात्री आरक्षण केंद्र से या फिर काउंटर से टिकट खरीदता है, ऐसे यात्रियों को बीमा का लाभ नहीं मिलता। टिकट आरक्षण भवन के प्रभारी डी. भंडारी ने बताया कि आरक्षण केंद्र से टिकट खरीदते समय बीमा का विकल्प यात्रियों को नहीं मिलता। यह सुविधा ई-टिकट में ही मिलता। ऐसे में अब ज्यादातर यात्री ई-टिकट को प्राथमिकता दे रहे हैं।

4 महीने के अंदर करना होता है क्लेम

अगर यात्री किसी हादसे का शिकार हो जाते हैं, तो नॉमिनी को ट्रैवल इंश्योरेंस के तहत मिलने वाले पैसे के लिए ट्रेन एक्सिडेंट के 4 महीने के अंदर क्लेम करना होता है। आईआरसीटीसी की तरफ से मिलने वाले इस इंश्योरेंस को जिस बीमा कंपनी से खरीदा है, उस कंपनी के ऑफिस में जाकर नॉमिनी इसे क्लेम कर सकते हैं। ध्यान देने वाली बात है कि इंश्योरेंस खरीदते समय नॉमिनी का नाम भरना जरूरी होता है। इसके लिए 35 रुपए अतिरिक्त देना होता है, जिससे इस ट्रैवल इंश्योरेंस को क्लेम करने में नॉमिनी को कोई दिक्कत न आए। इसके तहत मौत होने पर 10 लाख, आंशिक तौर पर स्थायी विकलांग होने पर 7.5 लाख, 2 लाख घायलों को दिए जाने का प्रावधान होता है।

बारिश की बीमारियों से निपटने 10 करोड़ की दवाओं का इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बारिश के दौरान होने वाली जलजनित बीमारियों और zसर्पदंश और डॉग बाइट जैसी समस्याओं से निपटने के लिए लगभग 10 करोड़ की दवाओं का इंतजाम किया गया है। दवा कार्पोरेशन के अफसरों का दावा है कि वेयर हाउस में एक लाख एंटी स्नैक और डेढ़ लाख एंटी रैबीज वेक्सीन और दो करोड़ के ओआरएस तथा जिंक टेबलेट की व्यवस्था की गई है। पिछले दिनों स्वास्थ्य मंत्री ने बारिश के पहले आवश्यक दवाओं की सप्लाई तमाम अस्पतालों और दूरवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों तक करने के निर्देश दिए थे। स्वास्थ्य केंद्रों से आने वाली डिमांड के साथ सीजीएमएससी की टीम अपनी व्यवस्था के तहत वहां दवाओं की खेप पहुंचाने का काम जिलों के वेयर हाउस के माध्यम से कर रही है। जहां सर्पदंश की घटनाएं अधिक होती हैं, वहां अधिक मात्रा में एंटी स्नैक वैक्सीन भेजा जा रहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक एंटी रैबीज वैक्सीन की आपूर्ति की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि एक लाख एंटी स्नैक और डेढ़ लाख एंटी रैबीज वेक्सीन उनके वेयर हाउस में मौजूद है। उल्टी-दस्त की समस्याओं से निपटने के लिए डेढ़ करोड़ का ओआरएस पावडर और उतनी ही संख्या में जिंक की टेबलेट रखी गई है। डायरिया की समस्या से निपटने के लिए लगभग तीन करोड़ की मेट्रोनिडाजोल आईवी नामक एंटीबायोटिक दवा की खरीदी की गई है।

129 दवाइयों का टोटा

स्वास्थ्य संस्थाओं की निरंतर उपलब्धताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा ज्यादा खपत वाली 142 तरह की दवाइयां और 52 कंज्यूमेबल ड्रग का तीन माह का स्टाक सीजीएमएससी के वेयर हाउस में रखने के निर्देश हैं। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में केवल 14 तरह की दवाएं स्टॉक में है और 129 दवाओं जिनमें ओमोप्रोजाल, पैरासीटामाल, डायक्लोफोनिक जैसे दवाओं का स्टॉक शून्य है।

निर्देश दिए गए

सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं का अतिरिक्त स्टॉक रखने को कहा गया है, ताकि बारिश के दौरान किसी भी तरह की दिक्कत ना हो। स्वास्थ्य केंद्रों को भी अतिरिक्त डिमांड भेजने कहा गया है।
- डॉ. के तुर्रे, उपसंचालक, स्वास्थ्य विभाग

पर्याप्त इंतजाम

रायपुर जिले के तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं का पर्याप्त इंतजाम किया गया है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी के मुताबिक सभी स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे दवाओं का पर्याप्त स्टॉक अपने पास रखे। किसी तरह की बीमारियों की ज्यादा शिकायत आने पर मामले की रिपोर्ट मुख्यालय स्तर पर करें। सीएचसी लेबल में एंटी रैबीज और एंटी स्नैक वैक्सीन के साथ डायरिया, बुखार सहित अन्य आवश्यक दवाओं का स्टाक रखा गया है।

क्रिकेट खेलने के विवाद पर मारपीट में घायल छात्र कोमा में, पुलिस ने 10 नाबालिगों का पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में क्रिकेट मैच खेलने के दौरान विवाद के चलते किशोर पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने 10 नाबालिगों को पकड़कर कोर्ट में पेश कर माना बाल संप्रेक्षण गृह में दाखिल किया है। मारपीट में घायल किशोर कोमा में है, जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने नाबालिगों को सीसीटीवी फूटेज के आधार पर तथा सोशल मीडिया में बनाकर डाली गई रील के आधार पर गिरफ्तार किया है।

- लड़कों ने किशोर की हत्या करने की नीयत से बैट, रॉड, स्टंप से हमला किया
- मैदान पर कांच की बोतल फोड़ने, गड्ढा करने से मना करने पर आक्रोषित हुए थे लड़के

पुलिस के मुताबिक टिकाराम पटेल की शिकायत पर उनके बेटे पर जानलेवा हमला करने के आरोप में 10 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। टिकाराम ने पुलिस को बताया है कि वह रजबंधा मैदान में संचालित एक मेडिकल स्टोर्स में काम करता है। शनिवार को वह दुकान पर था। शाम के समय घायल लड़के के दोस्तों ने टिकाराम को कॉल कर घटना की जानकारी दी। घायल किशोर के दोस्तों ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को वो मलसाय तलाब के पास क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान मैदान पर कुछ लड़के आ गए और कांच की बोतल फोड़ने के साथ मैदान पर गड्ढा करने लगे। इस पर घायल लड़के ने मैदान पर बोतल फोड़ने तथा गड्ढा नहीं करने की समझाइश दी।

क्रिकेट खेलने के विवाद पर झगड़ा, किशोर को घेरकर बेहोश होने तक पीटा

ग्रुप बनाकर किया हमला

घायल किशोर के दोस्तों ने पुलिस को बताया है कि मैदान पर विवाद करने वाले लड़के उन्हें देख लेने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। इसके बाद जब वो लौट रहे थे, इसी दौरान विवाद करने वाले लड़के उनके पास पहुंचे। सभी अपने हाथ में बल्ला, स्टंप, लोहे की रॉड तथा सायकल चेन, ट्यूब लाइट रखे थे। इसके बाद लड़के संभल पाते, इसके पूर्व उन्होंने उन पर हमला कर दिया। मारपीट की घटना में एक किशोर के गंभीर रूप से घायल होने के साथ एक लड़के का हाथ टूटा है और दो तीन लड़कों को चोटें आई हैं।

एनएसयूआई से लेकर एबीवीपी तक नीट की सीबीआई जांच पर अड़े छात्र

- दोनों छात्र संगठनों ने लगाया नीट में घोटाले का आरोप
- कहा, एक ही सेंटर से थोक में टॉपर्स का होना संदेहास्पद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नीट में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर छात्र संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। इस मामले में एनएसयूआई और एबीवीपी दोनों ही छात्र संगठनों ने सीबीआई जांच की मांग की है।

छात्र संगठनों द्वारा सोमवार को कलेक्टोरेट कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर नीट रद्द करने और परीक्षा दोबारा आयोजित किए जाने की मांग की गई है। छात्र संगठनों द्वारा पृथक-पृथक रूप से मुलाकात करके अपनी मांग रखी गई। छात्रों ने परीक्षा संबंधित कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरतने का आरोप लगाया है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। अमित शर्मा ने कहा कि नीट में गड़बड़ी मामले की जांच पूरी तरह से सीबीआई को सौंपा दिया जाना चाहिए।

छात्रों का कहना है कि नीट परीक्षा में 67 स्टूडेंट्स को 720 में से 720 अंक दिए गए। यह अविश्वसनीय घटना है। बड़ी बात ये है कि हरियाणा के एक ही परीक्षा केंद्र से कई बच्चों को 720 में से 720 अंक मिले हैं। ओएमआर शीट के अनुसार कई छात्रों को जितने अंक मिलने चाहिए, उससे काफी कम या काफी ज्यादा अंक दे दिए गए हैं।

थोक में दिए गए ग्रेस अंक

एबीवीपी के अन्वित दीक्षित ने कहा, नीट यूजी परीक्षा की प्रक्रिया एवं परिणाम की शीघ्र जांच होनी चाहिए। परीक्षा के आयोजन और परिणाम में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए ताकि छात्रों का विश्वास बहाल हो सके। नीट-यूजी परीक्षा परिणाम में पाई गई गड़बड़ियों जैसे, 1500 विद्यार्थियों को ग्रेस अंक देना यह सही नहीं है। पूर्व में जब सीबीएसई ने परीक्षा कराई तब हमें ऐसी चीजें देखने को नहीं मिलती थी, इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

67 छात्रों को मिले हैं पूरे अंक

वहीं अभाविप के महानगर सहमंत्री सुजल ने कहा, परीक्षा के आयोजन के दिन ही देश के अलग-अलग हिस्सों में गड़बड़ियां सामने आईं थी तथा अलग-अलग स्थानों पर सॉल्वर पकड़े गए। 67 अभ्यर्थियों का 720 में से 720 अंक आना भी सभी को आश्चर्यचकित कर देता है तथा एनटीए के ऊपर प्रश्न चिन्ह भी खड़ा करता है। परीक्षा शुरू होने के 45 मिनट बाद मालूम पड़ता है कि प्रश्न पत्र गलत वितरण हुए है, इस धांधली के चलते 2 अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली है। नीट के परिणाम भी तय समय से 10 दिन पूर्व 4 जून को घोषित किए जाते हैं, जब देशभर की मीडिया लोकसभा चुनाव के परिणाम में व्यस्त होती है। 4 जून को परिणाम घोषित करना यह साफ दर्शाता है कि ब्यूरोक्रेसी में बैठे लोगों ने इस धांधली को छुपाने का पूर्ण प्रयास किया है।

बिजनेस साइट

मिरैकल्स क्लीनिक में स्वर्णप्राशन संस्कार हुआ

रायपुर। शंकर नगर चौपाटी स्थित मिरैकल्स पाईल्स एंड डेंटल क्लीनिक में 10 जून सोमवार को पुष्य नक्षत्र के दिन स्वर्णप्राशन संस्कार कराया गया। स्वर्णप्राशन संस्कार जैसा नाम स्वर्ण अर्थात शोधित स्वर्ण एवं जड़ीबूटियों के अर्क से निर्मित लेह है, जो बच्चों को पुष्य नक्षत्र में पान कराया जाता है।

मिरैकल्स क्लीनिक की संचालक डॉ. पिंकी चौरसिया ने बताया कि स्वर्णप्राशन कराने से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, साथ ही बच्चों में शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। लगातार स्वर्णप्राशन कराने से बार-बार होने वाले सर्दी, बुखार से बच्चों को बचाया जा सकता है। स्वर्णप्राशन आज

कुल 32 बच्चों का क्लीनिक में कराकर कार्ड वितरित किया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह बहुत सुरक्षित विधि है। यह स्वर्णप्राशन पुष्य नक्षत्र में कराया जाता है। प्रत्येक माह में एक दिन पुष्य नक्षत्र होता है। जुलाई में दिनांक 04 जुलाई को आने वाले पुष्य नक्षत्र हेतु पंजीयन कराकर बच्चों की स्वास्थ्य की ओर कदम बढ़ाये।

सुधांशु झा ने बढ़ाया कोलंबिया ग्लोबल स्कूल का गौरव

रायपुर। कोलंबिया ग्लोबल स्कूल के लिए एक और गौरव का क्षण आया। स्कूल के सुधांशु झा ने प्रतिष्ठित जेईई एडवांस्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होकर एक अद्वितीय उपलब्धि हासिल की है।

सुधांशु झा ने अपने कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट शैक्षिक कौशल से यह सफलता प्राप्त की है। जेईई एडवांस्ड परीक्षा, जो भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है, उसमें उत्तीर्ण होना छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस वर्ष की परीक्षा में सुधांशु झा ने अपनी प्रतिभा और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए पी डब्ल्यू डी केटेगरी में 25 वां रैंक प्राप्त किया।कोलंबिया ग्लोबल स्कूल के डायरेक्टर रविंदर सिंह हूरा और प्राचार्य आइवन स्मिथ ने जेईई एडवांस्ड परीक्षा में उत्तीर्ण पर सुधांशु झा की सराहना की।

पैरामेडिकल का एक वर्षीय पाठ्यक्रम शासकीय सेवा से वंचित हो रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में विभिन्न विषयों के लिए संचालित एक वर्षीय पैरामेडिकल कोर्स को पूरा करने वाले छात्र केंद्र की शासकीय सेवा से वंचित हो रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों में दो वर्षीय पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र मांगा जाता है जिसकी सुविधा यहां नहीं है।

जानकारी के अनुसार राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों निजी हेल्थ इंस्टीट्यूट में विभिन्न विषयों पर पैरामेडिकल कोर्स का संचालन किया जाता है। सूत्रों का कहना है कि यहां एक वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद लोगों को प्रमाणपत्र दे दिया जाता है जिसका लाभ राज्य में के शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थानों में नौकरी प्राप्त हो सकती है। केंद्रीय स्तर के संस्थान जैसे रेलवे हास्पिटल, एम्स, सीएसआईसी सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में पैरामेडिकल के दो वर्षीय पाठ्यक्रम को मान्य किया जाता है। पैरामेडिकल संघ से जुड़े छात्रों का कहना है कि राज्य में पैरामेडिकल के विषयों को बढ़ाने के साथ यहां दो वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करना चाहिए। संघ के अध्यक्ष नरेश साहू का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को छात्रहित में इसका फैसला लेना चाहिए।

काउंसिल में पंजीयन के लिए आवेदन

पैरामेडिकल के अलावा बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरुष) एवं कम्युनिटी मिडवाइफरी की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों को संबंधित काउंसिल में पंजीयन दिया जा रहा है।

शपथ ग्रहण समारोह आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ एसोसिएशन ऑफ रियलटर्स द्वारा संस्था की नई कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह होगा। यह कार्यक्रम रायपुर स्थित मेरियाट होटल में 11 जून को शाम 4 बजे शुरू किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 300 से ज्यादा रियल स्टेट से जुड़े लोग शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने रियल स्टेट के जाने माने ट्रेनर मोटिवेशनल गुरु अभिजीत भागवत गुजरात से आ रहे हैं।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 11 जून 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

अधिकतर छात्रों ने दसवीं के बाद से ....

एजूकेशन अपडेट

पीएससी नहीं बदलेगा तारीख पूर्व तिथियों में ही मेंस के पर्चे

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि उनके द्वारा मुख्य परीक्षाओं की तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। पूर्व निर्धारित तिथियों में ही उनके द्वारा मुख्य सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। दरअसल कुछ अभ्यर्थियों द्वारा पीएससी को खत लिखकर मांग की गई थी कि वन सेवा भर्ती परीक्षा और मध्यप्रदेश प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा भी एक ही दिन है। अभ्यर्थियों की इस मांग पर पीएससी ने कहा है कि उनके द्वारा मध्यप्रदेश पीएससी की तारीखों को देखते हुए अपनी तारीखों की घोषणा की गई थी। मप्र पीएससी की तारीखों में बाद में बदलाव किए जाने के कारण यह टकराव हो रहा है। चूंकि सीजी पीएससी द्वारा पहले ही पूरी तैयारियां की जा चुकी हैं और जिला स्तर पर सभी दिशा-निर्देश संबंधित खत प्रेषित किए जा चुके हैं, इसलिए तारीखों में परिवर्तन संभव नहीं है। सीजी पीएससी की मुख्य परीक्षाएं 24 से 27 जून तक आयोजित की जाएंगी। इसके पूर्व प्रारंभिक परीक्षाएं 11 फरवरी को आयोजित की गई थी। गौरतलब है कि पीएससी 17 विभागों के अंतर्गत 242 पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा आयोजित कर रहा है। विस्तृत जानकारी पीएससी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

छात्रावास अधीक्षक के लिए दस्तावेज सत्यापन 13 को

राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में छात्रावास अधीक्षक एवं छात्रावास अधीक्षिका के पदों पर अभ्यर्थियों का छठवें चरण का दस्तावेज सत्यापन 13 जून को प्रातः 9:30 बजे से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, विधान सभा रोड में किया जाएगा। दस्तावेज सत्यापन के लिए संबंधित अभ्यर्थियों को एसएमएस और व्हाट्सऐप पर भी सूचना भेजी जा रही है। कट ऑफ मार्क्स संचालनालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। उक्त चरण में रिक्त पदों के विरूद्ध 3 गुना अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया है। अभ्यर्थी अद्यतन जानकारी के लिए संचालनालय की वेबसाइट **https://cgiti.cgstate.gov.in** पर जा सकते हैं।

कम स्कोर पर बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस समेत अन्य कोर्स चुनकर बन सकते हैं डॉक्टर

610 से अधिक स्कोर पर शासकीय महाविद्यालय में एमबीबीएस सीट, इससे कम अंक पर होगी होम्योपैथी और आयुर्वेद में एंट्री

नीट का रिजल्ट जारी होने के बाद मेडिकल के क्षेत्र में भविष्य बनाने के इच्छुक छात्र अंकों के आधार पर एम्स से लेकर प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन की संभावनाएं तलाश रहे हैं, लेकिन ऐसे स्टूडेंट्स जिन्हें कम स्कोर के कारण अब एमबीबीएम में प्रवेश नहीं मिल सकता है, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। स्टूडेंट्स बीडीएस या फिर आयुष कोर्स के लिए होने वाली काउंसिलिंग में भी किस्मत आजमा सकते हैं।

610 से अधिक स्कोर पर मिल जाएगा रायपुर मेडिकल कॉलेज

रायपुर। इस बार देश में 24 लाख 6 हजार 79 विद्यार्थियों ने नीट एग्जाम दिया था। इसमें से 13 लाख 16 हजार 268 ने यह एग्जाम क्वालीफाई किया, जबकि देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट करीब 1 लाख ही है। इसमें 52 हजार 218 सीट सरकारी कॉलेजों की है। हरिभूमि ने शहर के नीट के विशेषज्ञों से बातचीत की और जानने का प्रयास किया कि कम स्कोर करने वाले स्टूडेंट्स के पास मेडिकल क्षेत्र में पढ़ाई करने कितने मौके और भी हैं? नीट परीक्षा के एक्सपर्ट योगेश सोनी ने बताया कि नीट की रैंकिंग के आधार पर आसार लगाए जाए जा रहे हैं कि रायपुर के पं. जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज में 610 से अधिक स्कोर करने वाले छात्रों को ही एमबीबीएस करने का मौका मिलेगा। 600 स्कोर करने वालों को अंबिकापुर या फिर जगदलपुर में भी सीट मिल सकती है।

137 अंक पर 7 मेडिकल क्षेत्र में जा सकते हैं स्टूडेंट्स

नीट के रिजल्ट जारी होने के बाद स्टूडेंट्स अब मेडिकल क्षेत्र में जाने कॅरियर काउंसलर से मार्गदर्शन लेने पहुंच रहे हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक कम स्कोर वालों के पास कॉलेज में प्रवेश के लिए बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस व बीयूएएमएस और फिजियोथेरेपी, बायो टेक्नोलॉजी के अलावा फार्मास्युटिकल सहित 7 विकल्प है। इन कोर्स के जरिए मेडिकल में एंट्री ली जा सकती है। सरकारी कॉलेज में बीडीएस में कम सीट होने से कंपीटिशन ज्यादा रहता है, लेकिन बाकी के कोर्स में नीट में आए क्वालिफाई 137 अंक पर प्रवेश मिलता है। फिजियोथैरेपी कोर्स की मांग अब बढ़ रही है। स्टूडेंट्स महानगरों में भी बायो टेक्नोलॉजी और बायो इंफॉर्मेटिक्स के कई प्राइवेट विश्वविद्यालय में बीटेक कर सकते हैं।

2 बार ड्रॉप ले चुके स्टूडेंट्स के लिए बायो कोर्स में दर्जनों मौके

नीट एक्सपर्ट व करियर काउंसलर डॉ.केएल शर्मा के अनुसार, कम स्कोर के बाद भी न तो ड्रॉप लेना चाह रहे हैं और न ही कॅरियर से समझौता करने को तैयार हैं, तो वे एमबीबीएस के अलावा मेडिकल के दूसरे कोर्स करते हुए भी डॉक्टर बन सकते हैं। इसमें बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी, बीएससी नर्सिंग, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बीएससी साइकोलॉजी, न्यूट्रिशन डायटेटिक्स समेत दर्जन से अधिक कोर्स है जिसमें नीट के 200 तक कम स्कोर से काउंसलिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा। बायो से जुड़े कई कोर्स में अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है। एक्सपर्ट का कहना है कि एक से दो बार ड्रॉप ले चुके स्टूडेंट्स को इन विकल्पों पर विचार करते हुए एडमिशन ले लेना चाहिए।

किर्गिस्तान में 50 स्कोर पर एडमिशन

एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए बड़ी संख्या में भारतीय छात्र रूस, यूक्रेन जैसे देशों में एमबीबीएस करने जाते हैं। इसमें किर्गिस्तान भी सस्ती और अच्छी मेडिकल की पढ़ाइ के लिए जाना जाता है। जानकारों के मुताबिक, किर्गिस्तान में एमबीबीएस कोर्स एक साल की अनिवार्य इंटर्नशिप के साथ छह साल का है। एमबीबीएस में एडमिशन के लिए नीट यूजी स्कोर जरूरी है। नीट यूजी का मिनिमम स्कोर 50 परसेंट के बीच होना चाहिए साथ ही 12वीं, पीसीबी में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ पास होना अनिवार्य है।

400 से 500 स्कोर पर होम्योपैथी और आयुर्वेद में मौका

नीट में जिन स्टूडेंट्स का स्कोर 400 से 500 तक है, उनके पास भी होम्योपैथी और आयुर्वेद में डॉक्टर बनने के विकल्प मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ में 500 से 550 तक के स्कोर में होम्योपैथी में सीट मिल सकती है। इसी तरह 400 से 450 के बीच आयुर्वेद और 350 में फिजियोथेरेपी में सीट मिलने की पूरी संभावना है। एक्सपर्ट का कहना है कि एमबीबीएस नहीं मिलने पर स्टूडेंट्स इन क्षेत्रों में जाकर भी अच्छे डॉक्टर बनकर अपनी कॅरियर संवार सकते हैं। प्रदेश में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज है, जिसमें सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है। एक्सपर्ट का कहना है कि सीटों की संख्या बढ़ने से इस बार कट ऑफ भी बढ़ेगा। हालांकि कुछ राज्यों में होम्योपैथी में दाखिले के लिए संस्थागत स्तर पर भी परीक्षाएं होती हैं।

सिटी इवेंट

40 पार में भी खेल के लिए दिखा जोश, जीतने लगाया दम

रायपुर। माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्लब हाउस, वॉलफर्ट हाइट्स भाठागांव में सभी प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस अवसर पर बच्चों पुरुष एवं महिला के लिए प्रतियोगिताएं रखी गई थी, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता के अलावा अन्य सभी वर्ग के लिए कैरम, शतरंज, बैंडमिंटन एवं टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं रखी गई थीं। माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष निलेश मुंधड़ा एवं सचिव जयंत मोहता ने बताया, बड़ों ने जहां खेल में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया तो वहीं बच्चों ने ड्राइंग और पेंटिंग के जरिए पर्यावरण तथा इससे संबंधित मुद्दों को सामने रखा। कार्यक्रम के प्रायोजक शिवरतन सादानी, सुरेश बागड़ी, नंदकिशोर गिरिराज, शरदचंद्र सुरेशचंद्र रहे।

दिमाग के दौड़ाए घोड़े

40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए भी खेल प्रतियोगिता रखी गई। कम आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं में तो उत्साह दिखा ही, साथ ही अधिक आयु वर्ग के लिए रखी गई प्रतियोगिताओं में भी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाओं ने अधिक आयु वर्ग के लिए रखी गई स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और जीत के लिए अपना जोर लगाया। अन्य खेलों में जहां अपना शारीरिक दम-खम दिखाया तो वहीं शतरंज में दिमागी घोड़ दौड़ाते हुए नजर आए। अपने दोस्तों को भी लोग चियर करते नजर आए। परिवार के सदस्य भी अपनों का हौसला बढ़ाने पहुंचे रहे। प्रतिस्पर्धा की जगह उत्सव सा माहौल प्रतियोगिता में नजर आया।

पुरुष में धैर्य महिला में राशि विजेता

कैरम पुरुष सिंगल में धैर्य सारडा, श्रीकांत कलंत्री और निलेश जाजू विभिन्न आयु वर्ग में विजेता बने। कैरम महिला सिंगल में राशि मल और सविता केला विजेता रहीं। इसी तरह से कैरम डबल में राहुल राठी, राज बागड़ी और आरव मूंधड़ा विजेता रहे। शतरंज पुरुष में चरित चांडक, निशांत मूंधड़ा और संजय मोहता विजेता रहे। शतरंज महिला में श्रिया राठी और वृंदा राठी ने बाजी मारी। टेबल टेनिस पुरुष में यश मोहता, गौरव बागड़ी तथा टेबल टेनिस महिला में अदिति राठी और काव्य बागड़ी ने अपने मैच जीते। अन्य खेलों के विजेता भी मंडल ने घोषित किए। ड्राइंग एंड पेंटिंग में छोटे बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। 5 से 8 आयु वर्ग में प्रथम स्थान पर प्रियांशी लखोटिया तथा द्वितीय स्थान पर काशिका बागड़ी रही। इसी तरह 8 से 12 आयु वर्ग में नायशा लखोटिया और पुनीत चांडक ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जुटे जेएन पांडेय स्कूल के 1978-79 बैच के छात्र

याद आया राजधानी का पुराना स्वरूप, बंद हो चुके टॉकीज की यादों ने किया भावुक

रायपुर। राजधानी स्थित गवर्मेंट स्कूल के 1978-79 बैच के स्टूडेंट्स ने एकत्रित होकर अपनी 45 वर्ष पुरानी दोस्ती की यादें ताजा की। उन्होंने वर्षों पूर्व बीती स्मृतियों को सहेजा। कुछ छात्र तो एक-दूसरे से 45व र्षों के बाद मिलकर भावुक हो उठे। मिलन समारोह में रायपुर के साथ ही दुर्ग, धमतरी,के भी पूर्व छात्र सपरिवार शामिल हुए। होटल एम्बेसडर में यह मिलन समारोह रखा गया था। पूर्व छात्रों ने बताया, राजधानी के गवर्नमेंट स्कूल को अब जेएन पांडेय शासकीय स्कूल के नाम से जाना जाता है। कई बातें साझा करने के साथ आपस में पुराने दिन, पुरानी यादें ताजा हो रही थी। एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक का सिलसिला चलने लगा। छात्रों ने अपने गुरुजनों, पुराने किस्से-कहानियों, रायपुर के पुराने स्थलों, पुराने टॉकीज, उस जमाने की फिल्मों की बातें यादें की।कई यादों ने लोगों को भावुक कर दिया। उपस्थित बच्चों ने अपने परिजनों की इस 45 वर्ष पुरानी दोस्ती से प्रेरणा लेकर अपनी दोस्ती को भी इसी तरह अविस्मरणीय बनाने का वादा किया।

छत्तीसगढ़ी प्रहसन ने हंसाया

पुराने गाने गाकर भी पुराने माहौल को वापस संजोया। सर्वप्रथम सभी दोस्तों के अलावा उनके बच्चों ने भी अपना परिचय दिया। मिलन समारोह में डॉ.दिनेश मिश्र, जुगल किशोर सिन्हा, शैलेंद्र रिछारिया, राजेंद्र पाटिल,अविनाश शुक्ला, दिलीप वर्मा, विजय श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, श्यामलाल रावत,योगेश भावे, राजेश पांडे, निर्मल प्रजापति, मोहम्मद शकील, अनूप बाजपेयी, अरुण सक्सेना,गिरधारी अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अप्पा राव, सुनील गवाई सहित सभी के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे। कई साथियों ने बेहतरीन संगीत की प्रस्तुतियां दीं। कल्पना सिन्हा ने छत्तीसगढ़ी प्रहसन द्वारा तथा अविनाश शुक्ल ने स्कूल के दिनों के पुराने संस्मरणों को याद‌कर सभी को ठहाके लगाने पर मजबूर किया।

योग पर स्लोगन स्पर्धा, इसके जरिए उजागर करेंगे महत्ता

रायपुर। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के तत्वाधान में योग दिवस के उपलक्ष्य में योग पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी, महासचिव बलराम आहूजा व प्रवक्ता सुभाष बजाज ने बताया, उपरोक्त अयोजन के पोस्टर का विमोचन पंचायत के प्रदेश कार्यालय में संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य समाज में योग की महत्ता को उजागर करना है। इस प्रतियोगिता में 10 सर्वश्रेष्ठ स्लोगन को पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा आकर्षक उपहार से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में सभी उम्र के लोग भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता के परिणाम 19 जून को शाम 7 बजे घोषित किए जाएंगे तथा पुरस्कार वितरण 20 जून शाम 5 बजे श्याम नगर स्थित पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के कार्यालय में होगा। प्रतियोगिता के संयोजक तनेश आहूजा, अनिल जोतसिंघानी तथा आयोजक जीवत बजाज, कैलाश खेमानी, नत्थूलाल धनवानी व अनय हैं।

एनआईटी में एथिकल हैकिंग और डिजिटल फॉरेंसिक पर पांच दिवसीय बूटकैंप

नेटवर्क के माध्यम से कंप्यूटर प्रवेश करते हैं वायरस, इनके द्वारा की जाती है हैकिंग, सुरक्षित सॉफ्टवेयर का होना जरूरी

कार्नर न्यूज

रायपुर। एनआईटी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एथिकल हैकिंग और डिजिटल फॉरेंसिक विषय पर पांच दिवसीय बूटकैंप का उद्घाटन किया गया। इस बूट कैंप का आयोजन 10 जून से 14 जून तक किया जाएगा। इस बूटकैंप का उद्देश्य साइबर सुरक्षा में रुचि रखने वालो को एथिकल हैकिंग और डिजिटल फॉरेंसिक के कौशल से अवगत करना है, जिससे वे एक पेशेवर साइबर सुरक्षा और डिजिटल फॉरेंसिक कॅरियर के लिए तैयार हो सकें। डॉ. भारद्वाज ने साइबर सुरक्षा पर आधारित इस पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी, जिसमें उन्होंने वर्तमान में साइबर अपराध में तेजी से वृद्धि और इन खतरों का मुकाबला करने के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पांच दिवसीय पाठ्यक्रम में शामिल महत्वपूर्ण विषयों जैसे साइबर क्राइम लैंडस्केप, एथिकल हैकिंग, क्रिप्टोग्राफी और हैशिंग तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से प्रतिभागियों को सिस्टम, डेटा की सुरक्षा और साइबर खतरों के प्रभावी ढंग से रोकथाम के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक कौशल प्राप्त होंगे। एनआईटी के प्रभारी निदेशक डॉ. आरके त्रिपाठी, डीन अकादमिक डॉ. श्रीश वर्मा, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी डॉ. प्रभात दीवान और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया शामिल रहे।

डेटा चोरी को रोकना अहम

डॉ. सिसोदिया ने हमारे दैनिक जीवन में कंप्यूटर सिस्टम और मोबाइल उपकरणों के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हमें टेक्नोलॉजी का प्रयोग सही दिशा में करना चाहिए। उन्होंने सभी से सुरक्षित तकनीक का उपयोग करने कहा और बताया कि इस जटिल समस्या से साइबर क्राइम एजेंसी भी चुनौतियों का सामान कर रही है। इसके बाद, डॉ. दीवान ने आज के तेजी से विकसित होते डिजिटल युग में मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि साइबर सिक्योरिटी को मजबूत बनाना जरूरी है ताकि डेटा ग्लिच व डेटा की चोरी से बचा जा सके। डॉ. वर्मा ने 1994 से लेकर अब तक प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों पर चर्चा की, जिसमें फॉरेंसिक तकनीकों के विकास का भी जिक्र उन्होंने किया। उन्होंने कहा, यह आज सालेन की सर्किट और नॉर्टन डिस्क डॉक्टर से लेकर वर्तमान समय के उन्नत डिजिटल फॉरेंसिक्स तक पहुंची चुकी हैं। डॉ.आरके त्रिपाठी ने डेटा और मोबाइल उपकरणों को हैक करने के तरीकों को समझने के महत्व पर जोर दिया, ताकि ऐसा होने से रोका जा सके। पहले दिन तीन सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें कंप्यूटर नेटवर्क, ऑपरेटिंग सिस्टम और फाइल सिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान डॉ. भारद्वाज ने बताया कि वायरस अक्सर नेटवर्क के माध्यम से ही कंप्यूटर में प्रवेश करते हैं, जिसके द्वारा हैकिंग की जाती है, इसलिए एक अच्छे और सुरक्षित नेटवर्क का होना बहुत जरूरी है।

धर्म लाइव

शहीदी दिवस पर मीठे शरबत का वितरण, सेवा की सीख

रायपुर। सिख पंथ के पांचवें गुरु श्री अर्जुन देव के शहादत दिवस पर छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल द्वारा मीठे व ठंडे शरबत संग चने के प्रसाद वितरण किया गया। सिख समाज ने कहा, देश और धर्म की रक्षा के लिए सिख समाज की कुर्बानियां अनगिनत हैं। पांचवें गुरु की शहादत अग्रिम पंक्ति से आरंभ होती है। उनकी बढ़ती लोकप्रियता और धार्मिक गतिविधियों से घबराकर उन्हें यातनाएं देकर शहीद किया गया। तेज गर्मी में तपती दुपहरी में गर्म तवे, जिसके नीचे आग जल रही थी उस पर बैठाकर फिर ऊपर से गर्म गर्म रेत डालकर शहीद किया गया। गुरुजी तेरा भाना मिट्ठा लागे और सतनाम वाहेगुरुजी का जाप करते हुए मानवता की रक्षा के लिए शहीद हो गए। इस दिवस को नमन करते हुए सिख समाज ठंडे और मीठे शरबत का वितरण कर संदेश देते हैं।

राहगीरों को पिलाया ठंडा शरबत

शब्द कीर्तन से राजधानी रायपुर के गुरुद्वारे गूंज उठे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लंगर का प्रसाद चखा। संगत ने छबील सेवा में योगदान दिया। इसी कड़ी में रामगढ़िया सेवक सभा एवं महिला विंग द्वारा रविवार को विवेकानंद आश्रम रोड में सभी राहगीर को ठंडे मीठे पानी का शर्बत पिलाया गया, जिसमें समाज के सभी लोगों ने सेवा दी। जयस्तंभ चौक में छग सिख काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, महासचिव गगनदीप सिंह हंसपाल, भूपेंद्र सिंह मक्कड़, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र छाबड़ा, सच्चिदानंद उपासने, सुरजीत सिंह छाबड़ा, अमरजीत सिंह संधू, अवतार बागल, विनय शर्मा, बिहारी होतवानी सहित सिख समाज और अन्य सभी समाज के प्रमुखजन भी उपस्थित रहे।

कैंपस लाइव

सामाजिक अध्ययन पद्धति जानने जुटे देशभर के शिक्षक

रायपुर। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में 10 जून 2024 से सामाजिक विज्ञान विषय के नवनियुक्त प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें केंद्रीय विद्यालय संगठन के पटना, हैदराबाद, कोलकाता एवं रायपुर क्षेत्रीय संभाग के 64 शिक्षक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का आरंभ केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय संभाग के सहायक आयुक्त रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में हुआ। उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों से सामाजिक विज्ञान विषय की अध्यापन पद्धति पर अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। शिक्षकों को इस दौरान बताया गया कि किस तरह से वे नवीन तकनीकों का प्रयोग अपने शिक्षण में कर सकते हैं। उन्हें बेहतरीन शिक्षण कार्य के लिए प्रेरित किया गया।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा से परिचित होना अनिवार्य

केन्द्रीय विद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य एसआर कुजूर, केंद्रीय विद्यालय बीकानेर के प्राचार्य उम्मेद सिंह सहित संसाधक के रूप में केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के टीएल साहू एवं केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 की रीतु जैन इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने विशिष्ट अनुभवों की सेवाएं दे रहे हैं। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार चंद्राकार ने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों और अतिथियों को पाठ्यक्रम की रूपरेखा से परिचय कराया। इसके साथ सामाजिक विज्ञान विषय शिक्षण की बारीकियों पर चर्चा की गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 जून तक जारी रहेगा।

एजूकेशन अपडेट

व्यापम ने मंडी बोर्ड के लिए फिर से मंगाई दावा-आपत्ति

रायपुर। छग राज्य कृषि विपणन अर्थात मंडी बोर्ड के अंतर्गत सहायक संचालक, सचिव वरिष्ठ और सचिव कनिष्ठ भर्ती परीक्षा के मॉडल उत्तर व्यापम द्वारा एक मार्च को प्रदर्शित किया गया था। अभ्यर्थियों से 4 मार्च तक दापा आपत्ति मंगाई गई थी। अब व्यापम ने इसके लिए पुनः दावा आपत्ति मंगाई है। व्यापम के मुताबिक, दावा-आपत्ति आमंत्रण का लिंक तकनीकी कारणों से निर्धारित समय के पूर्व समाप्त हो गया था। इसके कारण कुछ अभ्यर्थी द्वारा भर्ती परीक्षा में दावा-आपत्ति दर्ज नहीं कर पाए थे। अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर पुनः दावा आपत्ति मंगाने का निर्णय किया गया है। व्यापम द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, उक्त परीक्षा के मॉडल उत्तर पर दावा-आपत्ति व्यापम की वेबसाइट पर दिनांक 12 जून प्रातः 11.00 बजे से 14 जून अपरान्ह 3 बजे तक पुनः आमंत्रित किया जा रहा है। अभ्यर्थी वेबसाइट में प्रदर्शित उत्तरों पर सप्रमाण दावा-आपत्ति अपने व्यापम प्रोफाइल में लॉगिन कर दर्ज करा सकते हैं। डाक एवं स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत की गई दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

पक्ष में पेश करने होंगे दस्तावेज

व्यापम के अनुसार, पूर्व में जो अभ्यर्थी दावा-आपत्ति दर्ज करा चुके हैं, उन्हें पुनः दावा-आपत्ति दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है। पोर्टल पर दावा-आपत्ति के लिए अभ्यर्थी को अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं पासवर्ड डालकर प्रोफाइल में लॉगिन करना होगा और निर्देशानुसार दावा-आपत्ति दर्ज करानी होगी। दावा-आपत्ति दर्ज कराने की विस्तृत प्रक्रिया का मुख्य पृष्ठ पर दी गई है। दावा-आपत्ति को पोर्टल पर पंजीकृत कराने से पूर्व आपत्ति के पक्ष में दिए जाने वाले दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी अपलोडिंग के तैयार रखने के निर्देश व्यापम ने दिए हैं। निर्धारित समय के पश्चात पोर्टल पर प्राप्त दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं होंगे। बिना प्रमाण के दावा-आपत्ति को पूर्णतः अमान्य किया जाएगा।

● आईआईटी मद्रास द्वारा घोषित किए जा चुके हैं जेईई एडवांस के परिणाम, अब होगी काउंसिलिंग

अधिकतर छात्रों ने दसवीं के बाद से ही शुरु की तैयारी, टॉपर्स में कई ड्रॉप आउट भी, कोचिंग के अलावा सेल्फ स्टडी को दी प्राथमिकता

> आईआईटी मद्रास द्वारा जेईई एडवांस के परीक्षा परिणामों की घोषणा की जा चुकी है। नतीजे आने के साथ ही अब काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों ने भी इस बार जेईई में अच्छा प्रदर्शन किया है। पहली बार टॉप-10 में छग के छात्र ने जगह बनाई।

रायपुर। टॉप-10 में जगह बनाने से लेकर बड़ी संख्या में ऐसे छात्र हैं, जिन्होंने अच्छे रैंक हासिल किए हैं और जिनका शीर्ष संस्थानों में प्रवेश तय है। इनमें से अधिकतर छात्रों ने दसवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई शुरू कर दी थी। कई ने अच्छे प्रदर्शन के लिए बारहवीं के बाद ड्रॉप भी लिया। हरिभूमि से विशेष बातचीत में छात्रों ने बताया कि किस तरह से उन्होंने अपनी तैयारियां की।

टॉपर्स ने दिए सवालों के जवाब

परीक्षा परिणाम के बाद शहर स्थित ऐलन कोचिंग सेंटर में टॉपर्स के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कोचिंग के टॉपर्स बच्चों के साथ परिजनों को भी आमंत्रित किया गया। टॉपर्स छात्र सहित उनके परिजनों ने अपनी राय साझा की। सेंटर हेड कुणाल सिंह के मोटिवेशनल स्पीच देते हुए कहा कि जिनका चयन नहीं हुआ है, उन्हें भी कोशिश करते रहनी चाहिए। एडमिनिस्ट्रेशन नितिन मुदगल ने बताया, इस दौरान 300 से अधिक छात्र एवं परिजन शामिल हुए। मुख्य उद्देश्य अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा प्रदान करना था। जहां उत्तम अंक हासिल करने वाले बच्चों ने अपने अनुभव साझा करने के साथ ही अन्य विद्यार्थियों के प्रश्नों के जवाब दिए।

नोट्स महत्वपूर्ण, इसे सावधानी से बनाएं

पूर्वांश जैन, ऑल इंडिया रैंक 2103

- जेईई के लिए बीते दो साल से तैयारी कर रहा। पढ़ाई के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करता था। कोचिंग के दौरान शिक्षकों की बातों को महत्व देना जरुरी है।
- टॉपिक्स याद करने के अपने द्वारा बनाए गए नोट्स को याद करें और बिना देखे लिखने की कोशिश करें। लिखने के कारण जवाब को बड़ी असानी से याद किया जा सकता हैं।
- परीक्षा के दौरान केवल नोट्स और शॉर्ट नोट्स की सहायता से पढ़ना उचित रहता है।

दिलचस्पी होने पर मिलते हैं बेहतर परिणाम

टिया मित्तल, ऑल इंडिया रैंक 2462

- 9वीं कक्षा से ही गणित विषय में अधिक रुचि रही, जिसके कारण जेईई की तैयारी करने का विचार आया। दिलचस्पी होने पर बेहतर परिणाम मिलते हैं।
- परीक्षा की तैयारी के लिए टेस्ट में पूछे गए प्रश्नों को लगातार हल करें, साथ ही अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करते चलें।
- जेईई के लिए प्रत्येक वर्ष नए प्रश्न तैयार किए जाते हैं। इसके लिए हमेशा नए प्रश्नों को पहले से ही हल करते चलें।

माता-पिता बच्चों के मनोभाव को समझें

अभिनव राठौर, ऑल इंडिया रैंक 2759

- 12वीं कक्षा के बाद माता-पिता के कहने पर एक साल ड्रॉप लिया। यह मेरा सेकेंड अटेंप रहा, जिसके लिए मैं बीते कुछ साल से तैयारी कर रहा। कोचिंग आने से पहले रोजाना लगभग 4-5 घंटे गेमिंग करता था, लेकिन अब पढ़ाई में अधिक रुचि है।
- परीक्षा से पहले तनाव मुक्त और सेल्फ मोटिवेटेड होना जरुरी है, जिससे परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र असानी से हल किया जा सकता है।
- परिजनों ने कहा, बच्चों को पढ़ाई के लिए तनाव देना सही नहीं है। बच्चों के अनुसार उन्हें समझते हुए निर्णय लेना चाहिए। बच्चों की मनोस्थिति को जानने के लिए बच्चों से बातचीत करें।

हमेशा अपनी गलतियों से सीखें

भाग्यांश साहू, ऑल इंडिया रैंक-86

- कक्षा 11वीं के साथ ही कोचिंग ज्वॉइन किया। मेंस में अधिक गलतियां हुई थी, जबकि एडवांस अच्छा गया।
- पढ़ाई के दौरान टॉपिक को नोट करते चलें, साथ ही अधिक से अधिक प्रश्नों को हल करके देखें।
- परीक्षा से पहले तीन-तीन घंटे एक स्थान में बैठकर परीक्षा की तैयारी की, ताकि परीक्षा हॉल में एक जगह बैठने का अभ्यास हो सके।
- तनाव होने पर चेस खेला।

तनाव प्रबंधन है आवश्यक

केशव कुमार रामुका ऑल इंडिया रैंक-510

- परीक्षा के नजदीक आते ही तनाव बढ़ने लगा। तनाव होने पर कुछ मिनट मेडिटेशन करने से अच्छा लगता था।
- परीक्षा के दौरान प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन मिनट का वक्त सेट किया। आसान प्रश्नों को पहले और कठिन प्रश्नों को बाद में हल किया।
- पहले फिजिक्स, दूसरे नंबर पर केमिस्ट्री और अंत में मैथ्स के प्रश्नों को हल किया है। परीक्षा के दौरान जिन प्रश्नों को हल करने में अधिक समय लग रहा था, उन्हें लास्ट में हल किया।
- हमेशा महत्वपूर्ण टोपिक्स को हाईलाइट करें। शिक्षकों के मार्गदर्शन के अनुसार ही पढ़ाई करें।
- कठिन प्रश्नों को अपने अनुसार सरल भाषा में लिखें और समझने की कोशिश करें। कठिन प्रश्नों को बार-बार हल करके देखें।
- फिजिक्स में फार्मूले के शॉर्ट नोट्स बनाते चलें।
- अपनी गलतियों में सुधार लाने के लिए एक एरर कॉपी बनाए, जिसमें अपने गलत प्रश्नों को सही तरह से हल करके लिखें।
- परीक्षा में जाने से पहले एरर कॉपी के प्रश्नों को देख कर जाएं, ताकि वह गलती दोबारा ना हो।

गायत्री परिवार के पांच दिवसीय आवासीय शिविर में व्यक्तित्व निर्माण की सीख

शानदार भवन का निर्माण मजबूत नींव से परिवार व समाज का आधारस्तंभ व्यक्ति

रायपुर। 'मनुज देवता बने, बने यह धरती स्वर्ग समान' की भावना से गायत्री परिवार ने बच्चों और युवाओं के व्यक्ति निर्माण के लिए गायत्री प्रज्ञा पीठ कुशालपुर में पांच दिवसीय आवासीय शिविर शुरू किया। इसमें पहले दिन परिवार व समाज निर्माण में बच्चे व युवा कैसे योगदान दे सकते हैं, इस विषय पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि के रूप में जोन समन्वयक आदर्श वर्मा और अध्यक्षता जीएस मंडावी ने अपनी बात उद्बोधन के जरिए रखी। उन्होंने आगे बताया कि जैसे एक शानदार भवन का निर्माण मजबूत नींव से संभव है, उसी प्रकार सुसंस्कारी परिवार एक सभ्य समाज की रचना का आधार बन सकता है। आपके व्यक्तिव निर्माण से परिवार व समाज को बेहतर किया जा सकता है, क्योंकि आप आधारस्तंभ हैं। जिसका व्यक्तित्व निर्माण होता है, वे जिस क्षेत्र अथवा पद पर जाते हैं वहां अपने शानदार व्यक्तित्व एवं कर्तव्य से सुंदर आचार व्यवहार करते हुए समाज को सुवासित करते हैं।

व्यवहार में लाने का प्रयास करें

सदस्य दिलीप पाणिग्रही ने आगे कहा, व्यक्तित्व निर्माण मौलिक कार्य है। गुणों के आधार पर सुखी व सभ्य परिवार तथा समाज निर्माण संभप है। इसे हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए बच्चों व युवाओं को इससे जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें जो बताया जाए, उसे व्यवहार में लाने का प्रयास लोग करें, इसके लिए भी प्रेरित कर रहे हैं।

इन विषयों पर आधारित शिविर

प्रकाश निगम ने बताया, शिविर में मुख्य प्रशिक्षक कुलदीप कृष्ण भारती, भागीदथी सोनकर, मीना ध्रुव, सीताराम विश्वकर्मा, सागर मालाकर, विवेक सुरंगे द्वारा अलग-अलग विषयों की जानकारी दी जाएगी। इसमें सफलता के सूत्र, जीवन का लक्ष्य, कॅरियर निर्माण, बुद्धि बढ़ाने की वैज्ञानिक विधि, व्यक्तित्व निर्माण के सूत्र, स्वाध्याय प्रमुख है। साथ ही तनाव प्रबंधन, कर्मफल का सिद्धांत, व्यस्न मुक्त जीवन, ब्रम्हचर्य का पालन, संस्कारों का विज्ञान, युग निर्माण योजना एवं परिचय, यज्ञ का ज्ञान व विज्ञान जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

एमए इतिहास के परिणाम घोषित प्रथम वर्ष में 85% छात्र उत्तीर्ण

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा सोमवार को इतिहास के प्रथम और अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणामों की घोषणा की गई। प्रथम वर्ष की परीक्षा में 362 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 308 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। वहीं 54 को अनुत्तीर्ण श्रेणी में रखा गया है। परिणाम 85.08 % रहे हैं। इसी तरह एमए इतिहास अंतिम वर्ष की परीक्षा में 257 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 235 छात्र परीक्षा में सफल रहे। जबकि 15 छात्रों को अनुत्तीर्ण घोषित किया गया है। परिणाम 91.44% रहे। इसके अलावा रविवि ने एमए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के नतीजे भी जारी कर दिए हैं। अंतिम वर्ष की परीक्षा में 41 छात्र शामिल हुए। इनमें से 51.22% अर्थात 21 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। 19 छात्र फेल रहे हैं। प्रथम वर्ष की परीक्षा में शामिल 42 छात्रों में से 17 उत्तीर्ण तथा 25 अनुत्तीर्ण रहे हैं। परिणाम 40.48 प्रतिशत रहे हैं। रविवि ने सभी कक्षाओं के नतीजे अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

विश्व योग दिवस के लिए शहर में प्रारंभ हुई तैयारियां

जिम से ज्यादा तरहीज योग को, दूसरों से सीखने की जगह अनुभवी से ले रहे टिप्स, ट्रेंड में यह बदलाव सकारात्मक

कार्नर न्यूज

रायपुर। आने वाले विश्व योग दिवस के लिए शहर में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। तैयारियों को लेकर शहर के विभिन्न योग गुरु से चर्चा की गई। इस दौरान उनसे योग के बदलते स्वरुप की जानकारी ली गई। उनका कहना है कि पहले के मुकाबले आधुनिक समय में लोग योग के प्रति अधिक जागरुक होते नजर आ रहे हैं। योग गुरु भारती माखीजा ने बताया, बीते कुछ सालों में योग के स्वरुप में कई बदलाव देखा जा सकता हैं। पहले एक्सरसाइज के तौर पर योग किया जाता था, लेकिन अब यह जीवन का हिस्सा बन गया है। वर्तमान में लोग योग सीखने के लिए उत्साहित रहते हैं, साथ ही योग के महत्व को समझने लगे हैं। इनमें लोग योग से संबंधिक कई प्रश्न करते है, जो प्रशंसा का विषय हैं। लगातार योग करने से तनाव कम, गुस्सा कंट्रोल, शरीर में फैक्सबिलिटी, थाइराइट और बीपी कंट्रोल और आत्मविश्वास स्तर में बढ़ोत्तरी देखने को मिलती हैं।

योगासन बारीकी से समझ रहे

योग गुरु सुदेशना प्रशांत ने बताया, बीते 15 सालों से योग कर रही हूं। वर्तमान समय में मेरी उम्र 54 साल हैं। 10 साल पहले सेतुबंध आसन और कोणासन की जानकारी नहीं थी, लेकिन अब आसन की जानकारी और उसके लाभ की समझ है। प्रशिक्षण के दौरान शशांक आसन करने की सलाह दी जाती है। इससे तनाव दूर होता है। कार्य में एकाग्रता आती है तथा मन शांत और सकारात्मक होता है। पहले के मुकाबले वर्तमान में लोगों में योग के प्रति जागरुकता अधिक है। वे अब योगासन को बारीकी से समझ रहे हैं।

योग में हो रहे हैं शोध

योग गुरू मुकेश सोनी ने बताया, वर्तमान में लोग प्राणायाम की गहराई को समझने लगे हैं। पहले लोग नहीं समझ सकते थे। कुछ सालों पहले योग प्रशिक्षकों में ज्ञान की कमी थी, लेकिन अब लोग यू-ट्यूब के माध्यम से अनुभवी योग गुरु के टिप्स देख सकते हैं। पहले योग में पीएचडी नहीं थी, जिसके कारण लोग अधिक जागरुक नहीं थे। लेकिन अब लोग योग में शोध कर रहे हैं। पहले बुजुर्गों के लिए योग को समझा जाता था, लेकिन बदलते वक्त के साथ लोग योग के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं। युवाओं में कुछ सालों पहले जिम का क्रेज था, लेकिन अब जिस से अधिक महत्व योग को दिया जाता हैं। कई आसन ऐसे हैं, जो सरल होने के साथ जिम की तुलना में कई अधिक फायदेमंद हैं।

अब नहीं करते देखा-देखी

योग गुरू खेमूराम साहू ने बताया, निरंतर योग से व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, परिवर्तन, शरीर में लचीलापन और नियमित दिनचर्या देखने को मिलता है। पहले दूसरे को देखकर योग करते थे, लेकिन अब अनुभवी व्यक्तियों के अनुसार योग करते हैं। जिससे योग की विधि, फायदे-नुक्सान, प्रभाव की जानकारी होती है। वर्तमान में बताया जाता हैं कि कौन-सा योग कितने वक्त तक करना चाहिए, लेकिन पहले इसकी जानकारी नहीं होती थी। टेक्नोलॉजी के कारण विधिवत रुप से योग किया जाता हैं, जिसमें कई अनुभवी योग गुरु विभिन्न योग के आसन बताते हैं। योग में पढ़ाई व शोध किए जा रहे हैं, जिससे निरंतर कुछ नया सीखने को मिल रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक ताड़ासन, वृक्षासन और सूर्यनमस्कार कर सकते हैं। पहले कई क्रियाओं की जानकारी नहीं थी। अब इसे लोग समझ रहे हैं।

ज्योतिष शास्त्र

ग्रहों के अनुसार घर में लगाएं पेड़, दूर होंगे दोष, लक्ष्मीजी हो जाएंगी प्रसन्न

चिलचिलाती गर्मी, तपती धूप से जल्द ही राहत मिलने वाली है। जून के अंत में कई राज्यों में मानसून आ जाता है। बारिश के मौसम में पेड़ लगाना न सिर्फ पर्यावरण के लिहाज से अच्छा है, बल्कि ये आपके जीवन को भी प्रभावित करता है। शास्त्रों के अनुसार ग्रहों के अनुसार पेड़ लगाने पर कुंडली में उस ग्रह की अशुभता दूर होती है। साथ ही किसी काम में बाधा भी नहीं आती। ग्रह दोष शांत होते हैं। ज्योतिष शास्त्र में हर ग्रह, राशि व नक्षत्र के वृक्ष हैं। इन्हें लगाने से फायदा होता है। जानें ग्रह और नक्षत्र के अनुसार कौन सा पेड़ लगाना शुभफलदायी होगा।

यह पौधे सभी राशियों के लिए शुभ : नागचंपा, अशोक, जूही, अर्जुन, नारियल आदि के पौधे या पेड़ लगाना सभी राशियों के लिए शुभ माना जाता है।

ग्रहों के अनुसार पेड़ - पौधे

सूर्य : मदार का पेड़।

चंद्र : पलाश या पोस्त का पेड़।

मंगल : नीम, ढाक या खैर का पेड़।

बुध : अपामार्ग का पेड़, केला या चौड़े पत्ते के पौधे।

गुरु : पारस पीपल, पीपल या केले का पेड़।

शुक्र : मूलर का पेड़, कपास का पौधा और बेलदार पौधे जैसे मनी प्लांट।

शनि : शमी का पेड़, कीकर, आक, खजूर भी है।

राहु : दूर्वा घास, नारियल का पेड़ या चंदन का पेड़।

केतु : कुश का पेड़, इमली का पेड़, तिल के पौधे और केले के पेड़।

नक्षत्र अनुसार लगाएं पौधे : अश्विनी के लिए कोविला, भरणी के लिए आंवला, कृतिका के लिए गुलहड़, रोहिणी के लिए जामुन, मृगशिरा के लिए खैर, आर्द्रा के लिए शीशम, पुनर्वसु के लिए बांस पुष्य के लिए पीपल, अश्लेषा के लिए नागकेसर, मधा के लिए बट, पूर्वा के लिए पलाश, उत्तरा के लिए पाकड़, हस्त के लिए रीठा, चित्रा के लिए बेल स्वाती के लिए अर्जुन, विशाखा के लिए कटैया, अनुराधा के लिए भालसरी, ज्येष्ठा के लिए चीर, मूल के लिए शाल, पूर्वाषाढ़ के लिए अशोक, उत्तराषाढ़ के लिए कटहल, श्रवण के लिए अकौन, धनिष्ठा के लिए शमी, शतभिषा के लिए कदम्ब, पूर्वाभाद्रपद के लिए आम, उत्तराभाद्रपद के लिए नीम, रेवती नक्षत्र के लिए महुआ पेड़

15 जून को सूर्यदेव मिथुन राशि में करेंगे प्रवेश, इन राशि वालों की चमकेगी किस्मत

ग्रहों के अधिपति भगवान सूर्य 15 जून की सुबह 4 बजकर 27 मिनट पर वृषभ राशि की यात्रा समाप्त करके मिथुन राशि में प्रवेश कर रहे हैं, जहां ये 16 जुलाई की दोपहर 11 बजकर 19 मिनट तक गोचर करेंगे उसके बाद कर्क राशि में चले जाएंगे। मिथुन राशि पर इनका गोचरकाल का अन्य राशियों पर कैसा प्रभावकारी रहेगा?

मेष राशि: राशि से तृतीय पराक्रम भाव में गोचर करते हुए सूर्यदेव का प्रभाव आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कार्य व्यापार में उन्नति तो होगी ही सामाजिक पद प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। आध्यात्मिक मामलों में भी रुचि और बढ़ेगी। सरकारी सर्विस के लिए प्रयास करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह-गोचर बेहद अनुकूल रहेगा। परिवार के वरिष्ठ सदस्योंसे मतभेद बढ़ने न दें। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए किया गया प्रयास भी सफल रहेगा।

वृषभ राशि : राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए सूर्यदेव का प्रभाव कई तरह के अप्रत्याशित परिणाम दिलाएगा। यद्यपि आर्थिक पक्ष मजबूत होगा किंतु किसी न किसी कारण से पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना ही पड़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशीलन रहें। महंगी वस्तुओं का क्रय करेंगे। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। कई बार अधिक बोलना आपके लिए नुकसानदेय सिद्ध हो सकता है, इसलिए अपनी योजनाओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे।

मिथुन राशि : आपकी राशि में गोचर करते हुए सूर्यदेव का प्रभाव शारीरिक पीड़ा दे सकता है, किंतु आप में साहस और पराक्रम की वृद्धि भी करेगा। निर्णय लेने की शक्ति बढ़ेगी। शासनसत्ता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में सर्विस आज के लिए आवेदन करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर बेहद अनुकूल रहेगा। विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों को परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए और प्रयास करने होंगे। वैवाहिक वार्ता सफल होने में थोड़ा और समय लगेगा।

कर्क राशि : राशि से बारहवें व्यय भाव में गोचर करते हुए सूर्यदेव अत्यधिक भागदौड़ का सामना तो करवाएंगे ही कहीं न कहीं आप थकान का भी अनुभव करेंगे। किसी मित्र से बिछड़ने का अप्रिय समाचार भी मिल सकता है। न्यायिक मामलों में सफलता मिलेगी। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा।

पोषक तत्वों का है खजाना, शुगर पर भी लगाता है लगाम

वजन और कोलेस्ट्रॉल कम करने में अमृत समान है 'कोदो'

कोदो का नाम हममें से अधिकांश लोगों ने सुना ही होगा, लेकिन इसके गुणों के बारे में कम ही लोगों को पता होगा। कोदो पोषक तत्वों का पावरहाउस है। कोदो में प्रोटीन, विटामिन, मिनिरल्स से लेकर एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना छिपा हुआ है। वैसे तो जितने भी मोटे अनाज होते हैं, उनमें अद्भुत गुण पाए जाते हैं, लेकिन कोदो का जवाब नहीं। कोदो में गेहूं, धान की तुलना में कई गुना अधिक प्रोटीन और फाइबर होता है। संयुक्त राष्ट्र ने कोदो को प्रमुख मिलेट्स में शामिल किया है। कोदो में गुड फैट होता है जो कोलेस्ट्रॉल समेत कई खतरनाक लेवल को कम करता है। कोदो का नियमित सेवन से कई बीमारियों को शरीर से भगाया जा सकता है। कोलेस्ट्रॉल से लेकर ब्लड शुगर तक को कम करने में यह अमृत समान है।

1. डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद- एनसीबीआई रिसर्च पेपर के मुताबिक कोदो का सेवन शुगर पर लगाम लगा सकता है। इसमें कई तरह के फायटोकेमिकल्स और पोलीफेनॉल होते हैं। साथ ही इसमें पर्याप्त मात्रा में फाइबर होता है। इस कारण यह खून में शुगर को तेजी से बढने नहीं देता. साथ ही ज्यादा फाइबर होने के कारण यह भूख को कंट्रोल करता है। इसलिए जिन लोगों को मोटापा पर कंट्रोल करना है, उनके लिए भी कोदो बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।
2. हार्ट डिजीज का खतरा कम-कोदो में पोलीसैचुरेटेड फैट पाया जाता है जो हार्ट के मसल्स को रिलेक्स पहुंचाने में मदद करता है। इसके साथ ही इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इस कारण यह हार्ट डिजीज के जोखिम को कम कर सकता है।
3. हड्डियों को मजबूत बनाता-कोदो में 18 प्रतिशत कैल्शियम होता है। इसके अलावा इसमें जिंक, मैग्नीज और मैग्नीशियम भी मौजूद होता है। इस कारण कोदो का नियमित सेवन कर हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है।
4. किडनी के लिए पायदेमंद- कोदो मिलेट में हाई फाइबर और पोटैशियम होता है जो किडनी से संबंधित दिक्कतों से राहत दिला सकता है। कोदो से शरीर में बढ़ा हुआ यूरिक एसिड कम हो सकता है। इसलिए यह किडनी में पत्थर की समस्याओं से भी दूर रख सकता है।
5. पाचन तंत्र शक्तिशाली- सभी तरह के मोटे अनाज से पाचन तंत्र को शक्तिशाली बनाया जा सकता है। कोदो में मौजूद फाइबर और फायटोकेमिकल आंत की लाइनिंग को स्मूथ करता है जिससे बाओल मूवमेंट बेहतर होता है। इसलिए यह पाचन शक्ति को बहुत मजबूत बना देता है।

महिलाओं को इन 5 बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा!

महिलाओं के लिए हेल्दी रहना पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा चैलेंजिंग होता है। महिलाओं को हेल्थ से संबंधित परेशानियां ज्यादा होती हैं और इनसे बचने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। महिलाओं को इन बीमारियों से बचने के लिए अच्छी लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए और समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। आज आपको बता रहे हैं कि महिलाओं को कौन सी 5 बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा होता है और इनसे किस तरह बचा जा सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं को हार्ट डिजीज का खतरा सबसे ज्यादा होता है। यूएस सीडीसी के आंकड़ों के अनुसार साल 2019 में अमेरिका में करीब 20 प्रतिशत मौतें हार्ट डिजीज की वजह से हुई थीं। महिलाओं को 40 से 60 की उम्र के बीच हार्ट डिजीज का खतरा होता है और उन्हें इसका पता भी नहीं चलता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो अच्छी लाइफस्टाइल और बेहतर खान-पान से हार्ट डिजीज का खतरा 82% कम हो सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं को होने वाला सबसे कॉमन कैंसर होता है। हर साल लाखों की संख्या में महिलाएं इस जानलेवा बीमारी की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं। फैमिली हिस्ट्री से लेकर तमाम फैक्टर ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। इससे बचने के लिए महिलाओं को अच्छी लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट के अलावा समय-समय पर कैंसर की स्क्रीनिंग करानी चाहिए. वक्त रहते कैंसर का पता लग जाए, तो इसे ठीक भी किया जा सकता है।

महिलाओं को ओवेरियन और सर्वाइकल कैंसर का खतरा भी ज्यादा होता है। सर्विकल कैंसर बच्चेदानी के मुंह का कैंसर होता है, जबकि ओवेरियन कैंसर अंडाशय का कैंसर होता है। सर्वाइकल कैंसर का खतरा एचपीवी वैक्सीन के जरिए 90 फीसदी तक कम किया जा सकता है। अगर बच्चियों को 9 साल के बाद इस वैक्सीन को लगा दिया जाए, तो सर्वाइकल कैंसर को रोका जा सकता है। ओवेरियन कैंसर से बचने के लिए समय-समय पर स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो महिलाओं को एंजायटी और डिप्रेशन का खतरा करीब 3 गुना ज्यादा होता है। एंजायटी और डिप्रेशन का असर मेंटल हेल्थ पर ही नहीं, बल्कि फिजिकल हेल्थ पर भी बुरी तरह होता है। इससे बचने के लिए महिलाओं को स्ट्रेस को मैनेज करना चाहिए और खुश रहने की कोशिश करनी चाहिए. साइकेट्रिस्ट की मदद से आप एंजायटी और डिप्रेशन से छुटकारा पा सकते हैं।

अमेरिकन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के अनुसार, इनफर्टिलिटी की समस्या महिलाओं को ज्यादा परेशान करती है। जानकारों की मानें तो 30-35 साल के बाद महिलाओं की फर्टिलिटी में गिरावट आने लगती है और कई बार यह प्रेग्नेंसी में बाधा बनने लगती है। इसके अलावा भी महिलाओं को कई तरह की रिप्रोडक्टिव समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इससे बचने के लिए समय-समय पर डॉक्टर से मिलकर चेकअप कराना चाहिए।

सुबह-सुबह दांत ब्रश करने चाहिए या रात को? अधिकतर लोग कर रहे गलती

ओरल हेल्थ बेहतर बनाए रखने के लिए दांतों की सफाई बहुत जरूरी होती है। दांतों की सही तरीके से सफाई न की जाए तो इनमें प्लाक और बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं, जिससे कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंटिस्ट लोगों को दिन में दो बार सुबह और शाम अच्छी तरह दांतों को ब्रश करने की सलाह देते हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में लोग दिन में एक ही बार ब्रश करते हैं। लोगों को लगता है कि सुबह-सुबह ब्रश करने से दांतों को साफ और हेल्दी रखा जा सकता है, लेकिन एक्सपर्ट की राय इस मामले पर अलग है।

नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित गुलाटी डेंटल क्लीनिक के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव गुलाटी ने बताया कि दांतों को साफ रखने के लिए रोजाना दो बार ब्रश करना बेहद जरूरी होता है। लोगों को सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले ब्रश करना चाहिए। रात के वक्त ब्रश करने की सलाह इसलिए दी जाती है, क्योंकि रात के वक्त मुंह कई घंटों तक बंद रहता है, जिसकी वजह से दांतों में प्लाक और बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं। ऐसी कंडीशन में दांतों और मसूड़ों में इंफेक्शन समेत कई तरह की परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए सुबह-शाम ब्रश जरूर करना चाहिए।

होने लगती ओरल हेल्थ से संबंधित बीमारियां

डॉक्टर वैभव गुलाटी का कहना है कि अगर आप दिन में सिर्फ एक बार ब्रश कर पा रहे हैं, तो आप रात के वक्त ब्रश करना चाहिए। दरअसल, रात में लंबे वक्त तक खाना और अन्य चीजें हमारे दांतों के अंदर रहती है, जिससे बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं। इससे ओरल हेल्थ से संबंधित बीमारियां होने लगती हैं। इससे बचने के लिए लोगों को रात के वक्त ब्रश जरूर करना चाहिए। आमतौर पर दिन में लोग पानी पीते हैं और कुल्ला करते हैं, जिससे दांतों की सफाई होती रहती है। जबकि रात के वक्त मुंह बंद रहता है और बैक्टीरिया का अटैक ज्यादा होता है। एक्सपर्ट की मानें तो दांतों और मसूड़ों को हेल्दी रखने के लिए रोजाना दो बार ब्रश करना चाहिए। टूथब्रश अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए और टूथपेस्ट भी अच्छा होना चाहिए। इसके अलावा लोगों को जंक फूड्स, सोडा, कोल्ड ड्रिंक्स, चाय-कॉफी का सेवन कम से कम करना चाहिए। इन चीजों से हमारे दांतों की रंगत खराब हो सकती है और ओरल हेल्थ खराब हो सकती है। लोगों को समय-समय पर डेंटिस्ट से मिलकर जांच करानी चाहिए।

बेहद पावरफुल है शंखपुष्पी फूल हार्ट के लिए भी है दमदार

ब्रेन टॉनिक के साथ-साथ कई बीमारियों के जोखिम को कर सकता है कम

शंखपुष्पी का नाम सुनते ही लोगों के दिमाग में ब्रेन टॉनिक आ जाता है। निःसंदेह शंखपुष्पी ब्रेन के लिए बहुत फायदेमंद है, लेकिन इसके अन्य भी कई तरह के फायदे हैं। विज्ञान के हिसाब से भी मानें तो शंखपुष्पी ऑवरहेल्थ के लिए बेहतरीन चीज है। शंखपुष्पी को मॉर्निंग ग्लोरी कहा जाता है। आयुर्वेद में शंखपुष्पी का कई तरह की बीमारियों में इस्तेमाल किया जाता है। शंखपुष्पी हार्ट के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा यह मूड को सही रख सकता है। वहीं अल्सर, मिर्गी, उल्टी, बुखार, डायबिटीज, अनिद्रा, एनोरेक्सिया, सन स्ट्रोक, ब्लीडिंग, डाइजेशन, इंफेक्शन आदि में भी शंखपुष्पी बहुत फायदेमंद है।

शंखपुष्पी के अद्भुत फायदे

हार्ट के लिए फायदेमंद- एक रिपोर्ट के मुताबिक शंखपुष्पी में एथेनोलिक एसिड हार्ट को बहुत फायदा पहुंचाता है। यह शरीर में फैटी एसिड को कम करता है, जिसके कारण ब्लड वैसल्स को रिलेक्स फील होता है और खून की नलियों में बैड कोलेस्ट्रॉल के जमा होने का जोखिम कम हो जाता है। अध्ययन के मुताबिक शंखपुष्पी से प्राप्त कंपाउड हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट ब्लॉक, आर्टरीज में ब्लड क्लॉट के जोखिम को कम कर सकता है।

दिमाग का टॉनिक- अधिकांश लोग शंखपुष्पी को ब्रेन टॉनिक मानते हैं। यह बात विज्ञान के हिसाब से भी सच है। रिसर्च के मुताबिक शंखपुष्पी में एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवेनोएड्स कंपाउड होते हैं जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम को सक्रिय करते हैं। सेंट्रल नर्वस सिस्टम से याददाश्त का मैकेनिज्म कंट्रोल होता है। यही कारण है शंखपुष्पी का इस्तेमाल दिमागी क्षमता बढ़ाने में किया जाता है। शंखपुष्पी का सेवन करने से मानसिक थकान को भी दूर हो सकता है।

बेचैनी और अवसाद कम- चिंता, बेचैनी, अवसाद जैसी समस्याओं को शंखपुष्पी कम कर सकता है। स्टडी के मुताबिक शंखपुष्पी में एंटी-स्ट्रेस, एंटी-डिप्रेसिव, एंटी-एंग्जाइटी गुण होता है। यानी तनाव के कारण होने वाली परेशानियों को शंखपुष्पी कम कर सकती है। शंखपुष्पी में दिमाग में केमिकल न्यूरोट्रांसमीटर को संतुलित करता है जिससे शरीर में डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है और इससे सेरोटोनिन और कॉर्टिसोल हार्मोन कम हो जाता है। इन सबसे मूड बेहतर रहता है।

इन लोगों को भूलकर भी नहीं पीनी चाहिए कॉफी, नहीं तो सेहत के लिए बन जाएगी मुसीबत

कॉफी पीने के साथ भले ही सुबह की सुस्ती दूर भाग जाती हो, लेकिन दो कप से ज्यादा पिया जाए तो ये कई सारी सेहत की समस्याओं को बढ़ा देता है। गैस, एसिडिटी के साथ ही कॉफी पीने से ग्लूकोमा और यूरिन में भी समस्या पैदा होने लगती है। मॉर्निंग ड्रिंक में अक्सर लोग कॉफी पीना पसंद करते हैं। एनर्जी बूस्ट करने के साथ ही ये नींद भगाने में भी मदद करती है। अक्सर लोग सुस्ती भगाने के लिए कॉफी पीते हैं। कॉफी के कई सारे फायदे भी बताए गए हैं। अगर ब्लैक कॉफी पी जाए तो ये हार्ट फेलियर के रिस्क को कम करती है और प्रोस्टेट कैंसर के रिस्क को भी घटाती है। लेकिन, कॉफी के फायदे कम और नुकसान ज्यादा है। खासतौर उन लोगों को जो इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें कॉफी भूलकर भी नहीं पीनी चाहिए।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम

कैफीन की वजह से बाउल रेगुलेरिटी बढ़ जाती है। कॉफी पीने से डायरिया होने के चांस रहते हैं। जो कि इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का एक लक्षण है। जिन लोगों को बार-बार डायरिया होता है या लूज मोशन की समस्या रहती है। इरिटेबल बाउल सिंड्रोम है तो उन्हें ज्यादातर कॉफी को अवॉएड करना चाहिए।

ग्लूकोमा के मरीज

रिसर्च के मुताबिक कैफीन की वजह से ग्लूकोमा का रिस्क बढ़ जाता है। कॉफी पीने की वजह से इंट्राऑक्यूलर प्रेशर उन लोगों में बढ़ जाता है जो ग्लूकोमा के मरीज हैं।

ओवर एक्टिव ब्लैडर

जिन लोगों को बार-बार यूरिन होने की शिकायत है, उन्हें कॉफी पीने से परहेज करना चाहिए। हार्ट डिसीज के लोगों को कॉफी पीने से बचना चाहिए। कॉफी पीने से हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर ढोनों ही बढ़ जाता है। ऐसे में हाई बीपी वालों और हार्ट के मरीजों को कॉफी पीने से पूरी तरह से बचना चाहिए।

प्रेग्नेंट वूमन : द अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टैट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के मुताबिक प्रेग्नेंट वुमन को करीब 200 मिलीग्राम से ज्यादा कॉफी नहीं पीनी चाहिए। 200 मिलीग्राम लगभग दो कप। ज्यादा कॉफी मिसकैरेज, प्रीमेच्योर लेबर और लो बर्थ वेट को बढ़ा देती है। हालांकि, प्रेग्नेंट वुमन के लिए कॉफी

स्लीप डिसऑर्डर

जिन लोगों को नींद ना आने की समस्या है। उन्हें कॉफी से पूरी तरह से दूर रहना चाहिए। कॉफी की वजह से खराब नींद और सुस्ती की समस्या होती है। स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक करीब बेड टाइम के 6 घंटे पहले कॉफी को अवॉइड करना चाहिए।

पैनिक अटैक्स और एंजायटी के मरीज हों

कॉफी पीने से एंजायटी की समस्या बढ़ जाती है। अगर आप एंजायटी और उसकी वजह से पैनिक अटैक्स की समस्या से जूझ रहे हैं तो भूलकर भी कॉफी ना पिएं।

गैस और एसिडिटी की समस्या हो

जिन लोगों को गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स की समस्या है। उन्हें कॉफी के कप से दूर रहना चाहिए। कैफीन इसोफेगस और स्टमक के बीच के वॉल्व को ढीला कर देती है। जिसकी वजह से पेट में बनने वाला एसिड इसोफेगस में पहुंच जाता है और गैस्ट्रो इसोफेगल रिफ्लक्स की समस्या को बढ़ा देता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

मॉन्स्टरवर्स की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बनी

लॉस एंजिलिस। वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर' लीजेंडरी और वार्नर ब्रदर्स मॉन्स्टरवर्स फ्रैंचाइजी में दुनिया भर में 57 करोड़ डॉलर यानी कि भारतीय मुद्रा में लगभग 4759 करोड़ रुपए की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है।

यह मॉन्स्टरवर्स चैंपियन 2017 की पिछली फिल्म 'कोंग स्कल आइलैंड' से भी आगे निकल गई है। इसने 56 करोड़ 86 लाख डॉलर (भारतीय मुद्रा में लगभग 4747 करोड़ रुपए) की कमाई की थी। 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर' ब्राजील, कोलंबिया, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको और यूएई समेत 35 बाजारों में सबसे अधिक कमाई करने वाली मॉन्स्टरवर्स फिल्म है। सोनी की 'घोस्टबस्टर्सः फ्रोजन एम्पायर' ईस्टर वीकेंड पर रिलीज होनी थी, जो 22 मार्च तक के लिए आगे बढ़ा दी गई थी। इसने वार्नर के लिए शानदार सप्ताहांत पर कदम रखने और उसे अपने कब्जे में लेने का सुनहरा अवसर बनाया। ऐतिहासिक रूप से जो 'क्लैश ऑफ द टाइटन्स', 'रेडी प्लेयर वन' और 2021 की 'गॉडजिला बनाम कांग' के साथ स्टूडियो के लिए एक समृद्ध लॉन्चपैड रहा है। इसने चार करोड़ 81 लाख डॉलर (भारतीय मुद्रा में लगभग 401 करोड़ रुपए) की घरेलू ओपनिंग दी थी। 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर' से ईस्टर सप्ताहांत में चार करोड़ पांच लाख की उम्मीद थी।

टॉलीवुड

रामोजी फिल्म सिटी में शूट हुई थी ये ब्लॉकबस्टर फिल्में

मुंबई। हाल ही में, रामोजी फिल्म सिटी और इनाडु के संस्थापक रामोजी राव के निधन के चलते फिल्मी इंडस्ट्री को गहरा धक्का लगा। रामोजी राव फिल्म निर्माण के क्षेत्र की एक बहुत बड़ी हस्ती थे। उनके निधन की खबर से कई कलाकार शोक में डूब गए। कई सितारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं, कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर उनसे जुड़ी यादों को सबके साथ साझा किया। रामोजी राव ने 1996 में रामोजी फिल्म सिटी को बसाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म सिटी में हर साल करीब 200 फिल्मों की शूटिंग होती है। आज हम आपको कुछ ऐसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बारे में बताएंगे जिन्हें इसी फिल्म सिटी में शूट किया गया था।

केजीएफ : यश, श्रीनिधि शेट्टी, गरुड़ा राम और अनंत नाग अभिनीत फिल्म 'केजीएफ' की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में हुई थी। इसका निर्देशन प्रशांत नील ने किया था। यह फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी। इसके दूसरे भाग को भी दर्शकों ने सराहा था।

बाहुबली : यह कोई कहने वाली बात नहीं है कि निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'बाहुबली' कितनी बड़ी हिट थी। फिल्म के दोनों भाग ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था।

सलार : प्रशांत नील की फिल्म 'सलार' भी इसी जगह शूट हुई थी। इस फिल्म में प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन ने काम किया है। फिल्म पिछले साल 22 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इसके दूसरे भाग पर भी काम चल रहा है। फिल्म में दो दोस्तों की कहानी दिखाई गई है।

भोजपुरी

मोनालिसा से लेकर रानी चटर्जी तक, इन एक्ट्रेसेस का नहीं है यूपी-बिहार से कनेक्शन

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा में काम करने वाली कई एक्ट्रेसेस यूपी-बिहार की ही रहने वाली हैं। लेकिन कुछ ऐसी भी एक्ट्रेसेस हैं जिनका इन राज्यों से कोई भी कनेक्शन नहीं है। कलाकरों को जहां काम मिलता है वो उसी जगह के हो जाते हैं। ऐसी ही कुछ एक्ट्रेसेस भी हैं जिनकी पहचान भोजपुरी कलाकरा के तौर पर तो है लेकिन असल में वो भोजपुरी नहीं हैं। मुंबई की रहने वाली रानी चटर्जी ने भोजपुरी सिनेमा में अच्छी-खासी पहचान बनाई है। रानी को भोजपुरी सिनेमा की दबंग एक्ट्रेस कहते हैं जो एक मुस्लिम परिवार को बिलॉन्ग करती हैं। भोजपुरी फिल्मों की स्टार मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। मोनालिसा ने हिंदी सीरियल में भी काम किया है, लेकिन भोजपुरी फिल्मों में उन्हें लोकप्रियता मिली। कोलकाता में जन्मीं मोनालिसा बंगाली हैं और ब्राह्मण परिवार से बिलॉन्ग करती हैं। एक्ट्रेस पाखी हेगड़े महाराष्ट्रियन हैं और इन्होंने कुछ मराठी फिल्मों में भी काम किया है। लेकिन पाखी की पहचान भोजपुरी फिल्मों में ज्यादा बनी और लोग उन्हें उसी से पहचानते हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म इंडस्ट्री से की थी। काजल गुजरात की रहने वाली हैं लेकिन भोजपुरी सिनेमा से इन्हें पहचान मिली। भोजपुरी म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकीं नेहा मलिक बिहार या यूपी से हैं ही नहीं नेहा मुंबई की रहने वाली हैं लेकिन खेसारी लाल यादव के साथ काम कर चुकी हैं। भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस एक्ट्रेस नम्रता मल्ला काफी फेमस हैं। नम्रता दिल्ली की रहने वाली हैं, मॉडलिंग वहीं से शुरू कीं लेकिन भोजपुरी फिल्मों से करियर की शुरुआत की। भोजपुरी सिनेमा की एक्ट्रेस शुभी शर्मा राजस्थान से बिलॉन्ग करती हैं। भोजपुरी सिनेमा में अभी इनकी शुरुआत है लेकिन सोशल मीडिया पर इन्हें लाखों लोग फॉलो करते हैं।

लाइफ स्टाइल

क्यूट पिंक आउटफिट पर थम जाएंगी निगाहें

क्यूट एक्ट्रेस अनन्या पांडे को पपराजी ने हाल ही में एक इवेंट से पहले अपने कैमरे में कैप्चर किया। इस दौरान अनन्या पांडे बेहद गॉर्जियस लग रहीं थीं। इन तस्वीरों में अनन्या पांडे पिंक कलर के टॉप और लोअर में काफी क्यूट लग रहीं हैं, जिन पर फैंस दिल हार बैठे हैं। अनन्या पांडे इन फोटोज में एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रहीं हैं। स्मोकी एंड न्यूड मेकअप के साथ मैच करते हुए अनन्या पांडे ने इस दौरान अपने बालों को खुला छोड़ा है। अनन्या पांडे ने अपने इस लुक को इयररिंग्स और हील्स के साथ एक्सेसराइज किया। सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे के लाखों फैंस हैं, जो उनके हर लुक पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते नजर आते हैं।

गर्मियों में आपका चेहरा चमकाएंगी ये पत्तियां

इस भीषण गर्मी में अपनी सेहत और त्वचा का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। अगर खानपान का ध्यान ना रखा जाए तो कई तरह की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। इसके साथ शरीर में भी घमौरियां, एक्ने, मुंहासे अन्य समस्याएं जन्म देने लगती हैं। ऐसे में लोग गर्मी से बचने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं। वैसे तो पार्लर में पैसे खर्च करके आप आसानी से स्किन केयर कर सकते हैं, लेकिन अगर आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो आप घर पर ही स्किन केयर कर सकते हैं।

एलोवेरा की पत्तियां

लगभग हर घर में एलोवेरा का पौधा जरूर होता है। एलोवेरा में मौजूद तत्व त्वचा संबंधी कई परेशानियों से राहत दिलाने का काम करते हैं। इसका इस्तेमाल टैनिंग दूर करने से लेकर मुंहासों के खात्मे तक के लिए किया जाता है। ऐसे में आप भी स्किन केयर में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

नीम की पत्तियां

अगर आपके घर के पास नीम का पेड़ है तो इनकी पत्तियों का इस्तेमाल आप कई तरह से स्किन केयर में कर सकते हैं। आप नहाने के पानी में भी नीम की पत्तियां डालकर उस पानी से नहाएंगे तो घमौरियों जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा नीम की पत्तियों का इस्तेमाल फेस पैक में भी कर सकते हैं।

धनिया की पत्तियां

एंटीफंगल और रोगाणुरोधी तत्वों के कारण धनिया की पत्तियां कीटाणुनाशक और डिटॉक्सीफायर के रूप में कार्य करती हैं। इसका पैक बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है।

पुदीना की पत्तियां

गर्मी के मौसम में पुदीने का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। शरीर के साथ-साथ त्वचा का ख्याल रखने के लिए भी पुदीना का इस्तेमाल किया जा सकता है। पुदीने की पत्तियां त्वचा संबंधी कई परेशानियों को दूर करती हैं।

सूती साड़ी में दिखाना है खूबसूरत अंदाज तो लें इन अभिनेत्रियों के लुक से टिप्स

फैशन

गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। नई दिल्ली में कई जगहों पर तापमान 50 डिग्री के पार हो गया है। लोगों को घर से बाहर निकलने में दिक्कत हो रही है। ऐसे में मौसम विभाग लगातार लोगों को यह सलाह दे रहा है कि वह जितना हो सके वो घर में ही रहे और अगर बाहर निकलना है पूरी तैयारी के साथ निकलें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सूती कपड़े पहनने की सलाह दी है।

गर्मी के मौसम में सूती कपड़े काफी आरामदायक होता है। ऐसे में हर कोई सूती कपड़े पहनकर घर से बाहर निकल रहा है। अगर आप भी साड़ी पहनना चाहती हैं, लेकिन आपको समझ में नहीं आ रहा है कि गर्मी में किस तरह की साड़ी खरीदें तो हम आपको कुछ अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं। इन अभिनेत्रियों की तरह साड़ी पहनकर आप गर्मी में भी अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती है। ये अभिनेत्रियां गर्मियों के मौसम में अक्सर कॉटन की साड़ी पहने ही देखी जाती हैं। ऐसे में आप इसे टिप्स ले सकती हैं।

दीया मिर्जा : डबल रंग की ये कॉटन की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत लग रही है। आप चाहें तो आप भी ऐसा डीपनेक ब्लाउज कॉटन की साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं। इसके साथ अपने बालों को खुला रखें।

रानी मुखर्जी : अगर अपने दफ्तर में कॉटन की साड़ी पहनना चाहती हैं तो रानी मुखर्जी का ये लुक आपके लिए परफेक्ट है। इसके साथ कॉलर वाला ब्लाउज आपको बॉस लेडी दिखने में मदद करेगा। आप इसके साथ चश्मा पहनकर आप अपना स्टाइलिश अंदाज दिखा सकती हैं।

कोंकणा सेन शर्मा : हमेशा अपने ग्लैमरस लुक की वजह से लोगों का दिल जीतने वाली कोंकणा कॉटन की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रहीं हैं। आप भी चाहें तो उन्हीं की तरह ऐसा स्लीवलेस ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। ये देखने में अच्छा लगता है।

मनीषा कोइराला : हीरामंडी वेब सीरीज से एक बार फिर लोगों को अपना दीवाना बनाने वाली मनीषा कोइराला का ये साड़ी लुक बेहद खूबसूरत है। आप चाहें तो इस तरह की साड़ी के साथ अलग रंग का ब्लाउज पहनकर आप अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती हैं।

बालों को लंबा और घना बनाएगा भिंडी का जैल और कंडीशनर

बालों की देखरेख के लिए बाजार में तरह-तरह के जैल और कंडीशनर मिलते हैं। लेकिन, घर पर भी बालों की देखरेख के लिए हेयर जैल बनाया जा सकता है। इस हेयर जैल को बनाने के लिए आपको जरूरत होगी भिंडी की. भिंडी का जैल विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के समेत मैग्नीशियम, पौटेशियम और जिंक जैसे खनिजों से भरपूर होता है। इससे हेयर फॉलिकल्स को फायदा मिलता है और हेयर ग्रोथ बेहतर तरह से हो पाती है। साथ ही, भिंडी में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स हेयर डैमेज का कारण बनने वाले और हेयर ग्रोथ को धीमा करने वाले फ्री रेडिकल्स से छुटकारा दिलाते हैं। इंस्टाग्राम पर इंफ्लुएंसर जोनाथन मोनरो का अपना अकाउंट है जिसपर वे हेयर और ब्यूटी से जुड़े वीडियो शेयर करते रहते हैं। अपने ऐसे ही एक वीडियो में जोनाथन ने भिंडी का जैल और हेयर कंडीशनर बनाने का तरीका बताया है।

भिंडी का कंडीशनर और जैल बनाने के लिए सबसे पहले लगभग 15 भिंडी लें और काट लें। अब एक बर्तन में कटी भिंडी डालें और 2 कप पानी मिला लें। आंच पर चढ़ाकर पकाएं और बीच-बीच में भिंडी हिलाते रहें। चाहे तो इसमें ताजा रोजमेरी भी डाली जा सकती है, लेकिन यह बिल्कुल ऑप्शनल है।

भिंडी के जैल के फायदे

इस जैल को सिर पर लगाने से डैंड्रफ की दिक्कत दूर होती है। इससे खुरदुरे बाल मुलायम बनते हैं और बालों में चमक नजर आती है।

बालों पर इस्तेमाल करने के अलावा इस जैल को चेहरे पर भी लगाया जा सकता है। विटामिन सी से भरपूर होने के चलते यह जैल कोलाजन सिंथेसिस में मददगार है और स्किन को एंटी-एजिंग गुण देता है।

इस जैल से त्वचा एक्सफोलिएट होती है और डेड स्किन सेल्स हटने लगती हैं। इसे लगाने पर स्किन सोफ्ट होने लगती है।

पैर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए पार्लर जाने की जरूरत नहीं

जिस तरह से हम चेहरे की स्किन का ख्याल रखते हैं, ठीक उसी तरह शरीर के बाकी अंगों की स्किन का भी ध्यान रखना पड़ता है। खासकर हाथ और पैर की. इसके लिए लड़कियां और महिलाएं पार्लर में जाकर पेडीक्योर करवाती हैं। जिससे पैर की स्किन सॉफ्ट हो जाती है। मगर अब आपको बाहर जाकर पेडिक्योर करवाने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही सिर्फ एक चीज की मदद से पार्लर जैसा बढ़िया पेडीक्योर कर सकती हैं। इसमें आपका कोई ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा। दरअसल, हम आपको इस आर्टिकस में टूथपेस्ट पेडीक्योर के बारे में बताने वाले हैं।

चाहिए होंगी ये चीजें : घर में पेडीक्योर करने के लिए आपको 1 बड़ा चम्मच टूथपेस्ट, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 1 बड़ा चम्मच चावल का आटा, 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल और 1 पुराना टूथब्रश चाहिए होगा।

इस तरह करें पेडीक्योर : घर में पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में टूथपेस्ट, गुलाब जल, चावल का आटा, एलोवेरा जेल मिलाकर एक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को पैरों पर लगाएं। इस पेस्ट को लगाने के बाद कम से कम 5 मिनट तक पैरों को टूथब्रश से स्क्रब करें।

स्क्रब करने के बाद पैरों को गुनगुने पानी में थोड़ी देर के लिए डाल दें। पैरों से जब सारा पेस्ट हट जाए तो टॉवल से पैरों को अच्छी तरह पोंछ लें और उसके फिर देसी घी से हल्के हाथ से मसाज करें। इस तरह से पेडीक्योर करने से पैरों से डेड स्किन बिल्कुल निकल जाएगी और आपके पैर एकदम साफ हो जाएंगे। इस तरह से पेडीक्योर करने के बाद आपके पैर इतने साफ हो जाएंगे कि आप पार्लर जाकर पेडीक्योर करवाना भूल जाएंगी।

पेडीक्योर के फायदे : पेडीक्योर करने के कई फायदे होते हैं। इससे आपके पैरों में खून का संचार बेहतर तरीके से होने लगता है साथ ही स्किन में कसाव आ जाता है।

कार्नर न्यूज

त्वचा को प्रोटेक्ट करना है तो ये 5 तरीके आएंगे काम

एसी में ज्यादा रहने पर हो सकती है स्किन में नमी की कमी

भीषण गर्मी में ऑफिस-घर, दोनों ही जगहों पर एसी चल रहा है। एसी की हवा भले ही हमें गर्मी से राहत देने का काम कर रही है, लेकिन दिन-रात एसी में रहने की वजह से स्किन को काफी नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। दरअसल, एसी कमरे की नमी को ड्राई करने का काम करता है, जिससे हवा ड्राई हो जाती है और यह हमारी स्किन की नमी को भी सोखने लगती है। इससे ड्राई स्किन की परेशानी बढ़ती जाती है जो एलर्जी और इर्रिटेशन की सबसे बड़ी वजह बन जाती है। इसकी वजह से एक्ने, पिंपल्स की समस्य भी बढ़ जाती है। तो ऐसा क्या करें कि एसी चलाते हुए भी हमारी स्किन हेल्दी और हाइड्रेट रहे। आइए जानते हैं इसके तरीके।

बॉडी को करें हाइड्रेट

बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए आप दिनभर में कम से कम 3 से 4 लीटर पानी जरूर पियें। आप कोकोनट वाटर, नारियल पानी भी पीकर स्किन की नमी को बरकरार रख सकते हैं।

ह्युमिडिफायर का इस्तेमाल

अगर आप दिन-रात एसी चला रहे हैं तो आप घर में ह्युमिडिफायर का इस्तेमाल करें। अगर आपके घर में यह नहीं है तो आप अपने कमरे में किसी बड़े से बर्तन में पानी रखें। यह हवा की नमी को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

मॉइश्चराइजर का करें इस्तेमाल

अगर आपकी त्वचा ड्राई हो रही है तो बेहतर होगा कि आप बटर क्रीम या ग्लिसरीन युक्त मॉइस्चराइजर लगाएं। ऐसे स्किन प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें जो त्वचा को ड्राई बनाती हो।

डाइट का रखें ख्याल

अपनी डाइट में उन चीजों को शामिल करें जिसमें विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन सी हो। इसके अलावा, ओमेगा 3 फैटी एसिड को भी डाइट में शामिल करना जरूरी है। भरपूर नींद लें, जिससे स्किन को हील करने में मदद मिले।

कमरे में रखें पौधे

एसी वाले कमरे में उन पौधों को रखें जो भरपूर ऑक्सीजन छोड़ते हों। इसके लिए आप एलोवेरा, स्नेक, प्लांट आदि से घर को सजाएं। ये पौधे हवा को तो बेहतर करते ही हैं, हवा में नमी भी बनाए रखते हैं।